3 राजधानी
मुफ्त मिलेगा ऑनलाइन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

8 अभिमत
इतिहास पुनः लिखने की आवश्यकता

13 विदेश
ट्रंप व्हाइट हाउस में बृहस्पतिवार को मनाएंगे दिवाली

14 स्पोर्ट्स
भारत ने दक्षिण अफ्रीका का सफाया किया

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 7 अंक 343
नई दिल्ली, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कैटरीना ने नयनतारा को बताया दक्षिण की खूबसूरत सुपरस्टार

विविध-16

नोटबंदी के बाद बढ़ा नकली नोटों का धंधा

देश में 1000 व 500 के नोट बंद होने के बाद जब्ती में 76.5 प्रतिशत की वृद्धि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नोटबंदी के बाद भी नकली नोटों का धंधा बदस्तूर जारी है। केंद्र सरकार के दावों के उलट बड़ी मात्रा में फर्जी करंसी चलन में है। देश में 1000 और 500 के नोट चलन से बाहर होने के बाद नकली नोटों की जब्ती में 76.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2017 में 28.1 करोड़ के नकली नोट पकड़े गए थे जबकि उससे पिछले यानी नोटबंदी वाले साल 2016 में 15.9 करोड़ कीमत की फर्जी करंसी जब्त की गई थी।

आंकड़ों में बड़ी बात यह सामने आती है कि 2017 में जब्त की गई कुल रकम की लगभग आधी 14.98 करोड़ की करंसी 2000 के नोटों में है। ये 2000 के नोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा के बाद बाजार में उतारे गए थे। उस समय नोटबंदी का ऐलान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पुराने नोट बंद करने के फायदों में नकली करंसी पर रोक लगने की बात भी कही थी। आंकड़ों में कहा गया है कि 2017 में 28,10,19,294 कीमत के कुल 3,55,994 भारतीय करंसी नोट नोट जब्त किए गए।

यही नहीं, सरकार द्वारा बंद किए गए नोट भी फर्जी करंसी चलाने वाले डीलरों ने छाप लिए थे और उसी साल 6.57 करोड़ के 1000 के नोट और 5.14 करोड़ के 500 के नोट भी पकड़े गए।

देशभर में दर्ज किए गए मामलों अनुसार नए 500 के नोट की 44.39 लाख की फर्जी करंसी भी डीलरों द्वारा छापी गई थी। इसके अलावा, नए 100 और 200 के नकली नोट भी छापे गए। पुलिस विभिन्न जगहों से 17.7 लाख कीमत के 200 रुपये के नकली नोट और 83,000 कीमत के 100 रुपये के नकली नोट अलग-अलग एजेंसियों ने जब्त किए। ज्यादातर पुराने 1000 और 500 के नोट बैंकों द्वारा पकड़ में आए जब नोटबंदी के बाद उन्हें बदलवाने पहुंचे।

एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों के अनुसार फर्जी नोटों के धंधे से जुड़े लोग ज्यादातर 2000 के नकली नोट छाप रहे हैं। हाल ही में एनआईए ने भी इस ओर इशारा किया था। ज्यादातर नकली नोट (लगभग 9 करोड़) गुजरात में पकड़े गए हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, केरल और आंध्र प्रदेश का नंबर आता है।

अपराध में यूपी अव्वल दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले एनसीआरबी ने 2017 के आंकड़े मंगलवार को जारी किए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार देश में तो आपराधिक मामलों में बढ़ोतरी हुई ही है, उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरे साल आपराधिक वारदात में इजाफा देखा गया है। देश भर का दस प्रतिशत अपराध यूपी में हुआ जो सबसे अधिक है। एक साल से भी अधिक देरी से जारी किए गए वार्षिक आंकड़ों में दर्शाया गया है कि 2017 में देशभर में विभिन्न अपराधों के कुल 30,62,579 दर्ज हुए। इससे पहले 2016 में 29,75,711 और 2015 में 29,49,400 केस सामने आए थे।

आंकड़ों के मुताबिक 2017 में उत्तर प्रदेश में 3,10,084 मामले दर्ज किए गए। इससे पहले 2016 में 2,82,171 केस और वर्ष 2015 में 2,41,920 केस लिखे गए थे। आपराधिक घटनाओं में 9.4 प्रतिशत हिस्से के साथ महाराष्ट्र का नंबर दूसरा है। यहां 2017 में 2,88,879, वर्ष 2016 में 2,61,714 और 2015 में 2,75,414 मामले दर्ज किए गए। आबादी के लिहाज से एक और बड़े राज्य मध्य प्रदेश में भी वर्ष 2017 में 2,69,512 आपराधिक घटनाएं हुईं। देशभर के अपराध में इस राज्य का हिस्सा 8.8 प्रतिशत रहा। यहां 2016 में 2,64,418 और वर्ष 2015 में 2,68,614 केस लिखे गए।

अपराध के मामले में चौथा नंबर केरल का है जहां 2,35,846 मामले दर्ज हुए। इसके बाद पांचवें स्थान पर दिल्ली रही जहां 2017 में कुल 2,32,066 आपराधिक केस सामने आए हैं। खास बात यह कि जब तब आपराधिक घटनाओं के लिए चर्चा में रहने (शेष पेज 10)

आतंकियों ने ढूंढ निकाला इंटरनेट पर रोक का तोड़

कश्मीर में नई चुनौती

- संपर्क बनाने-संदेश भेजने को वाईफाई या इंटरनेट बिना चलने वाले मोबाइल ऐप ब्रिजफाई का कर रहे इस्तेमाल

राकेश कुमार सिंह। नई दिल्ली

तू डाल-डाल, मैं पात-पात वाली कहावत पर अमल करते आतंकियों ने जम्मू कश्मीर में इंटरनेट पर लगी रोक का तोड़ ढूंढ निकाला है। गत 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद से ऐहतियातन जम्मू कश्मीर में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इंटरनेट पर रोक के चलते अपने नेटवर्क से कटे आतंकवादी अब मोबाइल ऐप ब्रिजफाई के जरिये अपने कैडर से संपर्क साधकर नापाक मंसूबों को अंजाम देने की कोशिश में जुट गए हैं। ब्रिजफाई 100 मीटर तक के दायरे में कारगर होता है और बगैर वाईफाई अथवा इंटरनेट सेवा के इसका प्रयोग किया जा सकता है।

मोबाइल मैसेज की पहुंच बढ़ाने के लिए ऐप ब्लूटूथ वायरलेस टेक्नोलॉजी फंक्शन से भी लैस है। अधिकारियों ने बताया कि इस ऐप के मार्फत निर्धारित नेटवर्क रेंज में ऑडियो, वीडियो, लिखित संदेश समेत सभी प्रकार के डाटा को भेजा जा सकता है। हांगकांग में चीन विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ब्रिजफाई ऐप का बड़े ही व्यापक स्तर पर इस्तेमाल कर बीजिंग को मुश्किल में डाल दिया था। इंटरनेट पर वहां भी रोक लगाई गई थी जिसके विकल्प के तौर पर विरोधियों ने ब्रिजफाई को अपनाया गया था। प्रदर्शनकारी इसकी मदद से ताजा जानकारी जुटाकर संगठित होते थे और बीजिंग के लिए उनकी गतिविधियों पर रोक लगाना खासा कठिन हो गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो महीनों में हांगकांग में इस ऐप के इस्तेमाल में 4,000 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। हालांकि, सीमित नेटवर्क रेंज के कारण ऐप के जरिये संपर्क साधना थोड़ा पेचीदा काम है लेकिन इसने आतंकी नेटवर्कों को सीमा पार बैठे आकाओं मसलन पाकिस्तानी सेना-आईएसआई गठजोड़ के भेजे संदेशों को फैलाने का साधन मुहैया करा दिया है। ब्रिजफाई ऐप सुरक्षा एजेंसियों के सर्विलांस और निगरानी क्षमता को सीमित करने का भी माद्दा रखता है जो कि पहले से ही घाटी में टेक्निकल इंटेलिजेंस जुटा पाने में समस्या का सामना कर रही हैं। राज्य के तमाम जिलों में प्रतिबंध का स्तर अलग-अलग है लिहाजा टेलीकॉम नेटवर्क उसी के अनुरूप परिचालन कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि टेक्निकल इंटेलिजेंस की कमी का अच्छा खासा असर मानव संसाधन आधारित इंटेलिजेंस पर भी हुआ है।

सुरक्षा एजेंसियों के हाथों मारे जाने से पहले अल कायदा कश्मीर का प्रमुख जाकिर मूसा सुरक्षा एजेंसियों के राडार पर आने से बचने जैसे खास मकसद से अपने आप नष्ट हो जाने वाले फीचर से लैस ऐप विकसित करता था। मूसा ने इंजीनियरिंग की (शेष पेज 10)

मौसम

अधिकतम	31.6°C (0)
न्यूनतम	17.5°C (-1)

बाजार

सेंसेक्स	38,963	↓	334
निफ्टी	11,588	↓	73
सोना	38,810	↑	50 /10g
चांदी	46,690	↑	160 /kg

क्विक न्यूज

कनाडा में सरकार बनाने में सिंह बने किंगमेकर

ओटावा। भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) इस बार हुए आम चुनावों में किंगमेकर की भूमिका में उभरी है क्योंकि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की लिबरल पार्टी को रोमांचक चुनावी मुकाबले में बहुमत नहीं मिला है। हालांकि सबसे अधिक सीटें जीतने के साथ ही वह सत्ता के दावेदार बने हुए हैं। हाल ही में संपन्न कनाडाई आम चुनाव में एनडीपी को 24 सीटें मिली। लिबरल पार्टी को 157 सीटें, विपक्षी कंजर्वेटिव को 121, ब्लॉक क्यूबेकोइस को 32, ग्रीन पार्टी को तीन और निर्दलीय को एक सीट मिली। (विस्तृत पेज 13)

व्हिसलब्लोअर की शिकायत के बाद इन्फोसिस का शेयर 17 प्रतिशत टूटा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का शेयर मंगलवार को करीब 17 प्रतिशत नीचे आ गया। इससे कंपनी के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 53,451 करोड़ रुपए की गिरावट आई। दूसरी ओर इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने मंगलवार को कहा कि कंपनी की ऑडिट समिति मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख और मुख्य वित्त अधिकारी निलांजन रॉय के खिलाफ व्हिसिलब्लोअर समूह द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र जांच करेगी। शेयर बाजार को दी सूचना में नीलेकणि ने एक बयान में कहा कि समिति ने स्वतंत्र आंतरिक ऑडिटर ईकाई और कानूनी फर्म शारदुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी से स्वतंत्र जांच के लिए परामर्श शुरू कर दिया है। नीलेकणि ने कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल के सदस्यों में से एक को 20 और 30 सितंबर 2019 को दो अज्ञात शिकायतें प्राप्त हुईं थीं।एक व्हिसलब्लोअर शिकायत में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख और मुख्य (शेष पेज 10)

चिदंबरम को जमानत लेकिन रहना होगा अभी जेल में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- आईएनएक्स मीडिया भ्रष्टाचार मामले में राहत, एक अन्य प्रकरण में ईडी ने उन्हें पहले से ही कर रखा है गिरफ्तार

पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम को आईएनएक्स मीडिया भ्रष्टाचार मामले में दो महीने हिरासत में बिताने के बाद उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया लेकिन वह अभी रिहा नहीं हो सकेंगे क्योंकि इससे संबंधित धन शोधन के मामले में वह प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं।

कांग्रेस के 74 वर्षीय वरिष्ठ नेता चिदंबरम को केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने 21 अगस्त को उनके जोर बाग स्थित आवास से गिरफ्तार किया था। सीबीआई की पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया। इस बीच, विशेष अदालत ने 18 अक्टूबर को धन शोधन के मामले में चिदंबरम को 24 अक्टूबर तक के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में दे दिया। न्यायमूर्ति आर भानुमति, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की तीन सदस्यीय खंडपीठ ने मंगलवार को पूर्व मंत्री पी चिदंबरम की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय के 30 सितंबर का फैसला निरस्त करते हुए उन्हें जमानत देने का निर्णय सुनाया। पीठ ने कहा कि वह न तो भागने के जोखिम वाले हैं और न ही मुकदमे की सुनवाई से उनके भागने की आशंका है। बहरहाल, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उसके आदेश का किसी भी अन्य कार्यवाही पर कोई असर नहीं होगा। पीठ ने चिदंबरम को कुछ शर्तो के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। इनमें उन्हें एक लाख रुपए का मुचलका और इतनी ही राशि के दो जमानती देने के साथ ही अपना पासपोर्ट विशेष अदालत में जमा करना होगा। पीठ ने कहा कि विशेष अदालत की अनुमति के बगैर वह देश से बाहर नहीं जाएंगे। इसके अलावा वह उन आदेशों के दायरे में भी होंगे जो विशेष अदालत समय समय पर देगी। न्यायालय ने सीबीआई के इस दावे को दरकिनार कर दिया कि 74 वर्षीय चिदंबरम ने इस मामले में दो प्रमुख गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास किया था। न्यायालय ने कहा कि ऐसा कोई विवरण उपलब्ध नहीं है कि कब, कहां और कैसे इन गवाहों से संपर्क किया गया। चिदंबरम द्वारा गवाहों को प्रभावित करने संबंधी सीबीआई के दावों के संबंध में पीठ ने कहा, इन दो गवाहों से एसएमएस, ईमेल, पत्र या टेलीफोन काल के माध्यम से संपर्क करने के तरीके और इन गवाहों से संपर्क करने वाले व्यक्तियों का कोई विवरण नहीं है।

हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी के दोनों कातिल गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद

गुजरात एटीएस ने हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी हत्या मामले में मंगलवार को वांछित दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि 18 अक्टूबर को लखनऊमें तिवारी की हत्या करने के बाद सूरत के निवासी आरोपी अशफाक शेख (34) और मोइनुद्दीन पठान (27) फरार थे। गुजरात आतंक रोधी दस्ते (एटीएस) के पुलिस उपमहानिरीक्षक हिमांशु शुक्ला ने बताया कि मंगलवार शाम गुजरात-राजस्थान सीमा पर शामलाजी के पास से उन्हें तब गिरफ्तार किया गया जब वे गुजरात में घुसने वाले थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तकनीकी सर्विलांस के जरिए उनकी स्थिति का पता लगाया गया, जब दोनों ने फरार होने के बाद अपने परिवार और दोस्तों से बात की। दोनों को हिंदू समाज पार्टी के प्रमुख तिवारी की हत्या की जांच कर रही उत्तर प्रदेश पुलिस के हवाले किया जाएगा। हिंदू समाज पार्टी बनाने के पहले हिंदू महासभा के एक धड़े से जुड़े रहे तिवारी (45) की हत्या लखनऊ के नाका हिंडोला इलाके में उनके घर में कर दी गई थी।

मोदी ने अभिजीत बनर्जी के साथ की विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नोबेल पुरस्कार के लिए चयनित भारतीय मूल के अमेरिकी प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी ने मंगलवार को मुलाकात की और दोनों ने विभिन्न मुद्दों पर गहन तथा अच्छी चर्चा की।

बनर्जी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर हैं और उन्हें अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें उनकी पत्नी एस्थर डुफ्लो और माइकल क्रेमर के साथ संयुक्त रूप से दिया जाएगा। इन तीनों को वैश्विक स्तर पर गरीबी से लड़ने संबंधी शोध कार्यों के लिए 2019 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है।

मोदी ने अपने आधिकारिक आवास में बनर्जी के साथ मुलाकात के बाद ट्वीट किया, नोबेल पुरस्कार के लिए चयनित अभिजीत बनर्जी के साथ शानदार मुलाकात। मानव सशक्तिकरण के प्रति उनका जुनून स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। विभिन्न विषयों पर हमारे बीच अच्छी और गहन चर्चा हुई। भारत को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

अयोध्या के दीपोत्सव को राज्य स्तरीय मेले का दर्जा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- योगी कैबिनेट ने 13 प्रस्तावों को मंजूरी दी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में अयोध्या में दीपोत्सव को राज्य मेला का दर्जा देने, उप्र राज्य सेप्टिक प्रबंधन नीति सहित 13 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

सरकारी धन का दुरुपयोग न होने पाए इसके लिए अयोध्या दीपोत्सव मेले में झांकी सहित सभी कार्यक्रमों का ऑडिट किया जाएगा। सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह एवं श्रीकांत शर्मा ने बताया कि बैठक में मंत्रिपरिषद ने अयोध्या के दीपोत्सव मेले का प्रान्तीयकरण किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेले के प्रबंधन के लिए जिलाधिकारी अयोध्या को अधिकृत किया है। जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा दीपोत्सव मेला का जिला अयोध्या का प्रान्तीयकरण किए जाने के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया था। वर्तमान समय में दीपोत्सव मेले का आयोजन पर्यटन विभाग द्वारा किया जाता है। मेले के अंतरराज्यीय स्वरूप के दृष्टिगत इसकी समुचित व्यवस्था एवं सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री द्वारा इसके प्रान्तीयकृत किए जाने की घोषणा की गयी है। दीपोत्सव मेले का प्रान्तीयकरण हो जाने के बाद इसका प्रबन्धन जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा किया जाएगा। वर्ष 2019 में आयोजन पर लगभग 132.70 लाख रुपये के व्यय का अनुमान है। इस मेले के आयोजन पर होने वाले व्ययभार का वहन शासन द्वारा धनराशि की उपलब्धता के आधार पर किया जाएगा।

भारी जाम वाली सड़कों पर भी सुकून से चला सकेंगे कार

दिल्ली सरकार ने रि-डिजाइनिंग योजना के तहत ऐसी नौ सड़कों की पहचान कर शुरू किया काम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी की जिन सड़कों पर जाम के कारण चलना दूभर होता था, जल्द ही उनके हालत सुधर जाएंगे। रि-डिजाइनिंग के तहत केजरीवाल सरकार ने ऐसी नौ सड़कों की न सिर्फ पहचान की है बल्कि उनपर काम भी शुरू हो गया।

इन सड़कों में वजीरपुर डिपो से रीठाला मेट्रो स्टेशन, बिटानिया चौक से आउटर रिंग रोड़ वेस्ट एन्क्लेव पीतमपुरा, शिवधापुरी मार्ग और पटेल रोड़, विकास मार्ग, लक्ष्मी नगर से कड़कड़ी मोड़, निर्माणा रोड मदर डेरी से पंचमहल, रिंग रोड-मायापुरी से मोतीबाग जंक्शन, रिंग रोड़- एम्स से आश्रम, अंबेडकर नगर से डिफेंस कालोनी फ्लाईओवर और आउटर रोड निगम बोध घाट से मैग्जिन रोड क्रॉसिंग शामिल हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सड़कों की रि-डिजाइनिंग की बारे में जानकारी देते हुए

संवाददाता सम्मेलन में सड़कों की रि-डिजाइनिंग योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अगले एक साल में दिल्ली की 9 सड़कें यूरोप के बड़े शहरों की तरह खूबसूरत दिखेंगी। पहले इनको पायलट प्रोजेक्ट के तहत रि-डिजाइन किया जाएगा। जिससे इन सड़कों पर जाम खत्म होगा। पहले चरण में 45 किलोमीटर सड़कों का सुधार किया जाएगा। इस योजना पर चार सौ करोड़ खर्च होने का अनुमान है। केजरीवाल के अनुसार सड़कों में सुधार करने से बाटलनेक खत्म होंगे। अभी कोई सड़क चार लेन से तीन लेन या छह लेन से चार लेन में तब्दील हो जाती है। इससे अचानक सड़क पर एक जगह वाहनों का दबाव बढ़ जाता है और जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। आधुनिक तरीके से सड़क बनाने यह समस्या खत्म होगी। फुटपाथ, रिक्शा, साइकिल के लिए जगह बनाई जाएगी।

अभी सड़कों के किनारे हरियाली का दायरा बहुत कम है। बदलाव से फुटपाथ के आसपास ग्रीन बेल्ट के लिए जगह होगी। आटो व ई रिक्शा के लिए अलग से स्टैंड बनेंगे। सड़क पर स्लोप व नालों को भी सुधारा जाएगा। जिससे बारिश के पानी से जमीन में रीचार्ज हो। अभी सड़कों पर वाहनों के चलने से धूल उड़ती है। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए खाली जमीन पर ग्रीन बेल्ट या घास बछाई जाएगी।

सीएम ने बताया कि इस पूरी कवायद का मकसद यह है कि दिल्ली भी दुनिया के अन्य देशों की राजधानी की तरह दिखे। जिससे दुनियाभर में देश की (शेष पेज 10)

मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर, पाक गोलाबारी में सेना का जवान शहीद

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने मंगलवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित त्राल इलाके में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को मार गिराया। सिंह ने बताया कि तीन में से दो दहशतगर्द विदेशी हो सकते हैं। उन्होंने कहा, अभियान खत्म होने के बाद मामले का और विवरण मिल पाएगा। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि जैश का यह मॉड्यूल इस साल अगस्त में खानाबदोश गुज्जर समुदाय से ताल्लुक रखने वाले दो भाइयों की हत्या में शामिल था। दूसरी ओर पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर नौशेरा सेक्टर के कलाल इलाके में संघर्षविराम का मंगलवार को फिर से उल्लंघन किया जिसमें भारतीय सेना का एक जवान शहीद हो गया।

अटकी पड़ी चिल्ला एलिवेटेड रोड के निर्माण की कवायद शुरू

कंपनियों से मांगे आवेदन, योगी कर चुके हैं शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए चिल्ला एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाना है। इसके लिए सलाहकार कंपनी का चयन नवंबर के पहले सप्ताह में कर लिया जाएगा। यह कंपनी ही प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंट (पीएमसी) के रूप में काम करेगी। निर्माण कार्य, समय सारणी, यातायात प्रबंधन, निर्माण प्रबंधन सभी का कार्य इसी कंपनी की देखरेख में किया जाएगा। प्राधिकरण ने इसके लिए आरएफ पी जारी कर कंपनियों से आवेदन मांगे हैं।

एक नवंबर को आवेदन करने वाली कंपनियों की आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। इसके बाद फाइनेंशियल निविदा खोली जाएगी। नोएडा प्रवेश द्वार पर यातायात को बेहतर बनाने के लिए एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाना है। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा में कर चुके हैं। उस समय इसका निर्माण शुरू कर दिया गया था लेकिन, बीच में इसे रोकना पड़ा। इसकी वजह दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम आरआरटीएस कॉरिडोर व पीडब्ल्यूडी की एक एलिवेटेड के कॉरिडोर तथा चिल्ला एलिवेटेड के कॉरिडोर का आपस में टकराना था।

यह कॉरिडोर चिल्ला एलिवेटेड रोड से करीब 12 से 15 मीटर की ऊंचाई पर टकरा रहा था। ऐसे में यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर योजना और इंजीनियरिंग केंद्र यूटीटीआईपीईसी ने पीडब्ल्यूडी और प्राधिकरण दोनों को एलिवेटेड के रि.डिजाइन भेजने को कहा था। बताया गया कि यूटीटीआईपीईसी ने नोएडा एलिवेटेड रोड को मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब इसके डिजाइन को एनसीआर प्लानिंग बोर्ड भेजा गया है।

महामाया फ्लाईओवर तक जाएगी एलिवेटेड रोड

छह लेन की एलिवेटेड रोड नोएडा सेक्टर-14, 14ए, 15, 15ए, 16, 18 से होकर गुजरेगी। यह रोड महामाया फ्लाईओवर पर समाप्त होगी। अधिकारियों ने कहा कि काम शुरू होने की तारीख से 42 महीने के भीतर सड़क का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। इसके निर्माण के बाद यह मयूर विहार से नोएडा में महामाया फ्लाईओवर तक यातायात की सुविधा देगा। वर्तमान में यहां का यातायात दादरी-नोएडा लिंक रोड और फिल्म सिटी रोड से गुजरता है। जिससे यातायात जाम की समस्या रहती है। परियोजना की कुल लागत का 50 प्रतिशत नोएडा प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाएगा, जबकि अन्य 50 प्रतिशत लागत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

फिटनेस के कायल रॉबर्ड वाड्रा को मिली बेड रेस्ट की सलाह

सेक्टर-11 स्थित मेट्रो अस्पताल में ईलाज के बाद बाहर आते रॉबर्ट वाड्रा।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के मेट्रो अस्पताल से मिली छुट्टी

सेक्टर-11 स्थित मेट्रो अस्पताल में भर्ती बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा को मंगलवार शाम छुट्टी मिल गई। उन्हें सोमवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे जोड़ो में दर्द की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ पुनीत दिलावरी की टीम उनका इलाज कर रही थी। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे मेट्रो अस्पताल प्रबंधन की ओर से मेडिकल बुलेटिन जारी किया गया। डॉ दिलावरी ने बताया कि रॉबर्ट वाड्रा को घुटने और जोड़ो की नस में आई खिंचाव के चलते अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है। एमआरआइ सहित कई जांचों के बाद ही उन्हें भर्ती होने की सलाह दी गई। उन्हें बेड रेस्ट के साथ ही थोड़े दिन जिम नहीं जाने की सलाह दी गई है। वाड्रा का इलाज कर रहे डॉक्टर इससे पहले फोर्टिस व मैक्स अस्पताल में कार्यरत रहे हैं।

जानकारी के अनुसार वह रॉबर्ट वाड्रा का जिम कंसल्टेंट भी है वह अपनी फिटनेस के चलते भी सुर्खियों में रहते हैं। जिम जाने के साथ ही वह प्रतिदिन सुबह दौड़ को भी जाते हैं।

टोलकर्मी को गोली मारकर लूटी नकदी

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पेरिफेरल रोड पर बने टोल टैक्स पर धावा बोलकर बेखौफ बदमाशों ने एक टोलकर्मी को गोली मार दी। गोली मारने के बाद बदमाशों ने बूथ नंबर-4 के कैश बॉक्स में रखे लगभग 35 हजार रुपये लूट लिये। वारदात की सूचना मिलते ही मुरादनगर एसएचओ ओपी सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

गंभीर रूप से घायल टोलकर्मी को पहले निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में उसे दिल्ली जीटीबी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने बदमाशों को पकडऩे के लिए सर्च अभियान चलाया, लेकिन लुटेरे पुलिस की पकड़ में नहीं आ पाए। एसपी देहात नीरज कुमार जादौन ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। वारदात का खुलासा शीघ्र ही कर दिया जाएगा।

बता दें कि यह ऐसी पहली घटना नहीं है जब लुटेरों ने इस टोल टैक्स पर लूटपाट के लिए धावा बोला हो। इससे पहले भी ऐसी कई घटनाएं इस टोल टैक्स बैरियर पर घट चुकी हैं।

मंदिरों-मस्जिदों पर जाकर बता रहे दवा और दुआ दोनों जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अनूठी पहल, जल्द होगी हेल्पलाइन जारी

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और सेन्टर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च सीफार के तत्वावधान में मंगलवार को शहर के एक स्थानीय मॉल में स्वास्थ्य संचार सुदृढ़ीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों व योजनाओं के बारे में मीडिया प्रतिनिधियों का संवेदीकरण किया गया।

खासकर आत्महत्या जैसी घटनाओं की कवरेज करते समय जरूरी सावधानियों पर न केवल बल दिया गया बल्कि इस संबंध में डब्लूएचओ और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से जारी की गई गाइड लाइन पर भी चर्चा हुई। सीफार के अलावा स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी इस बात पर जोर दिया गया कि आत्महत्या की घटना की कवरेज सनसनीखेज न बनाई जाए। साथ ही हैंडिंग आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए। कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा अनुराग भार्गव ने आत्महत्या की बढ़ती प्रवृति पर चिंता जाहिर करते हुए बड़े ही सरल अंदाज में यह समझाने की कोशिश की, कि रास्ते कभी बंद नहीं होते और हर आदमी को सब कुछ मिलना संभव भी नहीं है। इसलिए यदि कोई रास्ता बंद होता दिखे तो उसका विकल्प तलाशें।

मानसिक विकार भी अन्य विकारों की ही तरह हैं और इनका उपचार भी है। स्वास्थ्य विभाग दुआ से दवा तक एक कार्यक्रम चला रहा है। इस कार्यक्रम के जरिए हम मंदिरों और मजारों आदि पर जाकर लोगों को समझाते हैं कि दुआएं अपनी जगह हैं लेकिन, दवा भी जरूरी है। उन्होंने बताया जिले में जल्द ही एक हेल्पलाइन जारी की जाएगी और एक मनकक्ष स्थापित किया जाएगा।

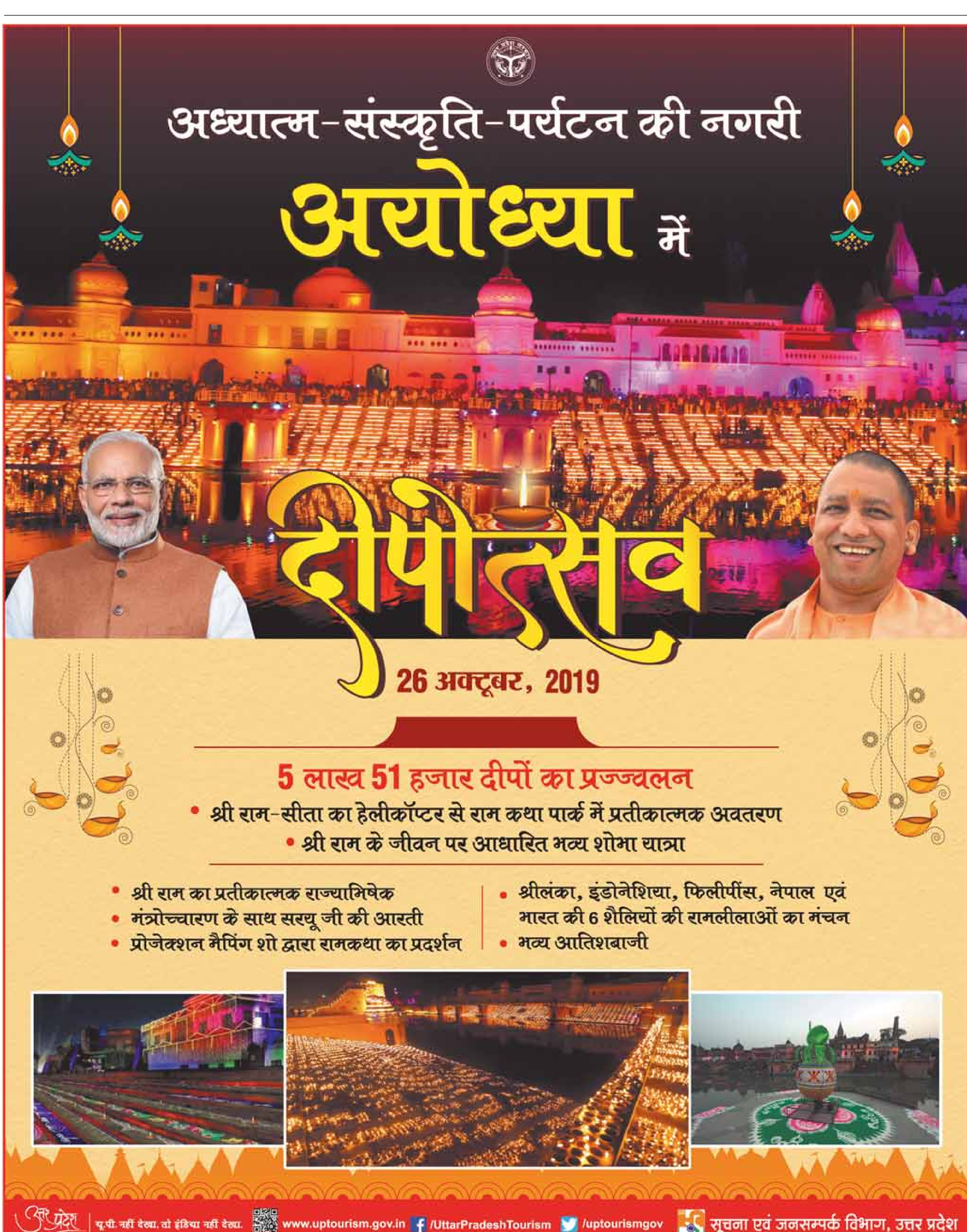

नोएडा एयरपोर्ट: नामी कंपनियों ने दिखाई रुचि

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा एयरपोर्ट के लिए टेंडर खरीदने व जमा करने की उलटी गिनती शुरू हो गई है। मात्र आठ दिन बचे हैं जिसमें अभी तक 20 कंपनियों ने टेंडर खरीद लिए हैं और दो कंपनियों ने टेंडर का पैसा भी जमा करा दिया है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड नियाल ने टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर तय की है।

नियाल ने 30 मई को वैश्विक निविदा निकाली थी जिसकी 29 नवंबर को कंपनी की चयन प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले इस ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के लिए नामी कंपनियों ने रुचि दिखाई है। अफसरों का कहना है कि दिल्ली से नजदीक होने के कारण कंपनियों की दिलचस्पी बढ़ी है।

वहीं, जिला प्रशासन एयरपोर्ट की जमीन का अधिग्रहण कर रहा है। जमीन पर कब्जा लेने के बाद यमुना प्राधिकरण को सौंप रहा है। प्राधिकरण ने जमीन के चारों ओर पिलर और बड़े-बड़े बोर्ड लगवा दिए हैं ताकि लोग जान सकें कि भूमि अधिग्रहित कर ली गई है।

लोहा व्यापार मंडल का दिवाली मेला कल

गाजियाबाद। गाजियाबाद लोहा व्यापार मंडल का दीपावली मंगल मिलन समारोह आकर्षक होगा। इस समारोह में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी खास मेहमान के रूप में आएंगे। लोहा व्यापार मंडल के मुख्य संयोजक अतुल कुमार जैन ने इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि समारोह इस बार 24 अक्टूबर को रामलीला मैदान कविनगर में आयोजित किया जा रहा है। समारोह में सांसद जनरल वीके सिंह, राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, प्रदेश सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग और महापौर आशा शर्मा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। पुलिस एवं प्रशासन के कई अफसर भी मौजूद रहेंगे।

विलय के विरोध में बैंककर्मियों का फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नवयुग मार्केट स्थित सिंडिकेट बैंक के सभी कर्मचारी मंगलवार को हड़ताल पर चले गए और यूनियन के बैनर तले विरोध प्रदर्शन भी किया। इस दौरान उन्होंने एकत्र होकर सरकार द्वारा बैंकों को दूसरे बैंकों में विलय किए जाने का विरोध जताया और नारेबाजी की।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि जबसे कुछ बैंकों का दूसरे बैंकों में विलय कर दिया गया है तब से कई लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जो बैंककर्मी हैं उनकी नौकरी भी खतरे में पड़ गई है। इस बात को लेकर सभी बैंककर्मी सरकार के इस फैसले से बेहद नाराज हैं। बताते चलें कि वित्तमंत्री द्वारा बैंकों के विलय का ऐलान किया गया था। जिसके चलते यूनाइटेड बैंक, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और पंजाब नेशनल बैंक का विलय हुआ।

दूसरी ओर केनरा बैंक और सिंडिकेट बैंक का आपस में विलय हुआ। तीसरा बड़ा विलय यूनियन बैंक, आंध्रा बैंक और कॉरपोरेशन बैंक का होगा, जबकि इलाहाबाद बैंक के साथ इंडियन बैंक का विलय हुआ है।

एचईएस अकेडमी ने 19.5 ओवर में 107 रन बनाकर टूर्नामेंट जीता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित टीएन मेमोरियल मल्टी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में चल रहे प्रथम त्रिलोकीनाथ मेमोरियल गर्ल्स टूर्नामेंट में मंगलवार को एचईएस क्रिकेट अकेडमी और छाया वूमेन अकेडमी के बीच फाइनल मैच खेला गया। एचईएस अकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। छाया वूमेन अकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 103 रन बनाए। टीम की ओर से रेखा ने 24 गेंद में सर्वाधिक 21 रन की पारी खेली।

उधर, एचईएस की गेंदबाज परुनिका ने 4 ओवर में 15 रन देकर दो विकेट लिए। उसके बाद एचईएस की टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी। टीम ने 19.5 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 107 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया। एचईएस टीम की ओर से वंदना ने 38 गेंद में सर्वाधिक 46 रन की पारी खेली जिसमें छाया अकेडमी को 7 विकेट से हरा मुकाबला अपने नाम किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

टोकन पर सीएम की फोटो, विपक्ष लाल

बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा के लिए हुए जारी

उपराज्यपाल से भी मिले भाजपा नेता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डीटीसी और क्लस्टर बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा योजना पर शुरू होने से पहले बवाल मचने लगा है और मामला लोकायुक्त के पास पहुंच गया है। विपक्षी भाजपा ने मुफ्त यात्रा के लिए जारी होने वाले टोकन पर मुख्यमंत्री केजरीवाल की फोटो को लेकर कड़ा ऐतराज जताया है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री केजरीवाल और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के विरुद्ध लोकायुक्त रेवा खेत्रपाल से शिकायत करते हुए याचिका दायर की है। इस पर बुधवार यानी आज दोपहर सुनवाई होगी। मामले में उपराज्यपाल से भी कार्रवाई की मांग की गई है।

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के अतिरिक्त विधायक ओमप्रकाश शर्मा, जगदीश प्रधान तथा पूर्व विधायक कपिल मिश्रा, अनिल बाजपेई की तरफ से मंगलवार को यह मुद्दा उठाया गया और इसके खिलाफ लोकायुक्त में याचिका दाखिल की गई। याचिका में शिकायत की गई है कि केजरीवाल सरकार चुनाव से पहले नियमों को ताक पर रखकर मुख्यमंत्री का प्रचार कर रही है, ताकि आम आदमी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों में अधिक से अधिक वोट प्राप्त हो सकें।

उपराज्यपाल को शिकायती पत्र देते नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता, साथ में ओपी शर्मा व अनिल बाजपयी और कपिल मिश्रा।

याचिकाकर्ताओं ने मामले में लोकायुक्त से जल्दी सुनवाई का निवेदन किया, क्योंकि आप सरकार इस योजना को 11 अक्टूबर को मंजूरी दे चुकी है तथा टिकटों का मुद्रण डिपो तथा अधिकारियों तक पहुंचाने का काम शुरू हो चुका है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस कार्य पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। शिकायत में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की फोटो लगाने का निर्णय नियम विरुद्ध लिया गया है। यह कोई विज्ञापन नहीं है और इसके लिए सरकार दिल्ली परिवहन निगम को कोई भुगतान भी कर रही है। अत: यह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के भी खिलाफ है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकायुक्त के समक्ष दाखिल की गई याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2012 में दिल्ली स्वराज योजना के अंतर्गत ऋण प्रार्थना पत्र में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. शीला दीक्षित तथा परिवहन मंत्री राजकुमार चैहान के फोटो प्रकाशित किये गये थे। तत्कालीन लोकायुक्त न्यायमूर्ति मनमोहन सरीन ने इन फोटो को हटाने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री फिर वही गलती दोहरा रहे हैं। विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस मामले को लेकर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल एलजी अनिल बैजल से भी मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल में विधायक ओ.पी. शर्मा, जगदीश प्रधान तथा पूर्व विधायक कपिल मिश्रा एवं अनिल बाजपेयी शामिल थे। उपराज्यपाल ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मुफ्त मिलेगा ऑनलाइन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निगम की समिति में प्रस्ताव पारित, पुरानी सुविधा रहेगी जारी

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र ऑनलाइन नि:शुल्क देगी। स्थायी समिति की बैठक में मंगलवार को यह प्रस्ताव पास किया गया। एसडीएमसी की इस नई पहल से ऑनलाइन प्रणाली सुविधाजनक और लोगों के अनुकूल बनेगी। समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता बताया कि नागरिकों को प्रमाणपत्र की पहली कॉपी मुफ्त घर भेजने की सुविधा पहले ही शुरू की चुकी है।

पहले 21 रुपये जन्म प्रमाणपत्र और 11 रुपये मृत्यु प्रमाणपत्र लेन के किलए अदा करना होता था। यह प्रस्ताव ऑनलाइन प्रमाणपत्र लेने को बढ़ावा देने के लिए पास किया गया है। नागरिक सेवा केंद्र से दोनों प्रमाण पत्र लेने की सुविधा पहले की ही तरह जारी रहेगी।

समिति ने यह भी फैसला लिया गया है कि प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए आवेदन 21 दिन के भीतर किया गया तो उस पर देर से लगने वाला जुर्माना भी नहीं लगेगा। भूपेंद्र गुप्ता के बताया कि वर्तमान में क्षेत्रीय कार्यालयों में नागरिक सेवा केंद्र और ऑनलाइन के जरिए जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र की पहली कॉपी मुफ्त मुहैया कराई जाती है और उसके बाद 21 रु और 11 रु का न्यूनतम शुल्क वसूला जाता था। आमतौर पर यह देखा गया कि लोग ऑनलाइन प्रमाण पत्र निकालने की बजाये नागरिक सेवा केंद्र की ओर रूख करते हैं।

वर्ष 2019 में नागरिक सेवा केंद्र ने 145862 जन्म प्रमाण पत्र और 24761 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये। वहीं ऑनलाइन से 62814 जन्म प्रमाण पत्र और 15800 मृत्यु प्रमाण पत्र लिए गए। गत वर्ष 2018 में नागरिक सेवा केंद्र से 73510 जन्म प्रमाणपत्र, 20430 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जबकि ऑनलाइन 203433 जन्म प्रमाण पत्र तथा 34699 मृत्यु प्रमाण पत्र लिए गए।

संक्षिप्त समाचार

सात कांउसलर पदों पर एबीवीपी का कब्जा

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय छात्र संघ की एक्जीक्यूटिव कमेटी के 11 कांउसलर पदों पर चुनाव संपन्न हुए । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इस चुनाव में 11 में से 7 पदों पर भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। फस्ट कांउसलर (चीफ एक्जीक्यूटिव कांउसलर) पद पर अभाविप प्रत्याशी तुषार बैंसला ने सबसे ज्यादा मत प्राप्त किए। अभाविप से तुषार बैंसला , वैभव चौधरी , निशुल खर्ब ,तरनप्रीत कौर , सूर्यांश सिंह, रविंद्र बेरीवाल ,शुभम चौधरी ने एक्जीक्यूटिव कांउसलर के पद पर जीत दर्ज की है । चुनाव परिणामों के घोषित होने के बाद अभाविप कार्यकर्ताओं ने डीयू नार्थ कैंपस में जोरदार जश्न मनाया । अभाविप के प्रदेश मंत्री सिद्धार्थ यादव ने कहा कि कॉलेज कैंपसों में अभाविप ने सकारात्मक प्रचार के माध्यम से जो आर्गेनिक लीडरशिप विकसित की है। डूसू अध्यक्ष अक्षित दहिया तथा डूसू उपाध्यक्ष प्रदीप तंवर ने संयुक्त बयान में कहा कि सेंट्रल पैनल और सेंट्रल कांउसिल में अभाविप प्रत्याशियों की बड़ी जीत के बाद एक्जीक्यूटिव कमेटी में मिली यह बड़ी जीत छात्रों के बीच हमारे स्टूडेंट बेस्ड एजेंडे के प्रति भरोसे को प्रमाणित करता है ।

डीयू में भारतीय विदेश नीति पर परिचर्चा

नई दिल्ली। आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)की पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन (रिपब्लिका) द्वारा भारतीय विदेश नीति का भूत, वर्तमान और भविष्य विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें जेएनयू. के प्रोफेसर पद्मश्री अमिताभ मट्टू का मुख्य भाषण रहा। व्याख्यान के दौरान प्रोफेसर मट्टू ने एक किताब नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। यह पुस्तक आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ आई. एम. झा द्वारा लिखी गई है। डॉ अमित सिंह, कन्वीनर (रिपब्लिका) ने भारतीय विदेश नीति में आए बदलावों की चर्चा करते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि बदलते समय व परिस्थितयों के साथ सभी देशों की भांति भारत की विदेश नीति में भी अंतर आया है। इसी के साथ उन्होंने भारतीय विदेश नीति पर इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी के प्रभावों की चर्चा भी की।

लोगों की सुविधानुसार बने पुलिस बूथ : कोर्ट

नई दिल्ली । उच्च न्यायालय ने कहा है कि पुलिस बूथों का बड़े पैमाने पर निर्माण होना चाहिए और वहां तैनात किए जाने वाले पुलिसकर्मियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा है कि इन बूथों का निर्माण इस तरह किया जाए कि लोगों को कम से कम असुविधा हो। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने केंद्र, दिल्ली सरकार तथा बिजली वितरण कंपनियों को एक साथ मिल कर पुलिस बूथों के निर्माण के लिए दिशा निर्देश बनाने और इन पर पानी एवं बिजली मुहैया कराने का निर्देश दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि वह संबंधित प्राधिकार को पुलिस बूथों के निर्माण के नियमन के लिए व्यापक दिशा निर्देश तैयार करने का निर्देश देते हैं। तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों के लिए बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए अधिकारियों से कहा है।

प्रदूषण फैलाने वालों का काटा 14.98 लाख रुपये का चालान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर उत्तरी दिल्ली नगर निगम सख्त हो गया है। विभिन्न क्षेत्र में निरीक्षण कर निर्माण गतिविधियों का जायजा लिया और प्रदूषण फैला रही इकाईयों के खिलाफ कार्यवाही की।

निगम ने खुले में कूड़ा जलाने वालों के खिलाफ 103, निर्माण कार्य से उत्पन्न धूल के लिए 39, खुले में मलबा डालने वालों के खिलाफ 50 चालान काटे। काटे गए जुर्माने की कुल राशि 14.98 लाख रुपये है। एनडीएमसी ने 15 अक्टूबर से अब तक 2921 स्थानों का निरीक्षण किया और 1329 स्थानों पर नियमों का उल्लंघन पाया। जिनमें से 1292 के चालान काटे और उनपर 76.51 लाख रुपये का जुर्माना ठोंका। निगम अपने इलाके के वाहनों के गुजरने से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए सभी वार्डों में पानी का छिड़काव भी कर रहा है।

इस बीच दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रावधान के उल्लंघन पर गत 20 दिनों में चारों जोनों में 2823 चालान और 84,77,700 रुपये का जुर्माना वसूला। एसडीएमसी ने स्पष्ट किया कि एनजीटी के आदेशों के उल्लंघन पर सभी जोनों में कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध ई-कचरा निस्तारण को लेकर एनजीटी सख्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को उस याचिका पर एक रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है जिसमें आरोप लगाया है कि एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के अध्ययन के अनुसार दिल्ली में और उसके आसपास पांच हजार अवैध ई-कचरा प्रसंस्करण इकाइयां चल रही हैं।

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कार्वाई किए जाने संबंधी रिपोर्ट ई-मेल के जरिए एक

महीने के भीतर मांगी है। पीठ ने कहा, दिल्ली में क्षेत्र के संबंध में पूर्वी और उत्तर पूर्व दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेटों के साथ और गाजियाबाद जिले में क्षेत्र के संबंध में जिला मजिस्ट्रेट, गाजियाबाद के साथ समन्वय कर डीपीसीसी को एक महीने के भीतर ई-मेल के जरिए कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। अधिकरण ने निर्देश दिए कि इस आदेश की एक प्रति डीपीसीसी, पूर्व और उत्तर पूर्व दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेटों, उत्तर प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और गाजियाबाद के जिला मजिस्ट्रेट को ईमेल से भेजी जाए।

मामले में सुनवाई की अगली तिथि 23 दिसंबर तय की गई है। एनजीटी का यह आदेश एक समाचार लेख पर संज्ञान लिए जाने के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि टोक्सिक लिंक द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार दिल्ली में और उसके आसपास पांच हजार अवैध ई-कचरा प्रसंस्करण इकाइयां संचालित है।

ऑड ईवन में महिलाओं को छूट के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में एक वकील ने याचिका दायर कर सम-विषय योजना के प्रस्तावित क्रियान्वयन को चुनौती दी।

वकील ने दलील दी कि इसमें महिला चालकों को छूट देकर समानता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया गया है। यह जनहित याचिका सुनवाई के लिए मुख्य न्यायधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरी शंकर की पीठ के समक्ष आई जिसमें इसे एक नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। वकील शाश्वत भारद्वाज ने ऑड ईवन को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की थी।

कोर्ट ने गलत चालान पर केंद्र आप सरकार से मांगा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर अगस्त से 10 अक्टूबर के बीच तेज गति से गाड़ी चलाने के लिए जारी चालान की राशि को लेकर उच्च न्यायालय ने केंद्र और आप सरकार से जवाब मांगा।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने एक याचिका पर गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। याचिका में कहा गया है कि नोटिस बोर्ड लगाने में राज्य की गड़बड़ी के कारण पुलिस विभाग द्वारा चालान जारी किए गए थे।

बोर्ड में बताया गया था कि वाहनों की अधिकतम गति सीमा 70 किमी प्रति घंटा थी जबकि 60 किमी प्रति घंटे की गति को पार करने पर चालान जारी किए जा रहे थे। याचिकाकर्ता पवन प्रकाश पाठक ने बताया कि यातायात पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा कि उन्होंने लगभग 1.5 लाख चालान वापस लेने का फैसला किया है जिनमें तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया था।

मुफ्त बिजली पर आप, भाजपा आमने-सामने

संजय सिंह

विजय गोयल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुफ्त बिजली को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा नेताओं में ठनी हुई है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस मुद्दे पर भाजपा पर हमला बोला।

उन्होंने सवाल किया कि भाजपा नेताओं और बिजली कंपनियों के बीच कोई समझौता हुआ है। उन्होंने बताया कि जब से भाजपा के राज्यसभा सांसद विजय गोयल ने यह कहा है कि अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार बनती है तो गरीब जनता को मिलने वाली 200 यूनिट मुफ्त बिजली और 400 यूनिट तक आधे दामों में मिलने वाली बिजली योजना को समाप्त कर देंगे। तब से अजीब सी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इस मुद्दे पर उन्होंने केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। संजय सिंह ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक तरफ तो केजरीवाल सरकार दिल्ली वालों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 400 यूनिट तक आधे दामों में बिजली मुहैया करा रही है। जिसका लाखों परिवारों को फायदा मिल रहा है। उन्होंने प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर को पत्र लिखकर उनसे सवाल पूछा है। भाजपा 200 यूनिट और 400 यूनिट पर मिलने वाले छूट को क्यों खत्म करना चाहती है। पार्टी के नेताओं और बिजली कंपनियों के बीच क्या गोपनीय समझौता हुआ है तो सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों की तरह दिल्ली में भी बिजली के दाम बढ़ाकर वह आप लोगों को मिलने वाली राहत को खत्म कर देगी।

'महिला आश्रय गृहों में कर्मचारियों की कमी'

नई दिल्ली। टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टिस) ने राजधानी स्थित शेल्टर होम की सोशल ऑडिट की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। अपनी रिपोर्ट में टिस ने कई गंभीर कमियों की ओर इशारा किया गया है।

सीएम केजरीवाल ने रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए सात दिन के अंदर तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए है। टिस टीम के मोहम्मद तारिक के नेतृत्व में 83 शेल्टर होम का दौरा किया और वहां के हालातों का जायजा लिया। यह पाया गया कि आश्रय घरों में कर्मचारियों की नियुक्ति कम थी और कई पद खाली थे।

मूर्तियों के बाजार से मेड इन चाइना गायब

अजय श्रीवास्तव। नई दिल्ली

मूर्ति बाजार में इस त्योहारी मौसम में मेक इन इंडिया का जलवा है। मेड इन चाइना काफी हद तक गायब है। पिछले कई बरसों से दिवाली पर देवी-देवताओं की मूर्तियों के बाजार में ड्रैगन का कब्जा था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं है और देश में बनी मूर्तियां ज्यादा दिखाई दे रही हैं।

राजधानी के सदर बाजार में पिछले तीन दशक से अधिक समय से उपहार सामग्री का कारोबार कर रहे स्टैंडर्ड ट्रेडिंग के सुरेंद्र बजाज ने कहा, इस बार मूर्तियों के बाजार से चीन काफी हद तक गायब है। बहुत कम व्यापारी चीन से आयातित मूर्तियां बेच रहे हैं। दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बावेजा कहते हैं, इस बार व्यापारियों ने चीन से बहुत कम

मूर्तियों का आयात किया है। आयात कम होने की वजह चीन से आयातित मूर्तियों के दाम में वृद्धि है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय मूर्तिकारों ने अब चीन की तकनीक को समझ लिया है और अपने उत्पादों में उसी के अनुरूप सुधार किया है।

यही वजह है कि आज भारतीय मूर्तिकारों ने चीन को पछाड़ दिया है। व्कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, चीनी सामान के बहिष्कार का अभियान असर मूर्तियों के बाजार पर दिख रहा है। ज्यादातर व्यापारी इस बार देश में बनी मूर्तियां ही बेच रहे हैं।

खंडेलवाल कहते है कि व्यापारियों का तो इसमें योगदान है ही, साथ ही ग्राहक भी अब चाइनीज गॉडफिगर खरीदने से कतराता है। इसके अलावा मेरठ भी मूर्तियों का बड़ा हब है। वहां की मूर्तियां भी बाजार में छाई हैं। कारोबारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान परमजीत सिंह ने कहा कि चीन की मूर्तियों के दाम इस बार बहुत ज्यादा हैं। साथ ही भारत में बनी मूर्तियां साजसज्जा और फिनिशिंग में चीन की मूर्तियों को कड़ी टक्कर दे रही हैं।

भारी मांग में है लाफिंग बुद्धा

दिवाली पर मुख्य रूप से लक्ष्मी, गणेश, रामदरबार, हनुमान, ब्रह्मा विष्णु महेश, शिव परिवार, दुर्गा और सरस्वती की मूर्तियों की मांग रहती है। बरसों से मूर्तियों का कारोबार कर रहे मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि मूर्तियां रेजिन मैटीरियल से बनाई जाती है, क्योंकि इसपर साजसज्जा करना आसान होता है। साथ ही इनकी साफ-सफाई भी आसान होती है।सुलेमान कहा कि भारतीय मूर्तियों की खास बात यह है कि ये अधिक टिकाऊ हैं। चीन की मूर्तियां बेशक आकर्षक दिखती हैं, लेकिन अधिक टिकाऊ नहीं होती। व्यापारियों ने बताया कि इस बार बाजार में लाफिंग बुद्धा की मूर्तियों की काफी मांग है। बड़ी-बड़ी कंपनियों से इनके लिए आर्डर आ रहे हैं। विभिन्न आकार के लाफिंग बुद्धा की मूर्तियों के दाम 200 से 2,000 रुपए तक हैं।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

ध्यान दें!

बेहतर सेवा के लिए जरूरी आपका सहयोग

पटाखों की बिक्री तथा उपयोग के लिए
माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश

- परिसरों में पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा निर्धारित एवं अनुमोदित सेफ वाटर एंड एयर स्प्रिंकलर्स (एसडब्ल्यूएएस) के अनुसार कम प्रदूषण वाले पटाखों (उन्नत पटाखे) और कम धुआँ छोड़ने वाले हरित पटाखों के अतिरिक्त किसी भी अन्य प्रकार के पटाखे नहीं बेचे जायेंगे।
- प्रतिबंधित/अस्वीकृत पटाखों की श्रेणियां
  - जुड़े हुए पटाखे (सीरीज पटाखे या लड़ियां)
  - बेरियम साल्ट्स/लिथियम/आर्सेनिक/एंटीमॉनी/सीसा/पारा से युक्त पटाखे
  - माननीय उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त आदेश के अनुसार प्रतिबंधित पूर्व में निर्मित पटाखे
- केवल वैसे पटाखों को बेचने की अनुमति है जिसकी डेसीबल (ध्वनि) स्वीकृत सीमा (फटने के स्थान से 4 मीटर पर 125 डेसीबल (एआई) या 145 डेसीबल (सी) पीके) के अंदर हो।
- साइलेंस जोन में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं: अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालयों, धार्मिक स्थलों से न्यूनतम 100 मीटर का दायरा साइलेंस जोन में शामिल है या कोई अन्य क्षेत्र जिसे सक्षम प्राधिकरण ने साइलेंस जोन घोषित किया है।
- माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पटाखे चलाने का समय:

रात 08:00 बजे से 10:00 बजे तक	दिवाली के दिन
प्रात: 04:00 बजे से 05:00 बजे तक रात 09:00 बजे से 10:00 बजे तक	गुरपुरब के दिन
रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक	क्रिसमस एवं नव वर्ष की पूर्व संध्या

- सामूहिक रूप से पटाखे यथासम्भव पूर्व-चिन्हित क्षेत्रों/स्थानों पर चलाये जा सकते हैं।

सभी संबंधित व्यक्ति इसका ध्यान रखें और पालन करें

दिल्ली पुलिस की ओर से
आप सभी को दिवाली की शुभकामनायें

DP/9166/19

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2019

सोहना में अधिक तो सबसे कम गुरुग्राम में मतदान

सोहना में 71.65 तो गुरुग्राम में 52.36 फीसदी डले वोट

12 लाख 5075 में से 7 लाख 17628 वोटर्स ने किया मतदान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा विधानसभा आम चुनाव के लिए 21 अक्टूबर को जिला गुरुग्राम में 59.55 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसमें सबसे अधिक 71.65 प्रतिशत मतदान सोहना विधानसभा क्षेत्र में हुआ, जबकि सबसे कम मतदान गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र में 52.36 प्रतिशत हुआ है। शहरी क्षेत्र में कम मतदान मतदाताओं की उदासीनता को दर्शाता है। इससे साफ है कि लोग मतदान के प्रति जिम्मेदार नहीं हैं। यह हाल तब है जब गुरुग्राम प्रशासन ने अनेक तरीकों से मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया था।

गुरुग्राम में आधे से थोड़े ज्यादा मतदाताओं ने डाला वोट

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 52.36 मतदान प्रतिशत रहा। विधानसभा क्षेत्र में कुल पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 3 लाख 61 हजार 108 थी, जिनमें से 1 लाख 89 हजार 72 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विधानसभा क्षेत्र में कुल 1 लाख 89 हजार 265 पुरुष मतदाता है जिनमें से एक लाख 4 हजार 737 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसी प्रकार एक लाख 71 हजार 829 महिला मतदाताओं में से केवल 84 हजार 334 ने वोट डाला। विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत 14 ट्रांसजेंडरों में से केवल एक ट्रांसजेंडर मतदाता ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जिला गुरुग्राम में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 12 लाख 5 हजार 75 थी, जिनमें से 7 लाख 17 हजार 628 मतदाताओं ने मतदान केन्द्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिला में कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या छह लाख 35 हजार 813 थी जिनमें से तीन लाख 96 हजार 480 पुरुषों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसी प्रकार जिला में पंजीकृत महिला मतदाताओं की संख्या पांच लाख 69 हजार 228 थी, जिनमें से तीन लाख 21 हजार 145 महिला मतदाताओं ने अपने वोट डाले। जिला में 34 ट्रांसजेंडर मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से तीन मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस लिहाज से 62.36 प्रतिशत पुरुष, 56.41 प्रतिशत महिलाओं व 8.82 ट्रांसजेंडरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सोहना विधानसभा क्षेत्र के मतदान का ब्योरा

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अमित खत्री ने बताया कि जिला में सबसे अधिक 71.65 प्रतिशत मतदान सोहना विधानसभा क्षेत्र में हुआ। विधानसभा क्षेत्र में कुल दो लाख 28 हजार 837 मतदाताओं में से एक लाख 63 हजार 954 मतदाताओं ने वोट डाले। वोट देने वालों में से 90,444 पुरुष और 73,510 महिला मतदाता शामिल हैं। सोहना विधानसभा क्षेत्र में पांच ट्रांसजेंडरों में से किसी ट्रांसजेंडर ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया।

पटौदी में मतदान प्रतिशत 62.26 रहा

पटौदी विधानसभा क्षेत्र के कुल 2 लाख 19 हजार 645 मतदाताओं में से एक लाख 36 हजार 745 मतदाताओं ने वोट डाले और वहां का मतदान प्रतिशत 62.26 रहा। इनमें 75,655 पुरुष और 61,88 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पटौदी विधानसभा क्षेत्र में पांच ट्रांसजेंडरों में से दो ट्रांसजेंडरों ने वोट डाला

बादशाहपुर में 57.61 प्रतिशत हुआ मतदान

बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदान प्रतिशत 57.61 रहा। यहां के कुल 3 लाख 95 हजार 485 पंजीकृत मतदाता थे, जिनमें से 2 लाख 27 हजार 857 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां 1 लाख 25 हजार 644 पुरुष जबकि 1 लाख 2 हजार 213 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विधानसभा क्षेत्र में 10 ट्रांसजेंडर मतदाता थे, जिनमें से किसी मतदाता ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया।

पुलिस ने चोरी के पत्थरों से भरा डंपर पकड़ा

सोहना। सोहना सिटी थाना पुलिस ने चोरी के पत्थरों से भरा डंपर पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। सोहना सिटी थाना में तैनात हवलदार सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि सोमवार शाम को तावडू की तरफ से चोरी के पत्थरों से भरा डंपर सोहना की तरफ आ रहा था। सोहना के अग्रसैन चौक पर नाकाबंदी कर दी। कुछ समय के बाद डंपर नाके की तरफ आया। जिसके चालक ने पुलिस के इशारे डंपर रोका। डंपर चालक सिकल निवासी सांचौली डंपर में भरा पत्थर का कोई सबूत पेश नहीं कर सका। जो चालक सकिल चोरी के पत्थर लेकर आ रहा था। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार करते हुए मामला दर्ज कर लिया। बीते चार दिन में पुलिस दूसरा डंपर चोरी के पत्थरों से भरा पकड़ा है। यह पत्थर राजस्थान से लेकर आते हैं। सोहना के आस पास बने क्रेसर जोन में लेकर जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीएलएफ गार्डन सिटी में मनाया दीवाली उत्सव

गुरुग्राम। डीएलएफ गार्डनसिटी में न्यू टाउन हाइट्स सेक्टर-91 की सांस्कृतिक समिति ने दीवाली मेला का आयोजन किया। इस उत्सव और रंगारंग कार्यक्रमों से सजी इस शाम में हर आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। डीएलएफ गार्डनसिटी द्वारा इस आयोजन में आगंतुकों के मनोरंजन के लिए रवायती रस्म ओ रिवाज के सिवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खाद्य सामग्रियों एवं खरीदारी के स्टाल्स भी थे। इसके इलावा इस उत्सव में सेल्फी जोन का भी प्रावधान था जहां शिरकत करने वाले निवासियों ने अपने परिवार के साथ इन यादगार लम्हों को सहेजा। बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का प्रावधान भी था। दीवाली के उत्सव का रंग डीएलएफ गार्डन सिटी के द प्राइमस में भी देखने को मिला जहां का वातावरण फूड और शोपिंग स्टाल्स एवं उत्सव की रौनक से मनोरम था। डीएलएफगार्डनसिटी के अन्य कोंडो जैसे की न्यू टाउन हाइट्स सेक्टर-90 में भी दीवाली मेला आयोजित किया गया।

मध्यस्थता केंद्र में ही पत्नी ने पति पर कराया हमला

गुरुग्राम। यहां फैमिली कोर्ट (कुटुम्ब अदालत) के आदेश पर बच्चों को उनकी अधिवक्ता मां से मिलवाना पिता को भारी पड़ गया। पिता ने आरोप लगाया है कि उसकी अधिवक्ता पत्नी ने अदालत परिसर स्थित मीडिएशन सेंटर में अपने सहयोगी अधिवक्ता द्वारा उसके साथ मारपीट कर जान से मारने तक की धमकी भी दिलवा दी। पीड़ित ने पुलिस उपायुक्त के आदेश पर क्षेत्र के शिवाजी नगर पुलिस थाना में शिकायत देकर मामला दर्ज करा कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार भीम नगर के ऋषि शर्मा ने पुलिस थाना में दी शिकायत में कहा है कि उसकी पत्नी ने उसके खिलाफ कई मुकदमे दायर किए हुए हैं, जोकि फैमिली कोर्ट में लंबित हैं। फैमिली कोर्ट ने हर माह के तीसरे शनिवार को बच्चों को उनकी मां से मीडिएशन सेंटर में मिलवाने का आदेश दिया है। वह अपने दोनों बच्चों को लेकर मीडिएशन सेंटर निश्चित समय पर पहुंचा था। उसकी पत्नी दोनों बच्चों को सेंटर में बैठाकर बात कर रही थी और उसे बाहर बैठा दिया। पीड़ित का कहना है कि पत्नी ने अपने सहयोगी अधिवक्ता को फोन कर मीडिएशन सेंटर में बुला लिया। पीड़ित का आरोप है कि सहयोगी अधिवक्ता ने न केवल उसके साथ दुर्व्यवहार किया, बल्कि मारपीट कर उसे जान से मारने तक की धमकी भी दी। पीड़ित ने अपना मेडिकल कराकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर सहयोगी अधिवक्ता अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बता रहे हैं।

एक से तीन नवंबर तक होगी छठ पूजा : राजेश पटेल

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था छठ पूजा समिति की बैठक का आयोजन संस्था के राजेश पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को राजेंद्रा पार्क स्थित कार्यालय में किया गया, जिसमें संस्था के पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। राजेश पटेल ने बताया कि बैठक में संस्था के जितेंद्र सिंह, विरेंद्र शुक्ला, केपी सिंह, सुशील राजन, नवलेश कुमार, नवीन कुमार, अमित, राजेश, एके सिंह, संतोष कुमार, राजेंद्र कुमार की मौजूदगी में तैयारियों पर मंथन किया गया। उन्होंने बताया कि एक नवम्बर को खरना, 2 नवम्बर को डूबते सूरज को अर्ध्य, तीन नवम्बर को प्रात: उगते सूरज को अर्ध्य देने का कार्यक्रम होगा। बड़ी संख्या में पूर्वांचल मूल के लोग सपरिवार शामिल होंगे। आयोजन की व्यवस्था व श्रद्धालुओं की सुरक्षा आदि पर भी चर्चा की गई और सदस्यों को आयोजन को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां भी सौंपी गई। उन्होंने कहा कि किसी भी श्रद्धालु को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होनी दी जायेगी। कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं।

जागरुकता करके प्रदूषण रहित दीवाली मनाने का संदेश

फर्रुखनगर। दीपावली के अवसर पर एस्सार फिलिंग स्टेशन व वत्स फायर सर्विसिज द्वारा मंलगवार को स्थानीय श्री कृष्णा फिलिंग स्टेशन फर्रुखनगर पर मॉक ड्रिल, सफाई अभियान, पौधारोपण करके जागरुकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका शुभारम्भ डिवीजन प्रबंधक अमिताभ प्रसाद व क्षेत्रिय विक्रय प्रबंधक वानु वाधवा ने पौधारोपण करके किया। इस मौके पर वानु वाधवा ने कहा कि न्यारा एनर्जी समय-समय पर इस प्रकार के जागरुकता पूर्ण कार्यक्रम प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित करती है। इनमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, पॉलोथिन मुक्त भारत, आगजनी से सुरक्षा, बचाव व रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करती है। इस मौके पर वत्स फायर सर्विसिज के प्रबंधक दिनेश वत्स भांगरौला, श्री कृष्णा फिलिंग स्टेशन फर्रुखनगर के प्रबंधक वेद प्रकाश शर्मा पातली, मुकेश यादव, सुरेंद्र सिंह, नीरज, दिनेश शर्मा, राजपाल, राम, रामकिशन, मुकेश चौधरी आदि मौजूद थे।

पेंशन न मिलने से गुस्साईं महिलाएं सड़क पर उतरीं

पेंशन न मिलने पर बुधवार को एसडीएम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठने की दी धमकी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के भगत सिंह चौक पर धरना देकर बैठीं पेंशनधारक महिलाएं।

पेंशनधारक महिलाओं ने पेंशन न मिलने पर शहर के बीचों-बीच सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। महिलाओं का आरोप है कि पिछले चार दिन से डाकघर के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन उन्हें पेंशन नहीं दी जा रही है। साथ ही पोस्टमास्टर पर महिला पेंशनधारकों से बत्तमीजी से बातें करने का आरोप लगाया है। बुधवार को महिला पेंशनधारकों ने एसडीएम कार्यालय परिसर में अपनी मांग को लेकर धरने पर बैठने की धमकी दी है।

सोहना के डाकघर में पिछले चार दिन से पेंशन के लिए चक्कर लगा रही वृद्ध और विधवा महिलाओं का गुस्सा आखिर मंगलवार को फूट ही पड़ा। महिलाएं डाकघर से 100 एकदम की दूरी पर बाजार के बीचों-बीच शहीद भगतसिंह फव्वारा चौक पर धरना देकर बैठ गई। महिलाओं ने पोस्टमास्टर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पोस्टमास्टर पर बत्तमीजी से बातें करने धमका कर भगाने का आरोप लगाया है।

पेंशनधारक फूलवती ने बताया कि वह चार दिन से परेशान हो रही है, लेकिन पेंशन नहीं मिल रही है। हरीनगर निवासी मेमवती ने कहा कि वह विधवा है, 250 रुपये पर मजदूरी करने जाती है। पिछले तीन दिन से पेंशन लेने के चक्कर में मजदूरी पर भी नहीं गई, इससे उसे 750 रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। रंजना का कहना है कि जब भी आते हैं, उन्हें धमकाते हुए पोस्टमास्टर घर चले जाने को कहता है। जिसका व्यवहार महिलाओं के प्रति सही नहीं है। सूचना मिलने पर सिटी थाना से आई पुलिस टीम में हवलदार अशोक कुमार ने बताया कि करीब 35 मिनट तक जाम लगाकर बैठीं महिलाओं को सड़क से उठाया गया। पोस्टमास्टर ने जल्द ही पेंशन वितरण का कार्य चालू करने का आश्वासन दिया है।

एसडीएम कार्यालय पर देंगी धरना

वृद्ध महिला सुदेश शर्मा ने बताया कि यदि शीघ्र ही उनकी पेंशन नहीं मिलती है तो बुधवार को सभी महिलाएं एसडीएम कार्यालय परिसर में धरना देंगी। उन्होंने बताया कि दीवाली का त्योहार आ रहा है। महिलाओं की जेब खाली है।

क्या कहना है पोस्टमास्टर का

पोस्टमास्टर लक्ष्मण सिंह ने बताया कि नेट न चलने से पेंशन वितरण के कार्य में बाधा आ रही है। नेट नियमित चलने पर सभी पेंशनधारकों को बांट दी जाएगी। खराब नेट समस्या को ठीक कराने के लिए जिला कार्यालय पर लिखित में शिकायत दर्ज कराई हुई है।

सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत

सोहना। सोहना-पलवल मार्ग पर गांव हाजीपुर के निकट 22 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की बाइक तेज गति से जा रहे एक कैंटर ने अपनी चपेट में ले लिया व युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

गांव बडोली जिला पलवल निवासी संदीप यहां बन रहे गुरुग्राम-मुंबई हाईवे पर कार्यरत है। मंगलवार की सुबह वह अपनी बाइक पर अपने गांव से आ रहा था। जब वह गांव हाजीपुर पहुंचा उस दौरान एक तेज गति से आ रहे कैंटर चालक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में संदीप की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोहना के नागरिक अस्पताल पहुंचा दिया। एसीपी सत्येंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है। उसकी तलाश जारी है।

ग्रेप के 19 उल्लंघनकर्ताओं पर एक लाख 12 हजार का लगाया जुर्माना

गुरुग्राम में प्रदूषण कम करने को पेड़ों पर छिड़काव करते निगमकर्मी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सार्वजनिक स्थान पर मलबा डालने पर 4 व्यक्तियों का 20 हजार रुपये का चालान किया। बिना ढके निर्माण सामग्री रखने के मामले में 11 व्यक्तियों पर 85 हजार रुपये का जुर्माना और सिंगल यूज प्लास्टिक के मामले में तीन व्यक्तियों पर 2500 रुपये का जुर्माना किया गया है। कोयला और लकड़ी तंदूर के मामले में एक प्रतिष्ठान पर 5000 रुपये का जुर्माना किया गया।

वहीं नगर निगम गुरुग्राम द्वारा ग्रेप की पालना में गत रात्रि इफ्को चौक से महावीर चौक, साइबर पार्क से हुडा सिटी सेंटर, राजीव चौक से सुभाष चौक और स्टार मॉल से सेक्टर-45 रेडलाइट तक मैकेनाइज्ड स्वीपिंग की गई। मैकेनाइज्ड स्वीपिंग के लिए चार स्वीपिंग मशीनें लगाई हुई हैं। नगर निगम गुरुग्राम की बागवानी और दमकल शाखा द्वारा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से ट्रीटिड पानी का छिड़काव मुख्य सड़कों और पेड़ों पर लगातार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में दमकल शाखा द्वारा तीन फायर टैंडरों के माध्यम से सोहना चौक से विकास सदन, महावीर चौक से महाराणा प्रताप चौक तथा महाराणा प्रताप चौक से महावीर चौक तक सड़कों और पेड़ों पर पानी का छिड़काव किया। वहीं बागवानी शाखा द्वारा 10 ट्रैक्टर-टैंकरों के माध्यम से सोहना चौक से राजीव चौक, महावीर चौक से सरहौल, रेजांगला चौक से ओल्ड दिल्ली रोड, अतुल कटारिया चौक से कृष्णा चौक, बसई चौक से हीरो होंडा चौक, न्यू कॉलोनी मोड़ से पटौदी चौक, मेफील्ड गार्डन से सेक्टर-51/52 रैडलाईट तथा मेफील्ड गार्डन से राजीव चौक तक पानी का छिड़काव किया गया।

कमलेश तिवारी की हत्या के विरोध में शिवसेना ने सौंपा ज्ञापन

गुरुग्राम। हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी की हत्या के विरोध में मंगलवार को दक्षिण हरियाणा शिवसेना के अध्यक्ष विक्रम सिंह यादव की अगुवाई में कबीर भवन पर प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शिवसेना के कार्यकर्ता व पदाधिकारी तथा सामाजिक संगठन के लोग भी शामिल हुए।

विक्रम सिंह यादव ने बताया कि सभी कार्यकर्ता जुलूस के रूप में मिनी सचिवालय पहुंचे और प्रशासनिक अधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि कमलेश तिवारी के हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें कानून के तहत सख्त सजा दिलाई जाए। उन्होंने आरोप लगाए कि उन्हें असामाजिक तत्व पहले से ही जान से मारने की धमकी दे रहे थे, उनकी सुरक्षा में भी कटौती कर दी गई थी। कट्टरपंथियों ने उनकी टिप्पणी पर उन्हें मौत की सजा दे डाली। हालांकि उनकी टिप्पणी को लेकर कमलेश को सजा मिल भी चुकी थी। इस घटना से हिंदू संगठनों में रोष व्याप्त होता जा रहा है। ज्ञापन देने वालों में शिवसेना के विजय यादव, सुरेंद्र जांघू, अभिषेक अरोड़ा, लालचंद आर्य, आचार्य योगेंद्र, अंशुल कुमार, सुंदर भड़ाना और ईश्वर सिंह आदि शामिल रहे।

ई-सिगरेट के बाद क्या अब पान मसाला और तंबाकू सैशे एक साथ बेचने पर लगेगा प्रतिबंध?

केंद्रीय वित्तमंत्री, निर्मला सीतारमन ने हाल ही में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया है जिसे समाज के विभिन्न वर्गों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। सरकार द्वारा ई-सिगरेट पर प्रतिबंध की घोषणा के बाद अगला कदम क्या होगा मुख्य प्रश्न बन गया है क्या अब पान मसाला और तंबाकू सैशे एक साथ बेचने पर प्रतिबंध लग सकता है।

स्वास्थ्य पर ई-सिगरेट के नुकसान को देखते हुए सरकार ने समाज के नाजुक हिस्से यानि युवाओं को सुरक्षित करने के लिए ई-सिगरेट्स पर प्रतिबंध लगा दिया। अब तो बाद बाजार में एक अटकल और खबर फैलने लगी कि सरकार एक ही आउटलेट से पान मसाला और तम्बाकू (गुटखा) की बिक्री करने पर प्रतिबंध लगाने वाली है, लेकिन अगर बात करें पान मसाला की तो भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पान मसाला को तम्बाकू से मिलाने पर रोक पहले से ही लगा दी है। हालांकि निर्माता आदेश का तोड़ निकालकर उल्लंघन करते हुए अलग-अलग पाउच में पान मसाला और तम्बाकू बेचने में लगे हैं। ये दोनों पाउस एक ही उपभोक्ता को बेचे जाने लगे, ताकि उपभोक्ता पान मसाला एवं तम्बाकू के पाउच आपस में मिलाकर उन्हें खा सके। अगर देखें तो यह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन होता है। अगर पान मसाला को तम्बाकू रहित रखना है तो सबसे पहले सरकार को पान मसाला और तम्बाकू की बिक्री एक ही दुकान में बंद करना चाहिये क्योंकि अगर दोनों एक ही जगह पर मिलेंगे तो लोग उसे मिलकर खाएंगे और सर्वोच्च न्यायालय के प्रतिबंद का कोई असर नहीं होगा

महाराष्ट्र, बिहार और राजस्थान सरकार ने अपने राज्य में मैग्निशियम कार्बोनेट, निकोटिन, तंबाकू या मिनरल ऑयल युक्त पान मसाला और फ्लेवर्ड सुपारी के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है जहां इन उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध है आने वाले समय में और राज्य इस विषय पर विचार कर प्रतिबंध लगा सकती है।

सरकार भी मामले को समझ रही है और हो सकता है आने वाले दिनों में सरकार इस मासमे पर भी गंभीर फैसले ले और पान मसाला एवं तम्बाकू के सैशे की संयुक्त बिक्री पर रोक लगाने पर बैन लगा दे। कुछ लोग तो इस मसले पर अटकल लगा रहे हैं कि तम्बाकू पर पूरी तरह से रोक लगाने से पहले एक अंतरिम आदेश आ सकता है कि पान मसाला का कोई भी निर्माता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पान मसाला के साथ तम्बाकू के पाउच की आपूर्ति नहीं कर सकेगा।

गुरुग्राम में रैपिड मेट्रो का संचालन दिल्ली मेट्रो के हाथ

मंगलवार रात से डीएमआरसी ने रैपिड मेट्रो संचालन कर दिया शुरू

काफी समय से घाटे में चल रही थी रैपिड मेट्रो, पहुंची थी बंद होने के कगार पर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के साइबर सिटी क्षेत्र में चलती रैपिड मेट्रो, जिसका संचालन अब दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन करेगा।

आखिरकार वह दिन आ ही गया, जब गुरुग्राम के बीचों-बीच घाटे में चल रही रैपिड मेट्रो (आरएमजीएसएल) को दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) के हाथों में सौंप दिया गया। अब इसका संचालन डीएमआरसी करेगा। काफी समय से इस पर कार्रवाई चल रही थी। मंगलवार रात से ही डीएमआरसी को रैपिड मेट्रो का संचालन सौंपा जा रहा है।

बता दें कि रैपिड मेट्रो निजी सहभागिता के तहत गुरुग्राम में चलाई जा रही थी। काफी समय से यह घाटे में चल रही थी। पहले तो इसे बंद करने की बात सामने आई, बाद में सरकार की मध्यस्थता के चलते इसे डीएमआरसी से संचालित कराने पर सहमति बनी। गुरुग्राम में इन दोनों ही मेट्रो की कनेक्टिविटी यहां सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन पर होती है। दोनों के ही टोकन दोनों मेट्रो में मान्य हैं। रैपिड मेट्रो का नेटवर्क 11.6 किलोमीटर लंबा है। डीएमआरसी का कहना है कि रैपिड मेट्रो में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी पहले की समय सारिणी और उसी स्टाफ की निगरानी में रैपिड मेट्रो चलती रहेगी। साथ ही कहा गया है कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। रैपिड मेट्रो को लेकर डीएमआरसी प्रबंधन ने दावा किया है कि स्टेशन संचालन, ट्रेन संचालन, सिग्नलिंग और टेलीकॉम, इलेक्ट्रिकल, ट्रैक्शन, सुरक्षा और सुरक्षा आदि को बनाए रखने के लिए पहले से ही पर्याप्त कर्मचारी तैनात किए हैं, ताकि यात्री सेवाओं को सुचारू और परेशानी मुक्त तरीके से बनाए रखा जा सके। रैपिड मेट्रो के संचालन के अधिग्रहण के साथ कुल परिचालन मेट्रो नेटवर्क दिल्ली और एनसीआर अब 285 स्टेशनों के साथ 389 किलोमीटर का हो गया है, जिसमें नोयडा और ग्रेटर नोयडा गलियारा शामिल है।

रैपिड मेट्रो इन स्टेशनों से होकर गुजरती है

रैपिड मेट्रो सिस्टम द्वारा कवर किए गए स्टेशनों में सेक्टर-55-56, सेक्टर 54 चौक, सेक्टर 53-54, सेक्टर 42-43, फेज-1, सिकंदरपुर, फेज-2, फेज-3, मौलसरी एवेन्यू, इंडसइंड बैंक साइबरसिटी, वोडाफोन वेलवेडेयर टावर्स शामिल हैं। कॉरिडोर पर ट्रेन सेवाएं सेक्टर 55-56 स्टेशन और सिकंदरपुर स्टेशन से सुबह छह बजे शुरू होती हैं, जो कि पीक आवर्स के दौरान 4.30 मिनट और शाम को पीक ऑवर्स के दौरान 5.15 मिनट की आवृत्ति के साथ होती है। अंतिम राजस्व ट्रेन सेवा सेक्टर 55-56 स्टेशन से सुबह 10 बजे रवाना होती है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2019

हरि सिंह और हरियाणा अकादमी ने जीता मैच

फरीदाबाद। भूपानी गांव स्थित रावल क्रिकेट मैदान में मंगलवार को रावल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का चौथा मैच खेला गया। जिसमें पहला मैच हरि सिंह और द क्रिकेट गुरुकुल और दूसरा मैच आरपीसीए दिल्ली क्रिकेट टीम और हरियाणा क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें हरि सिंह और हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने मैच जीते।

पहला मैच हरि सिंह और द क्रिकेट गुरुकुल के बीच खेला गया, जिसमें हरि सिंह ने द क्रिकेट गुरुकुल को एक विकेट से हराया। इस मैच में अंकित डबास को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी द क्रिकेट गुरुकुल ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 162 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए रणजी खिलाड़ी चैतन्य बिश्नोई ने नाबाद 60 रन की पारी खेली। आशीष शेरावत ने 57 रन बनाए और रणजी खिलाड़ी प्रमोद चंदीला ने 19 रन बनाए। हरि सिंह की ओर से गेंदबाजी करते हुए अंकित डबास ने 2 विकेट, वरुण सूद और अंकित चौधरी ने 1-1 विकेट ली। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए हरि सिंह टीम ने 19.3 ओवर में 9 विकेट पर 166 रन बनाकर मैच जीत लिया। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए अंकित डबास ने 44 रन, पीयूष ने 25 रन, उवैस अहमद ने 23 रन बनाए, अंकित चौधरी ने 11 रन, रणजी खिलाड़ी वरुण सूद ने 11 रन बनाए।

दूसरा मैच आरपीसीए दिल्ली क्रिकेट टीम और हरियाणा क्रिकेट अकादमी दिल्ली के बीच खेला गया। जिसमें हरियाणा अकादमी ने आरपीसीए दिल्ली को पांच विकेट से मात दी। आरपीसीए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। आरपीसीए दिल्ली ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 170 रन बनाए। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए वैभव रावल ने 100 रन बनाए और हरियाणा क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए कुलदीप देवतवाल 3 विकेट, हर्षित ने 2 विकेट ली। हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने 17.5 ओवर में 5 विकेट पर 172 रन बनाकर जीत हासिल की।

अमृत योजना को लेकर निगमायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

चार परियोजनाओं पर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

समीक्षा बैठक के दौरान मंगलवार को नगर निगम की आयुक्त सोनल गोयल ने अमृत योजना के तहत फरीदाबाद में चल रही चारों परियोजनाओं पर किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। परियोजना की समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने कार्यों की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

निगमायुक्त सोनल गोयल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विक्रम, मुख्य अभियंता डीआर भास्कर, अधीक्षण अभियंता बीरेन्द्र कर्दम, कार्यकारी अभियंता विजय ढाका, वाप्कोस कंपनी की ओर से टीम लीडर आरपी गुप्ता के इलावा अभियंता अनिल मेहता, एसके अग्रवाल और परियोजनाओं से सम्बन्धित ठेकेदार विकास अग्रवाल, राजन गुप्ता और सुधाकर रेड्डी आदि भी उपस्थित थे। अमृत योजना के तहत फरीदाबाद में 84.87 करोड़ रुपये व 156.93 करोड़ रुपये की दो परियोजनाएं सीवरेज से संबंधित तथा 90.52 करोड़ रुपये जलापूर्ति योजना और 21.68 करोड़ रुपये की गंदे पानी की निकासी की योजना क्रियान्वित की जा रही है और निर्धारित समय सीमा के तहत इन परियोजनाओं को जून 2020 तक पूरा किया जाना है। वहीं 50 एमएलडी से बढ़ाकर 100 एमएलडी करने का प्रस्ताव तैयार कर इसे वर्तमान एजेंसी से ही करवाने और राज्य स्तरीय तकनीकी समिति से इस प्रस्ताव को स्वीकृत करवाने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने भारत सरकार की नीति के अनुसार अमृत योजना के तहत कूड़े का उपचार (बायो रिमिडिएशन) परियोजना का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए, जिसके लिए वांछित राशि का भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

दबाव बनाने को बेटी का वीडियो वायरल

पत्नी से हुए विवाद के कारण की मारपीट

पति-पत्नी के बीच आने वाली दरार का खामियाजा भुगत रहे मासूम बच्चे

पुलिस ने शुरू की आरोपी व्यक्ति की तलाश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिखावटी आधुनिकता और अवैध संबंधों के कारण परिवार टूटने के कगार पर पहुंच रहे हैं। पति-पत्नी के बीच आने वाली दरार का खामियाजा मासूम बच्चों को उठाना पड़ रहा है। कई बार तो इस विवाद के कारण बच्चों को प्रताड़ना सहने के लिए भी मजबूर होना पड़ता है। हाल ही में इस तरह का एक मामला सामने आया है। मामले में एक व्यक्ति ने विवाद के कारण पत्नी पर दबाव बनाने के लिए अपनी 14 साल की मासूम बेटी के साथ न केवल बेरहमी से मारपीट की बल्कि उसके कपड़े तक फाड़ दिए। आरोपी ने इस कुकृत्य की वीडियो भी बनाकर वायरल कर दी। किसी व्यक्ति ने नजर पड़ते ही चाइल्ड हेल्पलाइन को शिकायत कर दी। चाइल्ड हेल्पलाइन ने पुलिस की मदद से आरोपी को ढूंढ निकाला। पुलिस ने आरोपी दंपति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

क्या है मामला

पिछले दिनों यू ट्यूब और व्हाट्स ऐप ग्रुपों में एक वीडियो तेजी के साथ वायरल हो रहा था। इस वीडियो में एक व्यक्ति द्वारा 14 साल की एक किशोरी के साथ गाली गलौच करते हुए बेरहमी से मारपीट की जा रही थी। मारपीट के दौरान आरोपी द्वारा किशोरी के कपड़े तक फाड़ दिए गए थे। शहर में रहने वाले एक व्यक्ति ने वीडियो को देखकर मामले को गंभीरता के साथ लिया और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर इस वीडियो के बारे में सूचना दे दी।

मशक्कत बाद मिला आरोपी

सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन की संयोजक सुनीता ने फोन करने वाले व्यक्ति से वीडियो हासिल करने के बाद पुलिस की मदद से आरोपी व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी। खोजबीन करने पर पता चला कि वीडियो वायरल करने वाला व्यक्ति सेक्टर सात थाना क्षेत्र में रहता है। जिसके बाद संयोजक सुनीता देवी अपनी टीम और पुलिस को साथ लेकर उस व्यक्ति के पते पर पहुंच गई। जहां वीडियो में मारपीट करने वाले व्यक्ति की पहचान हो गई। पूछताछ में पता चला कि मारपीट का शिकार हुई किशोरी आरोपी व्यक्ति की सगी बेटी है। आरोपी व्यक्ति एक निजी कंपनी में जीएम के पद पर कार्यरत है।

किशोरी ने माता-पिता पर लगाए आरोप

मामले का खुलासा होने के बाद संयोजक सुनीता देवी ने किशोरी को विश्वास दिला कर पूछताछ शुरू कर दी। जिसमें किशोरी ने बताया कि उसके माता-पिता के बीच विवाद चल रहा है। उसकी मां गुरुग्राम में अपने मायके में रह रही है। उसकी मां भी उसे शराब पीकर प्रताड़ित करती है। मां उसे पिता के पास भेज देती है। पिता मारपीट कर उसे मां के पास भेज देते हैं। उसकी मां व नानी उसे 19 अक्टूबर को यहां छोड़ कर गए हैं। उसी दिन उसके पिता ने उसके साथ मारपीट करते हुए लाइव वीडियो बना कर वायरल किया था। पिता उसकी मां पर दबाव बनाने के लिए ऐसी हरकत करता है। पुलिस ने दंपति के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने किशोरी को फिलहाल उसकी नानी के हवाले कर दिया है।

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सूचित करना है कि फ्लैट संख्या–203सी, ब्लॉक–बी–10, उदयगिरि–2, सैक्टर–34, नौएडा, जिसका मूल आवंटी श्रीमती सविता कोहली पत्नी श्री एस आर कोहली, डी–89, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली का पंजीकृत मुख्तारनामा आम जनरल पावर ऑफ अटार्नी के आधार पर उक्त फ्लैट को निम्न लिखित व्यक्ति को निम्नक्रमानुसार बेचा गया था:

1. श्री जय कृष्ण रैना पुत्र श्री आर.के.रैना निवासी बी–10/203सी, उदयगिरि–2, सैक्टर–34, नौएडा, के पक्ष में उपनिबंधक कार्यालय नौएडा में दिनांक 23.09.95 को मुख्तारनामा आम निष्पादित किया गया था। जिसका विक्रय पत्र अपंजीकृत है।
2. अब उक्त सम्पत्ति का अंतरण आवेदन पत्र श्रीमती मंजू पत्नी श्री अनिल कुमार निवासी बी–12ए/26सी, सैक्टर–34, नौएडा के पक्ष में प्रस्तुत किया जा रहा है। यदि इस सम्बंध में किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति समस्त साक्ष्य सहित नौएडा प्राधिकरण के आवासीय भवन विभाग में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर दाखिल कर दे।

जय कृष्ण रैना

TECHNO ELECTRIC & ENGINEERING COMPANY LTD.

CIN: L40108UP2005PLC094368
Regd. Office: C-218, Ground Floor (GR-2), Sector-63, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, India, 201307
Corporate Office: 1B, Park Plaza, South Block, 71 Park Street, Kolkata-700 016,
Tel.: 033-4051 3000, Fax: 033-4051 3326
E-mail: desk.investors@techno.co.in
Website: www.techno.co.in

Notice

Pursuant to Regulation 29 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015, Notice is hereby given that a meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Wednesday, the 13th day of November, 2019 to inter alia- consider and take on record the Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results of the Company for the Quarter and half year ended 30th September, 2019.

Further, as per the provisions of the Company's Code for Prevention for Insider Trading & Code of Corporate Disclosure Practices, trading window will remain closed for purchase / sale of shares of the Company for Directors and Employees from October 29, 2019. The Trading Window will open 24 hours after the announcement by the Company of the Results to Stock Exchanges.

For **Techno Electric & Engineering Co. Ltd.**
Place : Kolkata — **Niranjan Brahma**
Date : 22.10.2019 — **Company Secretary**

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे व्यवहारीगण अजय, अनिल, विवेक बाजपेई पुत्रगण स्व0 श्री भानु किशोर बाजपेई निवासीगण ए–22, विजय नगर, आम–खो, कम्पू, लश्कर ग्वालियर, म0प्र0 के पिता स्व0 श्री भानु किशोर वाजपेयी के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य के भवन बी–42, ओरियन्टल अपार्टमेन्ट, प्लॉट नं. 50, रोहिणी, सेक्टर–9, दिल्ली में हैं। एक सम्पत्ति ग्वालियर में जे–270, जनता क्वाटर, दर्पण कॉलोनी, मुरार, ग्वालियर में हैं, इसके साथ ही पैतृक मकान में हिस्सा जो छे राहा घटिया मिश्रान, इटावा में स्थित है। हमारे व्यवहारीगण के पिता भानु किशोर बाजपेई जी का निधन दिल्ली स्थित निवास पर दिनांक 23/09/2019 को निवर्सीयत हो चुका है। भानु किशोर बाजपेई द्वारा अपने जीवनकाल में किसी भी व्यक्ति के हित में कोई वसीयत आदि दस्तावेज सम्पादित नहीं किया गया है। मृत्यु के उपरांत उपरोक्त तीनों सम्पत्तियों में हमारे व्यवहारीगण अर्थात भानु किशोर वाजपेयी के पुत्रगण अजय बाजपेई, अनिल बाजपेई तथा विवेक बाजपेई है। इनके अलावा अन्य कोई वारिसान उपरोक्त सम्पत्तियों का स्वत्वाधिकार एवं आधिपत्यधारी नहीं है। अतः सर्वसाधारण एवं आम व खास को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त तीनों सम्पत्तियों के सम्बन्ध में स्व0 श्री भानुकिशोर बाजपेई के निधन के पश्चात् वारिसानगण अजय, अनिल, विवेक बाजपेई उपरोक्त सम्पत्तियों के अलावा अन्य किसी भी व्यक्ति के उक्त सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का अनुबन्ध–पत्र, विक्रय– पत्र तथा अन्य हस्तांतरण पत्र का संव्यवहार किसी भी अन्य व्यक्ति, संस्था इत्यादि से ना करें, ना करावें। अन्यथा किया गया संव्यवहार स्व0 श्री भानुकिशोर बाजपेई के वारिसानगण के मुकाबले शून्य व प्रभावहीन होगा।

प्रेषक
अजय,अनिल, विवेक बाजपेई पुत्रगण स्व0 श्री भानु किशोर बाजपेई निवासीगण ए–22, विजय नगर, आम–खो, कम्पू, लश्कर, ग्वालियर, म0प्र0
द्वारा अभिभाषक
अरूण वाजपेयी एडवोकेट, भूरे बाबा की बस्ती, छत्री मण्डी, लश्कर, ग्वालियर, (म0प्र0)
मो. नं. 74157–13818

शुद्धिपत्र

ICICI Bank
आईसीआईसीआई बैंक लि.
पंजीकृत कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चकली सर्किल, ओल्ड पाद्रा रोड, वडोदरा– 390007
कार्पोरेट कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू.), मुंबई– 400051
शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक, द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान, नई दिल्ली– 110055

आवेदक ओडियन बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के ऋण खाता नंबर एलबीडीईएल 00001972695 हेतु बिक्रि सूचना के लिए निविदा सह नीलामी दिनांकित 21 अक्टूबर, 2019 को जारी की गई थी। कृपया कालम (ज) में नीलामी की तिथि 12 नवम्बर, 2019 के स्थान पर 14 नवम्बर, 2019 के रूप में पढ़े। एवं तिथि 11 नवम्बर, 2019 के स्थान पर 13 नवम्बर, 2019 के रूप में पढ़े। अन्य सभी नियम एवं शर्ते पूर्ववत हैं।

दिनांक: 23-10-2019
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

AXIS BANK

खुदरा आस्ति केन्द्र, फरीदाबाद : ऐक्सिस बैंक लि., एससीओ–8, हुडा शॉपिंग सेंटर, सेक्टर–16, फरीदाबाद, हरियाणा–121002, खुदरा आस्ति केन्द्र, : ऐक्सिस बैंक लि., हिमालय हाउस, अपर ग्राउण्ड फ्लोर तथा फर्स्ट फ्लोर, कस्तूरबा गांधी मार्ग, दिल्ली–110001, कार्पोरेट कार्यालय : ऐक्सिस हाउस, ब्लॉक–बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मुंबई–400025, पंजीकृत कार्यालय : "त्रिशूल", तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद–380006

सरफासी ऐक्ट 2002 के तहत कब्जा सूचना

जबकि,

अधोहस्ताक्षरी ने, ऐक्सिस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना जारी की थी, जिसमें निम्नलिखित कर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)/बंधकदाता(ओं) से सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

कर्जदार/सह–कर्जदार/बंधकदाता उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वाराकर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)/बंधकदाता(ओं) तथा जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)/बंधकदाता(ओं) को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ऐक्सिस बैंक की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

कर्जदार/सह–कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का वर्णन	मांग सूचना की तिथि	कब्जा की तिथि	मांग सूचना में बकाया राशि (रू.)
1. श्री विजय कुमार पाल पुत्र श्री राम चरण पाल, निवासी मकान नंबर 2543, सेक्टर–7ए, चौक, सेक्टर–7, फरीदाबाद, हरियाणा–121006 अन्य पता : श्री विजय कुमार पाल पुत्र श्री राम चरण पाल, शिव स्वीट्स ऐंड केटरर्स, 2398, सेक्टर–7ए, चौक, सेक्टर–7, फरीदाबाद, हरियाणा–121006 अन्य पता : श्री विजय कुमार पाल पुत्र श्री राम चरण पाल, मकान नंबर 784, सेक्टर–8, चौक, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा–121006 2. श्रीमती मालती साहू पत्नी श्री विजय कुमार पाल, निवासी मकान नंबर 2543, सेक्टर–7ए, चौक, सेक्टर–7, फरीदाबाद, हरियाणा–121006 अन्य पता : श्रीमती मालती साहू पत्नी श्री विजय कुमार पाल, मकान नंबर 784, सेक्टर–8, चौक, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा–121006	अचल आस्ति आवासीय सम्पत्ति मकान नंबर 784 (भू तल और प्रथम तल), क्षेत्रफल परिमाप 250 वर्ग गज, सेक्टर–08, अर्बन एस्टेट, तहसील बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा जिसमें सम्पत्ति स्थित है उस बिल्डिंग के नीच भूमि तथा बिल्डिंग/स्कीम/कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध कराए गए कॉमन एरियाज तथा सुविधाओं में हिस्सा एवं हित	25–जुलाई–2019	18–अक्टूबर–2019	रू. 1,25,29,317/–
1. श्री संजय सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह, फ्लैट नंबर 1410, टावर बी, 14वां तल, गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू, प्लॉट नंबर जीसी–3, जीएच–01, गौड़ सिटी–1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 अन्य पता : श्री संजय सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह, प्रोजेक्ट लीड मैनेजर टेक महिन्द्रा, 58 ए/बी, नोएडा स्पेशल इकोनोमिक जोन फेज–II, सेक्टर–80, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 अन्य पता : श्री संजय सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह, फ्लैट नंबर 1410, टावर बी, 13वां तल, गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू, प्लॉट नंबर जीसी–3, जीएच–01, गौड़ सिटी–1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 अन्य पता : श्री संजय सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह, टी–28, सेक्टर–11, नोएडा–201301 2. श्रीमती पूनम प्रकाश पत्नी श्री संजय सिंह फ्लैट नंबर 1410, टावर बी, 14वां तल, गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू, प्लॉट नंबर जीसी–3, जीएच–01, गौड़ सिटी–1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 अन्य पता : श्रीमती पूनम प्रकाश पत्नी श्री संजय सिंह फ्लैट नंबर 1410, टावर बी, 13वां तल, गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू, प्लॉट नंबर जीसी–3, जीएच–01, गौड़ सिटी–1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 श्रीमती पूनम प्रकाश पत्नी श्री संजय सिंह टी–28, सेक्टर–11, नोएडा–201301	आवासीय अपार्टमेंट नंबर 1410, टावर बी, 13वां तल, कुल सुपर एरिया लगभग 905 वर्ग फीट, तथा कवर्ड एरिया 701.05 वर्ग फीट, 2 बीएचके, गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू में एक कवर्ड कार पार्किंग के उपयोग के अधिकार के साथ, प्लॉट नंबर जीसी–3, जीएच–01, सेक्टर–4, गौड़ सिटी–1, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश	20–मई–2019	18–अक्टूबर–2019	रू. 31,64,646/–
सुश्री हनी रॉय पुत्री श्री तपन कुमार रॉय निवासी मकान नंबर 901, इरा रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–8, फरीदपुर, फरीदाबाद, हरियाणा–121001 अन्य पता : सुश्री हनी रॉय पुत्री श्री तपन कुमार रॉय, मैसर्स आयशर्स गुडअर्थ प्रा. लि., ए–3, सिलेक्ट सिटी वॉक, तृतीय साकेत डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली–110017, अन्य पता : सुश्री हनी रॉय पुत्री श्री तपन कुमार रॉय, फ्लैट नंबर एच/09–1, टावर नंबर 5(एच), रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–78, हरियाणा–121004 श्रीमती बानी रॉय पत्नी श्री तपन कुमार रॉय निवासी मकान नंबर 901, इरा रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–8, फरीदपुर, फरीदाबाद, हरियाणा–121001 अन्य पता : श्रीमती बानी रॉय पत्नी श्री तपन कुमार रॉय फ्लैट नंबर एच/09–1, टावर नंबर 5(एच), रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–78, हरियाणा–121004	अचल आस्ति आवासीय यूनिट नंबर एच/09–1, परिमाप सुपर एरिया 1200 वर्ग फीट, 9वां तल, टावर नंबर 5(एच), आवासीय स्कीम/कॉम्प्लेक्स रेडवुड रेजिडेंसी, ग्राम फरीदपुर, सेक्टर–78, तहसील तिगांव एवं जिला फरीदाबाद, हरियाणा–121004 जिसमें सम्पत्ति स्थित है उस बिल्डिंग के नीच भूमि तथा बिल्डिंग/स्कीम/कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध कराए गए कॉमन एरियाज तथा सुविधाओं में यथानुपात, अविभाजित एवं अवियोजनीय हिस्सा एवं हित	15–जुलाई–2019	18–अक्टूबर–2019	रू. 30,68,714/–

एतद्द्वारा उपरि–वर्णित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर करने की सूचना दी जाती है, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, बंधक सम्पत्ति की बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

तिथि : 23–10–2019
स्थान : दिल्ली

हस्ता/–,
प्राधिकृत अधिकारी,
ऐक्सिस बैंक लि.

Chola — चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

Enter a better life

कार्पोरेट कार्यालय : नंबर 2, 'डेयर हाउस' प्रथम तल, एन.एस.सी. बोस रोड, चेन्नई–600 001
शाखा कार्यालय : प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005, सम्पर्क नंबर : 9899245509, 9818460101

नीलामी–सह–बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर्जदारो से बकाया राशि की वसूली के लिए **वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002** के अधीन यहां नीचे वर्णित प्रत्याभूत आस्तियों का कब्जा लिए जाने के अनुसरण में, अधोहस्ताक्षरी द्वारा यहां नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जोकि सांकेतिक कब्जे में है, की बिक्री **"जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार"** पर करने हेतु सीलबंद लिफाफों में ऑफर्स आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :–

क्र. सं.	कर्जदार(गण) /सह–कर्जदार(गण)/गारंटर(गण)	मांग सूचना तिथि एवं राशि	अचल सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य	धरोहर राशि जमा	कुल बकाया राशि	कब्जा का प्रकार
1.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00001715572** दिल्ली शाखा) **विजय प्रकाश शर्मा (कर्जदार)** **दिनेश शर्मा, एकता शर्मा, श्रेय इम्पेक्स, बबली शर्मा (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : डब्ल्यूजैड–501, गली नंबर 1, श्री नगर शकूरपुर, श्री नगर, नई दिल्ली–110034 **अन्य पता** :– खसरा नंबर 53/3/2 तथा 53/3/8 ग्राम प्रहलादपुर, नई दिल्ली–110086	22–07–2019 रू. 2,37,91,927.42 (रूपए दो करोड़ सैंतीस लाख इक्यानवे हजार नौ सौ सत्ताईस तथा पैसे बयालीस मात्र)	सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजैड–501/289, परिमाप 150 वर्ग गज, मुस्टिल नंबर 30 किला नंबर 20/2, मुस्टिल नंबर 29, किला नंबर 16, 15/2 का भाग, आबादी गली नंबर 1, श्री नगर के नाम से ज्ञात, ग्राम शकूरपुर, दिल्ली–110034	रू. 2,25,00,000/– (रूपए दो करोड़ पच्चीस लाख मात्र)	रू. 22,50,000/– (रूपए बाईस लाख पचास हजार मात्र)	रू. 2,37,91,927.42 (रूपए दो करोड़ सैंतीस लाख इक्यानवे हजार नौ सौ सत्ताईस तथा पैसे बयालीस मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक
2.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001215297, X0HEDHE00001215161, X0HEDHE00001394761** दिल्ली शाखा) **श्री/सुश्री मनीष गुप्ता (कर्जदार)** **आशा रानी गुप्ता, ममता गुप्ता, मोहित गुप्ता, सैनताषा डेकोर प्रा. लि. (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : सम्पत्ति निवास सं. जीएफ एवं एफएफ, 7/172, जोर बाग मार्केट, नई दिल्ली–110003 **अन्य पता** :– 11 जैन मंदिर कम्पाउण्ड, नई दिल्ली–110001 **अन्य पता** :– 2941, गली नंबर 3, चूना मंडी, पहाड़गंज, नई दिल्ली–110055 **अन्य पता** :– डी–288, एफएफ सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली–110017	10–10–2017 रू. 6,87,36,829.46 (रूपए छह करोड़ सतासी लाख छत्तीस हजार आठ सौ उन्तीस तथा पैसे छियालीस मात्र)	सम्पत्ति निवास सं. जीएफ एवं एफएफ, 7/172, जोर बाग मार्केट, नई दिल्ली –110003	रू. 7,20,00,000/– (रूपए सात करोड़ बीस लाख मात्र)	रू. 72,00,000/– (रूपए बहत्तर लाख मात्र)	रू. 6,87,36,829.46 (रूपए छह करोड़ सतासी लाख छत्तीस हजार आठ सौ उन्तीस तथा पैसे छियालीस मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक
3.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001285918** दिल्ली शाखा) **अंकित सिंह (कर्जदार)** **जयवन्ती सेहरावत (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : फ्लैट नंबर 31, तृतीय तल, एचआईजी, गुडविल अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर 48, रोहिणी, नई दिल्ली–110085	20–06–2018 रू. 1,23,20,036.34 (रूपए एक करोड़ तेईस लाख बीस हजार छत्तीस तथा पैसे चौंतीस मात्र)	सम्पत्ति एचआईजी फ्लैट नंबर 31, प्लॉट नंबर 48, तृतीय तल, गुडविल सीजीएचएस लिमिटेड के लेआउट प्लान में दर्शित, सेक्टर–13, गुडविल अपार्टमेंट के नाम से मशहूर, रोहिणी, नई दिल्ली–110085	रू. 90,00,000/– (रूपए नब्बे लाख मात्र)	रू. 9,00,000/– (रूपए नौ लाख मात्र)	रू. 1,23,20,036.34 (रूपए एक करोड़ तेईस लाख बीस हजार छत्तीस तथा पैसे चौंतीस मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक
4.	(ऋण खाता संख्या **X0HEEDL00002272292, X0HEDHE00001196467, X0HEDHE00001372934** दिल्ली शाखा) **नरेश तोमर (कर्जदार)** **निर्लेश तोमर, मैसर्स मेट्रो इलेक्ट्रॉनिक्स (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : मकान नंबर 1037, एचआईजी ड्यूपलेक्स, चेतक ब्लॉक, सेक्टर–3, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201012 **अन्य पता** : 2287/44, दुकान नंबर 1, अम्बे मार्केट मोड़, सराय रोड कावरीपुल, नई दिल्ली–110006 **अन्य पता** : खसरा नंबर 806/1, गली नंबर 9, सिहानी रोड, मेरठ रोड, गाजियाबाद बस स्टैंड, गाजियाबाद–201001	22–07–2019 रू. 1,58,74,997.97 (रूपए एक करोड़ अठ्ठावन लाख चौहत्तर हजार नौ सौ सत्तानवे तथा पैसे सत्तानवे मात्र)	मकान नंबर 3/1037 (ड्यूपलेक्स) क्षेत्रफल परिमाप 173.85 वर्ग मीटर, स्थित सेक्टर–3, वसुंधरा योजना, गाजियाबाद, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201012	रू. 1,60,00,000/– (रूपए एक करोड़ साठ लाख मात्र)	रू. 16,00,000/– (रूपए सोलह लाख मात्र)	रू. 1,58,74,997.97 (रूपए एक करोड़ अठ्ठावन लाख चौहत्तर हजार नौ सौ सत्तानवे तथा पैसे सत्तानवे मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक
5.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00002431739, X0HEELD00002462444** दिल्ली शाखा) **आर के रामचंदानी (कर्जदार)** **मीना रामचंदानी, भारत रामचंदानी (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : सी–4/35, ईस्ट ऑफ कैलाश, श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली–110065	22–07–2019 रू. 1,04,93,644.81 (रूपए एक करोड़ चार लाख तिरानवे हजार छह सौ चवालीस तथा पैसे इक्यासी मात्र)	सम्पत्ति फ्लैट नंबर सी–4/35, भू तल, डीडीए फ्लैट, ईस्ट ऑफ कैलाश, श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली–110065	रू. 1,00,00,000/– (रूपए एक करोड़ मात्र)	रू. 10,00,000/– (रूपए दस लाख मात्र)	रू. 1,04,93,644.81 (रूपए एक करोड़ चार लाख तिरानवे हजार छह सौ चवालीस तथा पैसे इक्यासी मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक
6.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001079261** दिल्ली शाखा) **राजीव चेताल (कर्जदार)** **पवन चेताल (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : 15ए/13, भू तल, ब्लॉक–15ए, ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली– 110058	29–04–2019 रू. 1,71,71,009.73 (रूपए एक करोड़ इकहत्तर लाख इकहत्तर हजार नौ तथा पैसे तिहत्तर मात्र)	सम्पत्ति परिमाप 200 वर्ग गज, प्लॉट नंबर 15ए/13, सम्पूर्ण लोअर ग्राउण्ड फ्लोर, छत का अधिकार नहीं, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली– 110058	रू. 1,60,00,000/– (रूपए एक करोड़ साठ लाख मात्र)	रू. 16,00,000/– (रूपए सोलह लाख मात्र)	रू. 1,71,71,009.73 (रूपए एक करोड़ इकहत्तर लाख इकहत्तर हजार नौ तथा पैसे तिहत्तर मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक
7.	(ऋण खाता संख्या **X0HEEDL00001847646** दिल्ली शाखा) **विजय कुमार भाटिया (कर्जदार)** **सुशील भाटिया, शालिनी भाटिया, प्रवीण भाटिया, अमिता भाटिया (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : प्लॉट नंबर 4/55, राजेन्द्र नगर, सेक्टर–2, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201010	26–06–2019 रू. 1,50,74,038.22 (रूपए एक करोड़ पचास लाख चौहत्तर हजार अड़तीस तथा पैसे बाईस मात्र)	प्लॉट नंबर 4/55, परिमाप 364.79 वर्ग मीटर, ब्लॉक–4, सेक्टर–2 टीएचए आवासीय कालोनी राजेन्द्र नगर, गाजियाबाद, चौहद्दी : उत्तर : प्लॉट नंबर 54 एवं 53ए, दक्षिण : 60 चौड़ी रोड, पूरब : 30 चौड़ी रोड, पश्चिम : प्लॉट नंबर 56	रू. 2,30,00,000/– (रूपए दो करोड़ तीस लाख मात्र)	रू. 23,00,000/– (रूपए तेईस लाख मात्र)	रू. 1,50,74,038.22 (रूपए एक करोड़ पचास लाख चौहत्तर हजार अड़तीस तथा पैसे बाईस मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक
8.	(Loan Account No. **X0HEDHE00001114607, X0HEDHE00001287153 Delhi** Branch) **राघवेन्द्र सिंह (कर्जदार)** **गीता सिंह (सह–कर्जदार)** सभी का पत्र व्यवहार पता : नांगल राया नई दिल्ली–110046 में स्थित खसरा नंबर 498/444/171 एवं 497/43/171/7ए के एक हिस्से में सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजैड–267 का 300.83 वर्ग गज एरिया।	17–12–2016 रू. 1,87,02,514.27 (रूपए एक करोड़ सतासी लाख दो हजार पांच सौ चौदह तथा पैसे सत्ताईस मात्र)	नांगल राया नई दिल्ली–110046 में सम्पूर्ण खसरा नंबर 498/444/171 एवं 497/43/171/7ए के एक हिस्से में सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजैड–267 का 300.83 वर्ग गज एरिया।स्थित भूतल और प्रथम तल पर चालू स्कूल (शानदार अवस्थिति)	रू. 2,80,00,000/– (रूपए दो करोड़ अस्सी लाख मात्र)	रू. 28,00,000/– (रूपए अठ्ठाईस लाख मात्र)	रू. 1,87,02,514.27 (रूपए एक करोड़ सतासी लाख दो हजार पांच सौ चौदह तथा पैसे सत्ताईस मात्र) + **ब्याज**	सांकेतिक

नीलामी के नियम एवं शर्तें

1. **सीलबंद बिड/ऑफर प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि** : सीलबंद बिड/ऑफर निर्धारित निविदा प्रपत्र में ईएमडी तथा केवाईसी सहित शाखा कार्यालय : **प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 में 27–11–2019** तक अप. 05.30 बजे से पूर्व प्रस्तुत की जा सकती है। अधूरी निविदाएं अथवा अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त निविदाएं अवैध मान्य होंगी और तदनुसार अस्वीकृत होंगी। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।
2. **बिड/ऑफर खोलने की तिथि (नीलामी तिथि)** : सम्पत्ति हेतु बिड/ऑफर उपरोक्त पते पर स्थित शाखा कार्यालय में **28–11–2019** को पूर्वा. 10.00 बजे खोली जाएगी। निविदा प्राधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में खोली जाएगी।
3. **अचल सम्पत्ति की निरीक्षण की तिथि 13–11–2019** को **पूर्वा. 10.00 बजे** से **अप. 03.30 बजे** के बीच है।
4. इसके अतिरिक्त, सूचना में वर्णित बकाया राशि पर, इसकी पूर्ण वसूली तक, ऋण अनुबंध के अनुसार ब्याज तथा अनुषंगी व्यय, लागत इत्यादि प्रभारित किए जाएंगे।
5. एतद्द्वारा कर्जदारों तथा गारंटरों को बिक्री के समय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने की सूचना दी जाती है तथा वे बिक्री के नियम एवं शर्तों के अनुसार उपरोक्त अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु इच्छुक क्रेता/खरीदार ला सकते हैं।
6. **एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/तथा गारंटर(रों) को सरफासी ऐक्ट, 2202 के तहत बिक्री के संबंध में 30 दिन का नोटिस दिया जाता है** कि वे उपरोक्त राशि नीलामी की तिथि से पहले चुकता कर दें, जिसमें असफल रहने पर सम्पत्ति की नीलामी की जाएगी तथा शेष राशि, यदि कोई होगी, ब्याज एवं लागत सहित वसूल की जाएगी। यदि कर्जदार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड की बकाया पूरी राशि बिक्री से पहले चुका देता है, तो नीलामी रोक दी जाएगी।
7. नीलामी के विस्तृत नियम एवं शर्तें निर्धारित निविदा प्रपत्र में दी गई हैं। निविदा प्रपत्र उपरोक्त शाखा कार्यालय में उपलब्ध हैं।
8. अचल सम्पत्ति उच्चतम निविदादाता को बेची जाएगी। तथापि प्राधिकृत अधिकारी को आवश्यक समझे जाने पर परस्पर बोलीदान की अनुमति देने का विवेकाधिकार प्राप्त है। उपरोक्त सम्पत्ति सुरक्षित मूल्य से कम पर नहीं बेची जाएगी।
9. **चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी भी लम्बित देयता के लिए जिम्मेदार नहीं है। सम्पत्ति "जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार" पर नीलाम की जाएगी।**
10. कुल बकाया ऋण राशि ऋण पूर्वबंदी राशि नहीं है। अन्य सभी प्रभारों (यदि कोई) की गणना ऋण बंद करते समय की जाएगी।
11. डिमांड ड्राफ्ट केवल '**चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड**' के पक्ष में बनाया जाना चाहिए।

अतिरिक्त विवरण के लिए, प्राधिकृत अधिकारी से उपरोक्त कार्यालय पते पर सम्पर्क करें।

स्थान : दिल्ली/एनसीआर दिनांक : 23–10–2019

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

बुरी नजर डालने वालों को जवाब देने में सक्षम हैं भारतीय बल: राजनाथ

● नौसेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी सतर्कता बरती है कि 26-11 दोबारा नहीं हो

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत कभी आक्रमणकारी नहीं रहा है लेकिन उसके सशस्त्र बल उस पर बुरी नजर डालने वालों को करारा जवाब देने में सक्षम हैं। सिंह ने नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में मीडिया से कहा कि नौसेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी सतर्कता बरती है कि 26-11 दोबारा नहीं हो। उन्होंने कहा कि भारत कभी आक्रमणकारी नहीं रहा है। मंत्री ने कहा, इसका चरित्र रहा है कि उसने किसी देश पर हमला नहीं किया है और उसने किसी अन्य देश की एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं किया है, लेकिन सशस्त्र बलों में हम पर बुरी नजर डालने वाले हर व्यक्ति को करारा जवाब देने की क्षमता और ताकत है।

पाकिस्तान के रेल मंत्री शेख राशिद अहमद ने कथित रूप से कहा है कि उनका देश जम्मू कश्मीर के तंगधार सेक्टर में पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को निशाना बनाने के लिए परमाणु हमला करके भारत को जवाब देगा। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर में पाकिस्तान ने शनिवार-रविवार की बीच रात में अकारण गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की गोलीबारी के जवाब में भारतीय सेना ने रविवार को जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास तंगधार सेक्टर के दूसरी ओर कम से कम चार आतंकवादी शिविरों और कई पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को भारी हथियारों का इस्तेमाल कर निशाना बनाया था।

रक्षा मंत्री ने भरोसा जताया कि भारत के समुद्र भारतीय नौसेना के हाथों में पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने मुंबई में नवंबर 2008 में हुए आतंकवादी हमलों का जिक्र करते हुए कहा, हमारी नौसेना ने संकल्प लिया है कि किसी भी हालत में 26-11 दोबारा नहीं होने पाए और उसने इसके लिए कड़ी सतर्कता सुनिश्चित की है। सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना स्वदेशीकरण की ओर बढ़ रही है और उसकी नौकाओं में बड़ी संख्या में स्वदेशी उपकरण हैं। उन्होंने कहा कि सभी तीनों रक्षा सेवाओं ने रक्षा आयात कम करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नौसेना के कमांडरों के सम्मेलन का तीन दिवसीय दूसरा संस्करण मंगलवार को यहां आरंभ हुआ।

नौसेना कमांडरों के सम्मेलन दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल व अन्य अधिकारी

मंदिर प्रबंधन मामले में सुप्रीम कोर्ट की प्रदेश सरकार को फटकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य में मंदिरों और धर्मार्थ संस्थाओं के प्रबंधन के बारे में कई तीखे सवाल पूछे और टिप्पणी की कि राज्य में अराजकता की स्थिति है। न्यायमूर्ति एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने उप्र के बुलंदशहर में एक प्राचीन मंदिर के प्रबंधन से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को आड़े हाथ लिया। पीठ ने सवाल किया, क्या आप अपने शासकीय आदेश से कुछ भी कर सकते हैं? यह तो अराजकता है। पीठ ने सवाल किया कि क्या राज्य में कोई भी व्यक्ति मंदिर का निर्माण करके जनता से धन एकत्र कर सकता है। पीठ ने राज्य सरकार को छह सप्ताह के बीच इस तथ्य से अवगत कराने का निर्देश दिया कि क्या वह मंदिरों और धर्मार्थ संस्थाओं प्रबंधक से संबंधित मसलों के लिए कोई कानून बनाएगी ? शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से सवाल किया कि उसने प्रदेश में मंदिरों और धर्मार्थ संस्थाओं के प्रबंधन के लिए अभी तक कोई कानून क्यों नहीं बनाया? न्यायालय ने यह भी जानना चाहा कि राज्य ने इस बारे में अभी तक केन्द्रीय कानून को क्यों नहीं अंगीकार किया? पीठ ने पिछले सप्ताह अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यद्यपि यह मामला 2010 से लंबित है लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य की ओर से पेश अधिवक्ता यह बताने की स्थिति में ही नहीं थे कि क्या इस बारे में कोई कानून बनाया गया है। पीठ ने 17 अक्टूबर को अपने आदेश में कहा था, इस तथ्य के मद्देनजर, हमारे पास उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिवासंबंधित सचिव को व्यक्तिगत रूप से 22 अक्टूबर को उपस्थित होने का निर्देश देने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अमित शाह से मुलाकात की

एजेंसी। नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की तथा पोलावरम सिंचाई परियोजना के क्रियान्वयन समेत राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने शाह को उनके जन्मदिन पर बधाई भी दी। शाह मंगलवार को 55 साल के हो गए। सूत्रों ने बताया कि 40 मिनट की मुलाकात में रेड्डी ने राज्य के वित्तीय हालात तथा अन्य चुनौतियों पर चर्चा की जिनमें पोलावरम सिंचाई परियोजना को लागू करना, नई राजधानी और आंध्र प्रदेश के विभाजन से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री केंद्र के साथ समन्वय के लिए प्रयास कर रहे हैं। राज्य इस समय वित्तीय संकट से जूझ रहा है। राज्य सरकार के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 के अंत तक आंध्र प्रदेश पर बकाया ऋण भार 2,58,928 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है।

कर्नाटक से दिग्गज कांग्रेसी राममूर्ति भाजपा में शामिल

कर्नाटक कांग्रेस के सांसद केसी राममूर्ति भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र यादव भी मौजूद थे

नई दिल्ली। कांग्रेस छोड़ने और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के कुछ ही दिनों बाद पूर्व राज्यसभा सदस्य के एस राममूर्ति ने मंगलवार भाजपा का दामन थाम लिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यो की प्रशंसा की। पार्टी के केंद्रीय कायालर्य में भाजपा महासचिव अरुण सिंह एवं भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी की उपस्थिति में राममूर्ति ने भाजपा की सदस्यता ली। राममूर्ति ने 16 अक्टूबर को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। उनका इस्तीफा राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने स्वीकार कर लिया था। राममूर्ति ने भाजपा कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि उनके मन में द्वंद्व चल रहा था, उनकी अंतररात्मा कुछ और कह रही थी जबकि कांग्रेस अपने सदस्यों से संसद में उनके कुछ और करने को कह रही थी। ऐसे में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि मोदी देश के लिए अच्छा फैसला कर रहे हैं। अतीत में कांग्रेस के भुवनेश्वर कालिता, संजय सिंह ने उच्च सदन से इस्तीफा दिया था। सपा से नीरज शेखर, सुरेन्द्र सिंह नागर और संजय सेठ भी राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं। ए सभी बाद मे भाजपा में शामिल हुए और भगवा दल के टिकट पर उच्च सदन के लिए पुन: निर्वाचित हुए।

धार्मिक कट्टरपंथी युवाओं का भरमाने के लिए स्कूल चला रहे हैं: ममता बनर्जी

एजेंसी। सिलीगुड़ी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि युवा पीढ़ी को भरमान के लिए राज्य के उत्तरी हिस्सों में धार्मिक कट्टरपंथियों ने स्कूल स्थापित किए हैं। बिना किसी का नाम लिए हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के प्रयास के लिए ऐसा किया गया है। कूच बिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी जिलों के प्रशासनिक समीक्षा बैठक के दौरान शाखा सचिवालय में बनर्जी ने कहा, एक कट्टर धार्मिक संगठन ने उत्तर बंगाल के इन तीन जिलों में कई स्कूल स्थापित किए हैं ताकि वह हमारे राज्य पर नियंत्रण रख सकें। उन्होंने कहा, संस्थान चलाने के लिए धन बाहर से आ रहा है। इन स्कूल के शिक्षकों को छात्रों को भरमाने(ब्रेनवॉश) के लिए 20,000 रुपए महीना मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो नागरिकता (संशोधन) विधेयक और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की चेतावनी दे रहे हैं, वह राज्य में संकट बढ़ाने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ए वैसे लोग हैं जो नाम बाहर (नागरिकता सूची से) कर रहे हैं। वह एनआरसी लाने की धमकी देकर एक तबके के खिलाफ दूसरे को खड़ा कर रहे हैं। यह सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के प्रयास का हिस्सा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लोगों को सोशल मीडिया पर फर्जी समाचारों को लेकर भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि परेशानी पैदा करने वाले लोग सांप्रदायिक नफरत फैलाने के लिए फेसबुक और ट्विटर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार का रवैया असंवैधानिक : धनखड़

● कहा- लगता है कि राज्य में किसी प्रकार की सेंसरशिप है

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार और राजभवन के बीच मंगलवार को ताजा राजनीतिक गतिरोध पैदा हो गया है। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को सरकारी अधिकारियों द्वारा मुलाकात से इनकार के बाद आरोप लगाया कि उनके साथ असंवैधानिक व्यवहार हुआ है और ऐसा प्रतीत होता है कि पश्चिम बंगाल में किसी प्रकार की सेंशरशिप है।

धनखड़ ने कहा कि उन्हें जिला अधिकारियों ने बताया कि उनके साथ बैठक करने के लिए उन्हें राज्य सरकार से अनुमति की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उनके साथ बैठक के लिए उनके पास अनुमति उपलब्ध नहीं हो पाई थी क्योंकि सभी वरिष्ठ अधिकारी उत्तरी बंगाल में हैं, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रशासनिक यात्रा पर हैं। धनखड़ ने अधिकारियों के इनकार को असंवैधानिक बताया है।

राज्यपाल ने पिछले हफ्ते उत्तर तथा दक्षिण 24 परगना जिलों के जिला मजिस्ट्रेट, नौकरशाहों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बैठकें करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने मंगलवार से यहां का दौरा प्रारंभ किया है। राज भवन के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल कार्यालय को सोमवार शाम दो जिलों के मजिस्ट्रेटों के पत्र मिले जिनमें कहा गया था कि अधिकारी मुख्यमंत्री के उत्तर बंगाल के दौरे में व्यस्तता के चलते राज्यपाल की बैठकों में शामिल नहीं हो पाएंगे।

सूत्रों के मुताबिक, अधिकारियों ने कहा कि उनके (राज्यपाल) दौरे के मद्देनजर वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। राज्यपाल ने फोन पर बताया, जिला अधिकारियों के पत्र देखकर मैं हैरान हूं। पत्रों में उन्होंने बैठकों में शामिल होने में असमर्थता जताई है। वह भी तब जबकि उन्हें चार दिन पहले इस बाबत सूचना दी गई थी। पता नहीं, लेकिन ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में किसी तरह की सेंसरशिप है। उन्होंने कहा, इसके बावजूद मैं जिलों का अपना दौरा जारी रखूंगा। जिला अधिकारियों द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है, आपको यह सूचित किया जाता है कि निर्धारित बैठकों में लोगों को आमंत्रित करने के आग्रह के लिए अधोहस्ताक्षरी को सरकार की अनुमति लेने की आवश्यकता है। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में धनखड़ ने आश्चर्य जताया कि जब मुख्यमंत्री जिले के दौरे पर होती हैं तो क्या राज्य सरकार अवकाश पर चली जाती है?

धनखड़ ने कहा, क्या यह उचित है कि जब राज्यपाल किसी से मुलाकात करना चाहते हों तो इस पर सेंसरशिप हो या फिर राज्य सरकार से मंजूरी लेने की जरूरत हो? मैं राज्य सरकार के मातहत नहीं हूं। मेरे हिसाब से यह असंवैधानिक है। इस घटनाक्रम पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राज्य सरकार जिस तरह से राज्यपाल का अपमान कर रही है, ऐसा पूरे देश में कहीं भी, पहले कभी भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा, कुछ संवैधानिक नियम-कायदे होते हैं जिनका पालन हर राज्य सरकार को करना होता है। लेकिन राज्यपाल जगदीप धनखड़ के साथ जिस तरह का बर्ताव किया जा रहा है उससे लगता है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार ने नए नियम कायदे गढ़ लिए हैं और वह भारत के संविधान का पालन नहीं करना चाहती है। इस मुद्दे पर तृणमूल नेतृत्व ने कोई टिप्पणी नहीं की है। धनखड़ और राज्य सरकार के बीच कई मुद्दों पर विवाद चल रहा है।

कोर्ट ने निर्वाणी अखाड़ा को लिखित नोट दाखिल करने की अनुमति दी

एजेंसी। नई दिल्ली

अयोध्या मामला

उच्चतम न्यायालय ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद में हिन्दू पक्षकारों में से एक निर्वाणी अखाड़ा को श्रद्धालु के रूप में मूर्ति की पूजा अर्चना के प्रबंधन के अधिकार के लिए लिखित नोट दाखिल करने की मंगलवार को अनुमति दे दी।

प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एस ए बोबडे और न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर की पीठ के समक्ष निर्वाणी अखाड़ा के वकील ने इस मामले का उल्लेख किया और कहा कि उनके मुवक्किल ने लिखित नोट दाखिल करने के लिए तीन दिन के समय की गणना करने में गलती कर दी और इसीलिए वह न्यायालय की रजिस्ट्री में राहत में बदलाव के बारे में लिखित नोट दाखिल करने की अनुमति चाहता है। संविधान पीठ ने 16 अक्टूबर को इस प्रकरण की सुनवाई पूरी करते हुए सभी पक्षों से कहा था कि वे सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दों को समेटते हुए राहत में बदलाव संबंधी लिखित नोट तीन दिन के भीतर दाखिल करें।

पीठ ने निर्वाणी अखाड़ा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता से कहा, आप अब दाखिल कर दीजिए। इस प्रकरण में निर्मोही अखाड़ा और उसका प्रतिद्वन्द्वी निर्वाणी अखाड़ा दोनों ही राम लला विराजमान के जन्मस्थल पर पूजा अर्चना करने और प्रबंधन के अधिकार चाहते हैं। निर्मोही अखाड़ा ने अनुयाई के रूप में अधिकार की मांग करते हुए 1959 में वाद दायर किया था जबकि निर्वाणी अखाड़ा को उप्र सुन्नी वक्फ बोर्ड ने 1961 में प्रतिवादी बनाया जबकि देवकी नंदन अग्रवाल के माध्यम से राम लला की ओर से 1989 में दायर वाद में उसे प्रतिवादी बनाया गया है। निर्वाणी अखाड़ा ने अपने लिखित नोट में कहा है कि इन वाद में किसी भी हिन्दू पक्षकार ने अनुयाई के अधिकार के रूप में ए दावे नहीं किए है। बल्कि वे विवादित ढांचे के स्थान पर मंदिर निर्माण बनाने का अनुरोध कर रहे हैं।

नोट में कहा गया है कि अत: निर्वाणी अखाड़ा के पुजारी और अनुयाई के अधिकार को अभी तक चुनौती नहीं दी गई है। अखाड़ा ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि उसे पुजारी के रूप में राम जन्मभूमि-विवादित ढांचे की मूर्ति की पूजा के प्रबंधन का अधिकार उसे सौंपा जाए। इस प्रकरण की सुनवाई के दौरान उसने कहा था कि निर्वाणी अखाड़ा के महंत अभिराम दास, अब दिवंगत, 1949 में इस स्थान के पुजारी थे और 22-23 दिसंबर, 1949 की रात में विवादित स्थल पर मध्य गुंबद के नीचे कथित रूप से मूर्तियां रखे जाने के मामले में दर्ज प्राथमिकी में उन्हें आरोपी बनाया गया था। अब उनके चेले धरमदास इसके पुजारी हैं।

इससे पहले, मुस्लिम पक्षकारों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन द्वारा तैयार किए गए इस नोट में कहा गया है, इस मामले में न्यायालय के समक्ष पक्षकार मुस्लिम पक्ष यह कहना चाहता है कि इस न्यायालय का निर्णय चाहे जो भी हो, उसका भावी पीढ़ी पर असर होगा। इसका देश की राज्य व्यवस्था पर असर पड़ेगा। इसमें कहा गया है कि न्यायालय का फैसला इस देश के उन करोड़ों नागरिकों और 26 जनवरी, 1950 को भारत को लोकतंत्रिक राष्ट्र घोषित किए जाने के बाद इसके सांविधानिक मूल्यों को अपनाने और उसमें विश्वास रखने वालों पर असर डाल सकता है। इसमे यह भी कहा गया है कि शीर्ष अदालत के निर्णय के दूरगामी असर होंगे, इसलिए न्यायालय को अपने ऐतिहासिक फैसले में इसके परिणामों पर विचार करते हुए राहत में ऐसा बदलाव करना चाहिए जो हमारे सांविधानिक मूल्यों में परिलक्षित हो।

हिन्दू और मुस्लिम पक्षकारों ने शनिवार को शीर्ष अदालत में अपने अपने लिखित नोट दाखिल किए थे। राम लला विराजमान के वकील ने जोर देकर कहा है कि इस विवादित स्थल पर हिन्दू आदिकाल से पूजा अर्चना कर रहे हैं और भगवान राम के जन्म स्थान के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने 2.77 एकड़ विवादित भूमि तीन पक्षों - सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला - के बीच बांटने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सितंबर, 2010 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों पर 16 अक्टूबर को सुनवाई पूरी की।

क्विक न्यूज

भारत के हर जिले में स्थापित किए जाएंगे ईएसआई अस्पताल: गंगवार

भुवनेश्वर। केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को कहा कि देश भर के श्रमिकों की भलाई के लिए केंद्र सरकार भारत के हर जिले में ईएसआई अस्पताल स्थापित करेगी। गंगवार ने कहा कि केंद्र सरकार देश की श्रम शक्ति की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्वी राज्यों के श्रम मंत्रियों और मुख्य सचिवों के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए गंगवार ने कहा कि हर 20,000 श्रमिकों पर 30-बिस्तर वाला एक अस्पताल बनाया जाएगा। इस समय पूरे देश में 450 ईएसआई अस्पताल है। उन्होंने कहा कि सभी जिलो में इस योजना का विस्तार करने के उपाय किए जा रहे है। 50,000 और उससे अधिक श्रमिक क्षेत्र में 100 बिस्तर वाले अस्पताल की व्यवस्था की जाएगी। गंगवार ने यह भी बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) को मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के साथ साथ श्रम शक्ति के कल्याण का कार्य सौंपा गया है।

दिग्विजय के बंगले के बाहर धरने पर बैठे उनके छोटे भाई लक्ष्मण सिंह

भोपाल। मध्यप्रदेश के चाचौड़ा को राज्य का 53वां जिला बनाए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बंगले के बाहर उनके ही छोटे भाई एवं कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। इस दौरान, दिग्विजय अपने बंगले में आए, लेकिन उनके इस धरने को नजरअंदाज करते हुए सीधे अपने घर के अंदर घुस गए। धरने पर बैठे चाचौड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक लक्ष्मण सिंह ने मीडिया को बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ 26 जुलाई को सार्वजनिक रूप से उनके विधानसभा क्षेत्र को जिला बनाने की घोषणा कर चुके है। उन्होने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह दिग्विजय सिंह के साथ चाचौड़ा आएंगे। इसलिए दिग्विजय तिथि दे दें। बस हम यही चाहते है। जल्द से जल्द चाचौड़ा आकर उसे जिला बनाने की घोषणा को अमलीजामा पहनाएं। जब उनसे सवाल किया गया कि आपको दिग्विजय के बंगले की बजाय धरना देने मुख्यमंत्री निवास पर जाना चाहिए था, तो इस पर लक्ष्मण ने कहा कि चाचौड़ा को जिला बनाए जाने की घोषणा कमलनाथ जुलाई मे ही कर चुके है। इसलिए वहां जाने की जरूरत नही है। दिग्विजय तिथि बताएं, कब मुख्यमंत्री के साथ चाचौड़ा आएंगे। लक्ष्मण ने इशारों-इशारों मे दिग्विजय पर निशाना साधते हुए कहा कि चाचौड़ा ने दिग्विजय को सब कुछ दिया और इसके बावजूद वह पिछले आठ साल से वहां नही गए है। बता दे कि इस बार मध्य प्रदेश मे कांग्रेस की सरकार बनने के बाद लक्ष्मण सिंह मंत्री पद के दावेदार थे, लेकिन वह मंत्री नही बन सके, जबकि दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह को मंत्री पद मिल गया।

सिंह बंधुओं के खिलाफ पेशी वारंट जारी

आरएफएल कोष घोटाला

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने रेलीगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) के धन का कथित तौर पर गबन करने के मामले में गिरफ्तार किए गए फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटरों मलविंदर सिंह और उनके भाई शिविंदर सिंह के खिलाफ बुधवार को समझौता वार्ता के लिहाज से मंगलवार को पेशी वारंट जारी किया। मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट दीपक सहरावत ने सिंह बंधुओं की अंतरिम जमानत याचिकाओं की सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किया।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मलविंदर और शिविंदर को क्रमश: 11 और 10 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। सिंह बंधुओं ने 18 अक्टूबर को अदालत से अंतरिम जमानत दिए जाने का अनुरोध किया था और कहा था कि वे शिकायतकर्ता के साथ मामले का समाधान चाहते है। शिविंदर की ओर से पेश वकील डी पी सिंह ने अदालत को बताया कि यह आम समझौता नहीं है और इसे केवल पैसा देने के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। मलविंदर के वकील मनु शर्मा ने अदालत को बताया कि ऐसा माना जा रहा था कि मंगलवार को समझौता वार्ता आयोजित होगी लेकिन यह नहीं हो सकी क्योंकि आरोपियों को अदालत नहीं लाया जा सका। उन्होंने कहा, कुछ प्रक्रियात्मक अड़चने है। अगर उचित समझा जाए तो हम समझौते पर कल चर्चा करने के लिए मिल सकते हैं।

अदालत ने अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई की तिथि 24 अक्टूबर तय की। आरएफएल के मनप्रीत सिंह सूरी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने पहले कहा था कि वह लिखित में समझौते के लिए प्रस्ताव चाहते है। ईओडब्ल्यू ने अदालत को बताया था कि सिंह बंधुओं ने खुलासा किया है कि कंपनियों को मिली कर्ज की राशि में से विभिन्न व्यक्तियों को करीब ।,000 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए जिसका कथित तौर पर गबन किया गया। धन की कथित हेराफेरी और उसे अन्य कंपनियों में निवेश करने के आरोप में मलविंदर (46), शिविंदर (44), गोधवानी (58), अरोड़ा (48) और सक्सेना को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया था।

ईओडब्ल्यू ने आरएफएल के मनप्रीत सिंह सूरी से शिविंदर, गोधवानी और अन्य के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद मार्च में प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि फर्म के प्रबंधन के दौरान उनके द्वारा रिण लिया गया लेकिन इस धनराशि को अन्य कंपनियों में निवेश कर दिया गया। अदालत ने बृहस्पतिवार को सिंह बंधुओं और अन्य आरोपियों सुनील गोधवानी, कवि अरोड़ा तथा अनिल सक्सेना को 31 अक्टूबर तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। ईओडब्ल्यू के जांच अधिकारी ने हिरासत में लेने के आवेदन में आरोपियों से हिरासत में पूछताछ का यह कहकर अनुरोध किया था कि कथित घोटाले की राशि को जिन-जिन व्यक्तियों को हस्तांतरित किया गया है उनकी पहचान किए जाने की आवश्यकता है और मुखौटा कंपनियों को बनाए जाने के उद्देश्य की जांच की जानी चाहिए। आरएफएल, आरईएल की सहायक कंपनी है। मलविंदर और शिविंदर आरईएल के प्रमोटर थे।

सेना के जवानों और अधिकारियों ने राइफलमैन गामिल कुमार श्रेष्ठ को वाराणसी में मंगलवार को उनके नश्वर अवशेष मिलने पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अब टीबी और कालाजार को परास्त करने की बारीः डॉ. हर्षवर्धन

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. हर्षवर्धन ने मंगलवार को कहा कि देश से पोलियो को जड़ से खत्म करने के बाद सरकार अब टीबी और कालाजार को खत्म करने के लिए कमर कस चुकी है। साथ ही पोलियो फिर से सिर न उठा पाए इसके लिए इंद्रधनुष अभियान का दूसरा चरण (आईएमआई 2) 31 अक्टूबर को शुरु किया जाएगा। पोलियो उन्मूलन अभियान के 25 साल के अनुभव को उपलब्धि बताते हुए डा. हर्षवर्धन ने कहा कि इस अभियान की तर्ज पर अब टीबी हारेगा, देश जीतेगा मुहिम चलाई जा रही है। उन्होंने कहा, अब कालाजार को भी पूरी तरह से खत्म किया जाएगा।

डा. हर्षवर्धन ने कहा कि 31 अक्टूबर को पल्स पोलियो अभियान के 25 साल पूरे होने पर एक बार इस अभियान को दो साल तक की उम्र के हर बच्चे तक पहुंचाने की पुनः शपथ लेते हुए देशव्यापी स्तर पर आईएमआई 2 अभियान शुरु किया जाएगा। डा. हर्षवर्धन ने बताया कि पोलियो को खत्म करने के लिए 1994 में इंद्रधनुष अभियान का पहला चरण शुरू हुआ था। इससे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने भी 1988 में दुनिया से पोलियो को समाप्त करने का अभियान शुरू किया था।

दूसरे चरण में देश के 271 जिलों और उत्तर प्रदेश एवं बिहार के 652 विकास खंड (ब्लॉक) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ए इलाके पहले चरण में या तो अछूते रह गए थे या पूरी तरह से इन्हें अभियान के दायरे में नहीं लिया जा सका था। फिलहाल देश का 87 प्रतिशत इलाका शत प्रतिशत पोलियो मुक्त क्षेत्र में शुमार हो चुका है।

उन्होंने बताया कि पहला चरण शुरु करने के समय दुनिया के 60 फीसद पोलियो पीड़ति बच्चे भारत में थे। ऐसे में पोलियो उन्मूलन को असंभव मान लिया गया था। उन्होंने कहा, इस अभियान को लेकर जो लोग उस समय निराशा भरी बातें करते थे, मैं उनसे एक ही बात कहता था कि जब हम हर व्यक्ति तक मत पत्र पहुंचा सकते हैं, तो हर बच्चे तक पोलियो की दवा क्यों नहीं पहुंचा सकते हैं। इसके बाद हमने सभी सहयोगियों की मदद से इसे खत्म कर दिखाया।

डा. हर्षवर्धन ने बताया कि भारत में 13 जनवरी 2011 को पोलियो का आखिरी मामला पश्चिम बंगाल के हावड़ा में सामने आया था। इसके बाद लगातार तीन सालों तक पोलियो का एक भी मामला सामने नहीं आने पर साल 2014 में डब्लूएचओ ने भारत को पोलियो मुक्त घोषित किया। उन्होंने बताया कि देश में सफल पल्स पोलियो अभियान के 25 साल पूरे होने पर 31 अक्तूबर को दिल्ली में भव्य आयोजन किया जाएगा। इसके मद्देनजर उन्होंने समारोह में उन सभी लोगों से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया, जिन्होंने 1994 में इस अभियान को दिल्ली में सफल बनाने में योगदान दिया था।

श्रीनगर में 10वीं बोर्ड परीक्षा की ग्रुप में पढ़ाई करते हुए छात्र-छात्राएं

सहमति से बना संबंध बलात्कार नहींः कोर्ट

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने बलात्कार के आरोप से 56 साल के एक व्यक्ति को बरी करते हुए इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि, सहमति से बना शारीरिक संबंध बलात्कार नहीं होता। इस शख्स पर अपने ड्राइवर की पत्नी से बलात्कार का आरोप था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर आर वैष्णव ने पिछले बृहस्पतिवार के अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी दिलीप श्रीधर पाटिल के खिलाफ लगे बलात्कार के आरोप को सिद्ध करने में बुरी तरह विफल रहा।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक महिला का पति आरोपी के चालक के तौर पर काम करता था। आरोपी के अकसर उनके घर आने-जाने की वजह से वह उससे घुल-मिल गई थी। अभियोजक ने कहा कि 2014 में आरोपी ने महिला को एक लॉज में बुला कर उससे बलात्कार किया। इसके बाद कई मौकों पर उसने महिला से बलात्कार किया।

अभियोजन पक्ष का आरोप था कि महिला के विरोध करने पर आरोपी ने उसे बदनाम करने और उसके पति को नौकरी से हटाने की धमकी दी। अदालत को बताया कि 2014 में महिला के पति की मौत के बाद, आरोपी ने कई बार उससे बलात्कार किया और उसे कुछ पैसे भी दिए। इस घटनाक्रम से परेशान होकर एक दिन महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

न्यायाधीश ने पाया कि महिला ने अपने बयान में कहा कि वह आरोपी के खिलाफ कार्वाई नहीं चाहती। बचाव पक्ष के वकील की ओर से पूछताछ किए जाने के दौरान उसने स्वीकार किया कि उसके और आरोपी के बीच सहमति से संबंध बने थे। महिला ने स्वीकार किया कि उसकी भाभी को इसकी जानकारी हो गई थी जिसके बाद उसने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। न्यायाधीश ने कहा, पीड़ति ने ए सब स्वीकार कर अभियोजन की कहानी को गलत साबित कर दिया।

पांच वर्षों में लाखों को रोजगार दिलाएगी केंद्र सरकार : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को कहा कि अगले 5 वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार हुनर हाटै के माध्यम से हुनर के उस्ताद लाखों कारीगरों, शिल्पकारों, दस्तकारों और पारंपरिक खानसामों को रोजगार तथा रोजगार के मौके मुहैया कराएगी। नकवी ने यह भी कहा कि अगला हुनर हाट प्रयागराज में आगामी एक से 10 नवम्बर के बीच आयोजित किया जाएगा। प्रयागराज में आयोजित किए जा रहे देश भर के हुनर के उस्तादों के मेले में बड़ी संख्या में महिला कारीगरों सहित देश के हर कोने से 300 से अधिक दस्तकार, शिल्पकार, खानसामे भाग लेंगे।

2019-2020 के सभी हुनर हाट, एक भारत श्रेष्ठ भारत के थीम पर आधारित होंगे। उन्होंने कहा, पिछले तीन वर्षों में देश के प्रसिद्ध आर्थिक केंद्रों में आयोजित एक दर्जन से ज्यादा ैहुनर हाटै के जरिए 2 लाख 50 हजार से ज्यादा कारीगरों, शिल्पकारों, दस्तकारों, खानसामों और उनसे जुड़े हुए लोगों को रोजगार और रोजगार के मौके मुहैया कराए गए हैं जिनमे बड़ी संख्या में महिला कारीगर भी शामिल हैं। अगले 5 वर्षों में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय देश के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 100 हुनर हाट का आयोजन करेगा। आने वाले दिनों में हुनर हाट का आयोजन दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद, देहरादून, पटना, इंदौर, भोपाल, नागपुर, रायपुर, हैदराबाद, पुडुचेरी, चंडीगढ़, अमृतसर, जम्मू, शिमला, गोवा, कोच्चि, गुवाहाटी, रांची, भुवनेश्वर, अजमेर आदि में किया जाएगा।

हुनर हाट में आने वाले दस्तकारों, शिल्पकारों का सशक्तिकरण तो हो ही रहा है साथ ही प्रत्एक दस्तकार, शिल्पकार के साथ कम से कम 40 से 50 लोग जुड़े होते हैं जिन्हें रोजगार के मौके मिलते हैं। इन सभी दस्तकारों, शिल्पकारों को अपने स्वदेशी हस्तनिर्मित उत्पादन को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मार्किट मुहैया होते हैं। मंत्री ने कहा कि हुनर हाट, दस्तकारों, शिल्पकारों का एम्पावरमेंट और एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि दस्तकारों, शिल्पकारों को मौका-मार्किट मुहैया कराने के मिशन के तहत देश के विभिन्न भागों में आयोजित हुनर हाट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया,ै स्टैंड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया के संकल्प को साकार करने का प्रामाणिक एवं विश्वसनीय ब्रांड बन गया है। हुनर हाट, एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को शक्ति दे रहा है।

अभिजीत बनर्जी का कोलकाता पहुंचने पर शानदार स्वागत

कोलकाता। नोबेल पुरस्कार के लिए चयनित अभिजीत बनर्जी का नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचने पर शानदार स्वागत किया गया। वह यह प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुने जाने की घोषणा के बाद पहली बार अपनी मां से मिलने मंगलवार शाम को कोलकाता पहुंचे। कोलकाता के महापौर फिरहाद हाकिम और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों ने उनका स्वागत किया। सभी क्षेत्रों के लोग बनर्जी का स्वागत करने के लिए हवाईअड्डे पर पोस्टर, तस्वीरें और तख्तियां लिए हुए एकत्रित हुए। हवाईअड्डा उस समय भारत का गर्व अभिजीत बनर्जी के नारों से गुंजायमान हो गया। हवाईअड्डे पर कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच पहुंचे अभिजीत पर कई लोगों ने फूल भी बरसाए। भारत में जन्मे अमेरिकी प्रोफेसर बनर्जी ने फ्रांसिसी-अमेरिकी एस्थर डुफ्लो और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के माइकल क्रेमर के साथ संयुक्त रूप से 2019 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जीता। डुफ्लो उनकी पत्नी भी है।

कश्मीर में विद्यार्थी परीक्षा के लिए तैयार नहीं

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में केवल आधा पाठ्यक्रम पूरा होने के बावजूद संबंधित प्रशासन द्वारा विभिन्न कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के हिसाब से कराने का फैसला करने के बाद खासकर घाटी के विद्यार्थी दुविधा में फंस गए हैं। पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर में विद्यालयों को बंद कर दिया गया था। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रशासन ने विद्यार्थियों से उन महीनों की फीस ली, जब स्कूल बंद थे। उनका कहना है कि अब स्कूल प्रशासन ने पाठ्यक्रम में बिना कोई ढील दिए वार्षिक परीक्षाओं की घोषणा कर दी है।

अभिभावक और विद्यार्थी परेशान हैं कि यदि परीक्षाएं पाठ्यक्रम में बिना किसी कटौती के होती हैं तो विद्यार्थी शायद अच्छे अंक नहीं ला पाएंगे, लेकिन यदि वार्षिक परीक्षाएं नहीं होती हैं तो उन्हें एक कीमती वर्ष का नुकसान हो जाएगा। विद्यार्थियों का कहना है कि वे इस स्थिति में बहुत परेशान हैं और उन्होंने निर्धारित पाठ्यक्रम के करीब आधे हिस्से का ही अध्ययन किया है।

यहां एक निजी विद्यालय की कक्षा बारहवीं की छात्रा न्याला ने कहा, हम पांच अगस्त से घर में हैं। कोई कक्षा नहीं हुई और वर्तमान माहौल में पढाई बहुत मुश्किल रही। कैसे हम परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं? उसने कहा कि पाबंदियों के चलते निजी ट्यूशन भी प्रभावित रहा। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की भी यही कहानी है। सरकार ने घाटी में क्रमिक ढंग से विद्यालयों को खोलने की घोषणा की और शिक्षक स्कूल आने लगे लेकिन विद्यार्थी स्कूल नहीं आए।

एक सरकारी विद्यालय के कक्षा दसवीं के छात्र मुसैब ने कहा, हम स्कूल नहीं जा सके। हमारे माता पिता निजी ट्यूशन का खर्चा नहीं उठा सकते। हमने पूरा पाठ्यक्रम पढ़ा नहीं, ऐसे में कैसे हम वार्षिक परीक्षाओं के लिए तैयार हो सकते हैं? विद्यार्थी चाहते हैं कि परीक्षाएं टाल दी जाएं या फिर कम से कम, पाठ्यकम में कुछ कमी की जाए ताकि प्रश्न पत्र उसके हिसाब से सेट हों। पांच अगस्त को सरकार ने जम्मू कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने के लिए अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और जम्मू कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया था। कश्मीर के स्कूल शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों का कहना है कि राज्यपाल शासन निर्धारित कार्यक्रम के हिसाब से और पाठ्यक्रम में बिना किसी कटौती के परीक्षाएं कराने पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं है।

अगरतला में दीपावली पर्व की तैयारी के लिए दीपों को कार्यशाला में तैयार करते हुए कारीगर

पिता की विरासत को बनाए रखेगा उनके नाम पर बना पुल

● कर्नल चेवांग रिनचेन की बेटी फुनसांग आंगमो ने कहा

लेह (लद्दाख)। कर्नल चेवांग रिनचेन के नाम पर देश का सबसे ऊंचा पुल राष्ट्र को समर्पित किया गया है जो हर मौसम में यातायात के लिए खुला रहेगा। इस अवसर पर कर्नल रिनचेन की बेटी फुनसांग आंगमो ने अपने दिवंगत पिता को याद करते हुए कहा कि वह प्रखर देशभक्त, सरल और महान योद्धा थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को चीन की सीमा से करीब 45 किलोमीटर दूर श्योक नदी पर 1400 फुट लंबे सेतु को राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत और दिवंगत कर्नल रिनचेन की पुत्री भी उपस्थित थीं। सिंह ने कर्नल रिनचेन को याद करते हुए कहा था कि उनका साहस और पराक्रम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सेतु राष्ट्र के लिए उनके योगदान के प्रति सम्मान है।

62 वर्षीय आंगमो ने विशेष बातचीत में कहा, मुझे अत्यंत गर्व हो रहा है कि इस पुल का नाम मेरे पिता के नाम पर रखा गया है जो महान योद्धा और प्रखर देशभक्त थे। उन्होंने अपने देश को प्यार किया तथा सेना में शामिल होने से पहले ही उसकी रक्षा के लिए लड़े।

कर्नल रिनचेन की नातिन रिनचेन डोलकर ने भी समारोह में हिस्सा लिया। वह 14,650 फुट ऊंचाई पर स्थित पुल को देखकर मंत्रमुग्ध थीं जिसे उनके नाना के नाम पर जाना जाएगा। डोलकर ने बताया कि उनके नाना के नाम पर ही उनका नाम रखा गया। मां-बेटी ने सरकार और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) का शुक्रिया अदा किया जिसने यह पुल बनाया है। जम्मू में एक मेडिकल कॉलेज से शिक्षक के तौर पर सेवानिवृत्त हुईं आंगमो ने कहा , मेरे पिता ने हमारे अंदर देश और लद्दाख के प्रति प्यार तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान पैदा किया था। लेह में एक सार्वजनिक चौक पर उनकी प्रतिमा है और 1997 में उनके निधन के बाद एक पार्क का नाम उनके नाम पर रखा गया। हम उन्हें सम्मान देने के सरकार के इस फैसले से अभिभूत हैं। कर्नल रिनचेन का जन्म 11 नवंबर, 1931 को लद्दाख में नुब्रा घाटी के सुमुर गांव में हुआ था। उन्हें दुश्मनों के हमलों के दौरान लेह तथा परतापुर सेक्टर की रक्षा करने के लिए उनके साहसिक कारनामों की वजह से लद्दाख का शेर कहा जाता था।

अब्दुल्लाकुट्टी को केरल भाजपा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

तिरुवनंतपुरम। हाल ही में भाजपा में शामिल हुए कन्नूर के पूर्व सांसद ए पी अब्दुल्लाकुट्टी को पार्टी की केरल इकाई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष पी एस श्रीधरन पिल्लै ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, अब्दुल्लाकुट्टी को पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पिल्लै ने केरल में पांच विधानसभा क्षेत्रों में सोमवार को हुए उपचुनाव के नतीजे को लेकर मीडिया संगठनों द्वारा कराए गए एक्जिट पोल को भी खारिज कर दिया। इन एक्जिट पोल में भाजपा नीत राजग के खराब प्रदर्शन की बात की गई है। हम कई मीडिया संगठनों द्वारा कराए गए एक्जिट पोल के नतीजे को नहीं मानते हैं। यह हमारी मूल स्थिति है। वर्षा की वजह से मतदान प्रतिशत घटा। इस बीच, प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर अब्दुल्लाकुट्टी ने संवाददाताओं से कहा, हां, मेरी विचारधारा बदल गई है और मैं केरल के लोगों की बेहतरी के लिए काम करूंगा। यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। दो बार माकपा के सांसद रह चुके अब्दुल्लाकुट्टी को 2009 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने पर वामदल ने निष्कासित कर दिया था। अब्दुल्लाकुट्टी बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। वह दो बार विधानसभा के लिए चुने गए। 2019 के आम चुनाव में भाजपा नीत राजग की शानदार जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की तब कुछ दिन बाद कांग्रेस ने उन्हें तीन जून को निष्कासित कर दिया था।

युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है सरकारः गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य की राजकीय सेवाओं व शिक्षण संस्थाओं में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण में अचल सम्पत्ति संबंधी प्रावधान हटाने के निर्णय से बड़ी संख्या में युवाओं को राहत मिलेगी।

गहलोत ने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण में विभिन्न जटिलताओं के कारण बेरोजगार युवाओं को इसका लाभ लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था और सरकार ने उनकी तकलीफ को समझते हुए यह जनकल्याणकारी कदम उठाया है। गहलोत यहां मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं को संबोधित कर रहे थे। ए लोग राजकीय सेवाओं व शिक्षण संस्थाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण में अचल सम्पत्ति संबंधी प्रावधान हटाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने आए थे। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ईडब्ल्यूएस आरक्षण में अचल सम्पत्ति सहित अन्य जटिल प्रावधान हटाने के लिए केंद्र सरकार से भी मांग करेगी ताकि केंद्र की सेवाओं व शिक्षण संस्थाओं में भी प्रदेश के युवाओं को इस आरक्षण का उचित लाभ मिल सके।

परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान सरकार को युवाओं के भविष्य की पूरी चिंता है। सरकार ने उनकी राह आसान करने की दिशा में यह कल्याणकारी कदम उठाया है। राज्य सरकार ने राजकीय सेवाओं व शिक्षण संस्थाओं के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की पात्रता के लिए मापदंडों में बदलाव किया है। अब ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिए परिवार की कुल वार्षिक आय (अधिकतम 8 लाख रुपए) को ही एक मात्र आधार माना जाएगा।

राजस्थान में मंत्रियों के कई भत्ते बढ़े

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य के मंत्रियों को देय कई भत्तों में बढ़ोत्तरी कर दी है। राज्य सरकार ने इस बारे में मंत्री वेतन संशोधन विधेयक अगस्त महीने में विधानसभा में पारित करवाया था। अधिसूचना जारी कर दी गई है। मंत्रियों को मिलने वाला आवास भत्ता 10,000 रुपए से बढाकर 30,000 रुपए प्रति माह किया गया है। राज्य सरकार अगर किसी मंत्री को जयपुर में सरकारी आवास उपलब्ध नहीं करवा पाती तो उसे भत्ता देती है। इसी तरह राज्य के भीतर यात्रा करने पर मिलने वाला भत्ता 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति दिन और राज्य के बाहर यात्रा पर मिलने वाला भत्ता 1,250 रुपए से बढ़ाकर 2,500 रुपए किया गया है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के पास जमीन छीन रही है सरकारः आदिवासी

अहमदाबाद। गुजरात के केवडिया जिले में सरदार पटेल के स्मारक स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के पास रहने वाले आदिवासियों ने मंगलवार को दावा किया कि उच्च न्यायालय के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के बावजूद राज्य सरकार पर्यटन परियोजनाओं के लिए उनकी पैतृक जमीन छीन रही है। छह गांवों के कुछ आदिवासियों के साथ गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री सुरेश मेहता ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा सरकार परियोजना से प्रभावित लोगों को नौकरियां प्रदान करने या वैकल्पिक जमीन मुहैया कराने के वादे से पलट गई है। मेहता सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक संगठन लोकशाही बचाओ आंदोलन से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने वादा किया था कि बेदखल हुए हर व्यक्ति को नौकरी दी जाएगी। लेकिन कुछ नहीं हुआ। एक कार्यकर्ता ने दावा किया कि स्टेच्यू ऑफ यूनिटी परियोजना से निजी कंपनियों को फायदा होगा।

जडेजा ने कहा, भूमि अधिग्रहण पर रोक के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद आदिवासियों को जबरन बेदखल किया जा रहा है। आदिवासी स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के खिलाफ नहीं हैं लेकिन पर्यटन के नाम पर अवैध भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। अगर सरकार आदिवासियों की जमीन अधिग्रहण करना चाहती है तो उसे नौकरी जरूर देनी चाहिए। आदिवासियों ने दावा किया कि स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के पास परियोजना से नवगाम, केवडिया, गोरा, लिंबडी, वागडिया और कोठी के 8000 लोग प्रभावित हुए हैं और आरोप लगाया कि सरकार ने मुआवजा नहीं दिया। एक ग्रामीण रामकृष्ण तडवी ने बताया कि अधिकारियों ने उनके खेत में खड़ी फसल पर बुल्डोजर चला दिया जबकि, केवडिया गांव की शकुंतला तडवी ने कहा कि सरकार के आश्वासन के बावजूद उनके बेटों को नौकरी नहीं मिली।

रैडक्लिफ रेखा को अंततः विदाई दी जाएः रहमान

एजेंसी। गुवाहाटी

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के आर्थिक सलाहकार एकेएम मशीउर रहमान ने मंगलवार को कहा कि रैडक्लिफ रेखा को अंतिम विदाई दे देनी चाहिए क्योंकि इसने पड़ोसियों के बीच अवरोधक पैदा किए हैं तथा दक्षिण एशिया में व्यापार और वाणिज्य को अवरुद्ध किया है। रहमान ने यहां दो दिवसीय भारत-बांग्लादेश हितधारक बैठक के पहले दिन अपने संबोधन में कहा कि अलगाव कोई समाधान नहीं है तथा व्यापक आर्थिक क्षेत्र में काम करने के लिए दुनिया में मजबूत साझेदार जरूरी हैं।

रैडक्लिफ रेखा ब्रिटिश भारत के समय के पंजाब और बंगाल के भारतीय तथा पाकिस्तानी हिस्सों के बीच सीमा निर्धारण की रेखा है। इसके रचनाकार सर साइरिल रैडक्लिफ के नाम पर इसका नाम रखा गया था। उन्होंने कहा, रैडक्लिफ द्वारा बनाई गई सीमाओं को अंतिम विदाई दी जानी चाहिए। इस बारे में मजबूत राय है कि रैडक्लिफ से हमारी भविष्य तय नहीं होना चाहिए। हमें सीमापार लोगों को इंसान समझना चाहिए और उन्हें उचित सम्मान देना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। रहमान ने कहा कि शेख हसीना राजनीति और कूटनीति को बहुत मानवीय नजरिए से देखती हैं। जब भी संभावना हो हमें (भारत और बांग्लादेश को) मिलकर काम करना चाहिए।

जन सुरक्षा के हित में ही की जा सकती है फोन टैपिंग : उच्च न्यायालय

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को व्यवस्था दी कि केवल जनता से जुड़ी आपात स्थिति या जनता की सुरक्षा के हित संबंधी मामले में ही टेलीफोन टैपिंग की जा सकती है। इसके साथ ही अदालत ने रिश्वत के मामले में सीबीआई द्वारा नामजद एक कारोबारी का फोन टैप करने के केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेशों को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति आर वी मोर और न्यायमूर्ति एन जे जमादार की खंडपीठ कारोबारी विनीत कुमार द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने अक्टूबर 2009 से फरवरी 2010 के बीच उसका फोन टैप करने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा जारी तीन आदेशों को चुनौती दी थी।

कुमार के वकीलों- विक्रम ननकानी और सुजय कांतवाला ने दलील दी कि फोन टैप करने के आदेश टेलीग्राफ कानून के प्रावधानों और संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। कर्ज प्राप्ति में मदद के लिए एक बैंक अधिकारी को 10 लाख रुपए की रिश्वत देने के आरोप में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने वर्ष 2011 में कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

पीठ ने कहा, हमारा मत है कि टेलीग्राफ की धारा 5(2) के अनुरूप या तो जनता से जुड़ी किसी आपात स्थिति या फिर जनता की सुरक्षा के हित संबंधी मामले में ही फोन टैपिंग का आदेश दिया जा सकता है। इसने कहा, अगर दोनों में से कोई स्थिति न हो तो टेलीफोन टैपिंग की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2019

स्वास्थ्यरक्षा का एजेंडा

आयुष्मान भारत के समक्ष चुनौतियां

आयुष्मान भारत योजना के पूर्ण क्रियान्वयन में कुछ समस्यायें हैं। निजी अस्पतालों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के माध्यम से इस योजना का लक्ष्य 11 करोड़ गरीब परिवारों को स्वास्थ्यरक्षा प्रदान करना है। एक सर्वेक्षण से स्पष्ट हुआ है कि सरकार द्वारा विभिन्न बीमारियों व ट्रीटमेंट प्रोटोकाल की दरें तय करने के बावजूद सरकारी व निजी अस्पतालों में दवा इलाज के खर्च में 200 प्रतिशत तक अंतर हो सकता है। निजी अस्पताल गुणवत्ता के नाम पर दरें घटाने से इनकार करते रहे हैं। योजनाओं में सहभागिता के बावजूद कुछ निजी अस्पताल सरकार द्वारा निर्धारित मानकों पर मरीजों के इलाज से इनकार करते हैं। ऐसा इस वर्ष के प्रारम्भ में दरों में संशोधन तथा पैकेजों के तर्कसंगत बनाने के बावजूद है ताकि निजी अस्पतालों को समान आधार मिल सके। स्वास्थ्यरक्षा के लिए सामाजिक उद्यमिता माडल अभी बहुत दूर है। अत: गरीबों को केवल सरकारी अस्पतालों का सहारा है तथा एम्स जैसे रेफरल अस्पताल भी मरीजों के भारी दबाव का सामना कर रहे हैं। भारतीय चिकित्सा असोसिएशन-आईएमए ने इस बारे में लगातार चेतावनी दी है, जबकि सरकार द्वारा नए 239 पैकेजों की घोषणा के बाद अब इनकी संख्या 1,395 हो गई है। हालांकि, नीति निर्माताओं ने डाक्टरों व विशेषज्ञों से सलाह ली है, पर चिकित्सा ढांचे की गुणवत्ता तथा उपकरणों व सर्जिकल प्रक्रियाओं में विविधता के कारण दरों में एकरूपता लाना कठिन है। ऐसे में उच्च मानकों पर काम करने वाले निजी अस्पतालों से दरें ज्यादा घटाने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। फिक्की की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा वर्तमान

प्रक्रियाओं पर निर्धारित खर्च कई मामलों में निजी अस्पतालों में खर्च का केवल आधा है। ऐसे में आयुष्मान भारत के अंतर्गत निजी अस्पताल कुल खर्च का केवल 40-80 प्रतिशत ही वसूल पाते हैं। यदि विशेषज्ञता प्राप्त अस्पताल अपनी क्षमता के केवल 25 प्रतिशत रोगी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भर्ती करें तो उनको प्रति दिन-प्रति बेड 15-25 प्रतिशत नुकसान होगा। हालांकि, कुछ अस्पताल क्षमता के प्रयोग में सुधार कर रहे हैं, पर मुनाफे में कमी के कारण वे ज्यादा परिवर्तन नहीं कर सकते हैं। चूंकि इस कार्यक्रम की सूची में शामिल आधे अस्पताल निजी हैं, इसलिए समुचित प्रतिपूर्ति न होने पर कार्यक्रम संकटग्रस्त हो सकता है। सरकार ने विभिन्न प्रकार की धोखाधड़ी व भ्रष्टाचार के आरोप में देश भर के 90 से अधिक अस्पतालों को काली सूची में डाल दिया है।

आईएमए ने यह भी स्पष्ट किया है आयुष्मान भारत जैसे बीमा-आधारित माडल दुनिया भर में विफल हुए हैं। किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को बीमा से आगे देखते हुए व्यापक योजना बनानी चाहिए जो बीमारियों की चिकित्सा के साथ ही उनकी रोकथाम पर भी ध्यान दे। हालांकि, आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य एवं वेलनेस केन्द्रों का अखिल-भारतीय जाल बनाने को भी प्राथमिकता दी है जो प्राथमिक देखभाल तथा सेवाओं को समन्वित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। सरकार का इरादा वर्ष 2023 तक ऐसी 1,50,000 सुविधायें विकसित करना है, लेकिन फिलहाल ऐसी सेवाओं से कोई खास फर्क नहीं पड़ रहा है। कम विकसित राज्यों में जागरूकता की कमी से भी नुकसान हुआ है। बिहार की तुलना में तमिलनाडु ने बेहतर प्रदर्शन किया है क्योंकि बिहार के कस्बों में अच्छी स्वास्थ्य सुविधायें नहीं हैं। सार्वजनिक कही जाने वाली आयुष्मान भारत योजना का क्रियान्वयन राज्यों में अलग-अलग स्तर पर है। स्वास्थ्य ढांचे में समग्र सुधार के अभाव में केवल इस योजना पर निर्भरता अनुचित है।

इतिहास पुन: लिखने की आवश्यकता

यदि हम अपने संविधान तथा अपनी सेक्युलर व लोकतांत्रिक परंपराओं को बचाए रखना चाहते हों तो हमारी इतिहास पुस्तकों में सत्य दिखना चाहिए तथा नीति-निर्माताओं को प्रमुख संवैधानिक मूल्यों के अनुसार व्यवहार करना चाहिए।

ए. सूर्यप्रकाश
लेखक लोकतांत्रिक अध्ययनों के विशेषज्ञ हैं)

स्वतंत्रता के छ: दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद लूटियनों की दिल्ली वाली 'अवस्थापना' में अभी नेहरूवादियों-मार्क्सवादियों तथा छद्म-सेक्युलर चेतना वाले लोगों की काफी संख्या है। इस वैचारिक झुकाव वाले लोगों ने सभी चीजों को प्रभाावित किया है जिसमें स्कूली पाठ्यक्रम से लेकर सार्वजनिक नीति व इतिहास लेखन तक शामिल हैं। उन्होंने व्यवस्थित रूप से एक फर्जी ऐतिहासिक विमर्श विकसित किया जिसने भारत की सभ्यतामूलक यात्रा को खारिज कर उसकी निन्दा की।

इस सोच का इतना प्रभाव था उसने स्वतंत्रता के बाद पैदा तीन भारतीय पीढ़ियों को देश की महान विरासत से अलग करने तथा नागरिकों में अपने अतीत के प्रति शर्म की भावना पैदा करने में सफलता पाई। इसमें ज्यादातर नुकसान वामपंथी झुकाव वाले राजनेताओं, नौकरशाहों व अकादमीशियनों ने किया। उन्होंने शिक्षा सामग्री के माध्यम से सुनिश्चित किया कि जनता में अपनी संस्कृति व परंपराओं के प्रति घृणा पैदा हो। इस सामग्री में प्राथमिक स्कूल की पाठ्यपुस्तकों, खासकर इतिहास की पाठ्यपुस्तकों के साथ ही सरकारी नीति व विधायी उपाय शामिल हैं। चूंकि देश की जनसंख्या का अधिकांश हिस्सा हिंदू था, इसलिए भारत का सभ्यतामूलक अनुभव हजारों सालों से हिंदू-केन्द्रित था। इस प्रकार छद्म-सेक्युलर अवस्थापना की यह व्यापक योजना हिंदू-विरोधी थी। इसने लोगों को हिंदुवाद से जुड़ी सभी चीजों को खारिज करने तथा सभी गैर-हिंदू चीजों की प्रशंसा के लिए प्रेरित किया। इसका विस्तार अनेक क्षेत्रों तक हुआ जिसमें वेदों तथा रामायण व महाभारत जैसे महान ग्रंथों की निन्दा के साथ ही योग व आयुर्वेद का मजाक उड़ाना शामिल है। उन्होंने सभी भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत का भी मजाक उड़ाया।

मुझे आश्चर्य है कि दुनिया में इस प्रकार का कोई अन्य उदाहरण नहीं है जहां बहुत थोड़े से लोगों ने इतनी सफलता के साथ एक उद्यम चलाया जिसका उद्देश्य देश में रहने वाले लोगों द्वारा अपनी ही सभ्यता और संस्कृति को खारिज करने में लगाना हो और उसे इतनी सफलता मिली हो।

उन्होंने सचेतन रूप से यह काम सफलता से 67 वर्षों तक किया और इसमें 1998 से 2004 के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 6 साल भी शामिल हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद उनकी यह योजना ध्वस्त हो गई। अंतत: भारत की जनता ने तय किया कि बस बहुत हो गया और उसने 2014 में नेहरूवादी-मार्क्सवादी गिरोह को किनारे फेंक दिया। जनता ने 2019 के लोकसभा चुनाव में अपना यह दृष्टिकोण पुन: दुहराया। इससे ऐतिहासिक विमर्श बदलने की प्रक्रिया समाप्त हो गई, जनता ने विमर्श अपने हाथ में लिया तथा दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता के असाधारण योगदान को समझना और उसकी प्रशंसा करनी शुरू की।

अब भारत की जनता ने नेहरूवादी-मार्क्सवादी व छद्म-सेक्युलर समूह को निश्चित रूप से हाशिए पर धकेल दिया है और वह अपना राष्ट्रीय गौरव बहाल करने का प्रयास कर रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इतिहास के पुनर्लेखन के हालिया आह्वान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। शाह ने अनेक उदाहरण देते हुए कहा है कि यदि वीर सावरकर ने 1857 की घटनाओं को 'स्वतंत्रता का प्रथम संग्राम' न कहा होता तो इतिहासकारों ने इसे अंग्रेजों के खिलाफ केवल विद्रोह बता कर खारिज कर दिया होता। शाह का यह कहना सही है कि हमें ऐसा इतिहास अवश्य लिखना चाहिए जिसमें तथ्य सही हों। दूसरे शब्दों में, हमें इतिहास का पुनर्लेखन करना चाहिए। उदाहरण के लिए, हमें औरंगजेब का मामला देखना चाहिए। उसने अपने गवर्नरों से 1669 में हिंदू मंदिरों को नष्ट करने को कहा था जिनमें सर्वाधिक सम्मानित काशी विश्वनाथ मंदिर, गुजरात का सोमनाथ मंदिर व मथुरा का कृष्ण मंदिर शामिल थे। उसने मथुरा का मंदिर नष्ट कर एक विशाल मस्जिद का निर्माण कराया तथा कृष्ण मंदिर की मूर्तियों को आगरा में एक मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे गड़वा दिया। औरंगजेब ऐसा बादशाह भी था जिसने इस्लाम में धर्मान्तरण करने वाले हिंदुओं को सरकारी नौकरियों का प्रस्ताव किया था। मुसलमान बनने पर जेल की सजा में रियायत एक और लालच था। उसने क्षेत्र में वस्तुओं का आयात करने वाले हिंदुओं पर ज्यादा कस्टम ड्यूटी लगाई तथा हिंदू धर्म का पालन करने की इच्छा रखने वाले हिंदुओं पर जजिया नामक टैक्स लगा दिया। यह तथ्य भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि औरंगजेब ने सिख गुरुद्वारों को नष्ट करवाया था, गुरु तेग बहादुर को जेल में बंद कर उन पर अमानवीय अत्याचार किए थे तथा अंतत: मुसलमान बनने से इनकार करने पर उनका सिर भी कटवा लिया था। औरंगजेब ने गुरु गोविंद सिंह के जीवनकाल में सिख धर्म पर लगातार हमले किए तथा उनके बेटों को भी मरवा डाला।

औरंगजेब की यही कथा है। लेकिन इसके बावजूद उपरोक्त विचारधारा वाले इतिहासकारों ने इन तथ्यों को अनदेखा कर उसे एक 'सेक्युलर' व्यक्ति के रूप में पेश किया। यदि धोखाधड़ी वाले इतिहास के लिए कोई पुरस्कार होता तो वह ऐसे लोगों को मिलना चाहिए। क्या छद्म-सेक्युलर व नेहरूवादी-मार्क्सवादी इतिहासकारों के समूह में से किसी ने हमें बताया कि इस आततायी के नाम से नई दिल्ली में एक प्रमुख सड़क का नाम रखने का क्या औचित्य था?

इसी प्रकार अनेक कस्बों, प्रमुख सड़कों व अन्य शहरों में बस्तियों के नाम उसके नाम पर हैं। इन सारी बातों का कारण यह है कि इस देश की सत्ता पर 6 दशकों से अधिक समय तक हिंदुओं से घृणा करने वाले नेहरूवादी-मार्क्सवादी इतिहासकारों का नियंत्रण रहा। इसी प्रकार राष्ट्रीय राजधानी व देश में अन्य स्थानों पर बाबर, हुमांयू व जहांगीर को गरिमापूर्ण स्थान मिला था।

सवाल है कि इन हमलावरों की स्मृति को इतने लंबे समय तक बनाए रखने के बावजूद भारत एक सेक्युलर व लोकतांत्रिक देश कैसे बना रहा? यदि हमें अपने संविधान व अपनी सेक्युलर, लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखना हो तो हमारी इतिहास की पुस्तकों में ये तथ्य स्पष्ट होने चाहिए तथा हमारी सार्वजनिक नीति में संविधान के प्रमुख मूल्य अभिव्यक्त होने चाहिए। इसका अर्थ है कि इन दु:खद स्मृतियों के अंतिम अवशेषों को हमेशा के लिए मिटा देना चााहिए।

सौभाग्य से औरंगजेब का नाम नई दिल्ली की इस सड़क से मिटा दिया गया तथा उसे सर्वाधिक सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया। औरंगजेब की श्रेणी में आने वाले अन्य लोगों के साथ भी ऐसा ही न्याय किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उनके साम्राज्यों और उनकी कट्टरता के बारे में तथ्य स्कूल पाठ्यक्रम का हिस्सा होने चाहिए। भले ही इसका उद्देश्य इस बात पर जोर देना हो कि भारत का भविष्य ऐसी कट्टरता के बजाय असली लोकतंत्र में निहित है जिसका मंत्र समानता और समता है। भारत को अपना घर बनाने वाले फ्रांसीसी पत्रकार फ्रांसुआ गाटियर तथा बेल्यिन विद्वान कोइनराड एल्स्ट ने देश की जनता को सावधान किया है कि वह इस घोखाधड़ी से बचे जिसे वामपंथी झुकाव वाले राजनेताओं, अकादमीशियनों व नौकरशाहों ने स्वतंत्रता के बाद से बखूबी बनाए रखा है। 6 साल पहले प्रकाशित गाटियर की पुस्तक 'अ हिस्ट्री आफ इंडिया एज़ इट हैपन्ड: नाट एज़ इट हैज़ रिटेन' ऐसी पुस्तकों में से एक है जो हमें देश के इतिहास के पुनर्लेखन के लिए मजबूर व प्रेरित करती हैं।

एल्स्ट एक और विद्वान हैं जिन्होंने मार्क्सवादी इतिहासकारों के कारण हुए भयंकर नुकसान की ओर हमारा ध्यान खींचा है। इन इतिहासकारों ने हिंदू स्मृति से 'इस्लाम के तलवारबाजों द्वारा अपने उत्पीड़न के इतिहास' को मिटाने का प्रयास किया है। एल्स्ट ने अपनी पुस्तक 'निगेशनिज्म इन इंडिया: कंसीलिंग द रिकार्ड आफ इस्लाम' में कहा है कि भारत में 'पूर्ण नकारवाद का अपना ब्रांड' है। उन्होंने लिखा, 'इस्लामवाद के समर्थकों तथा मार्क्सवादी अकादमीशियनों द्वारा समर्थित इस आंदोलन का अनुसरण उन सभी राजनेताओं, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने किया जो स्वयं को सेक्युलरवादी कहते हैं।'

इस आंदोलन को भारतीय राज्य द्वारा भी प्रोत्साहित किया गया। एल्स्ट ने कहा कि अंग्रेजी-शिक्षित वर्ग ने भारत की महान सभ्यता के नकार को एक फैशन स्टेटमेंट में बदल दिया है। गृह मंत्री अमित शाह भी यही कह रहे हैं।

व्यक्तिगत आयकर में कटौती की आवश्यकता

> "वर्तमान स्थिति को देखते हुए वित्त मंत्रालय वर्तमान आर्थिक गिरावट से निबटने के लिए करों में रियायत को प्रयोग महत्वपूर्ण हथियार के तौर पर कर सकता है।"

करण भसीन
(लेखक नीति शोधकर्ता हैं)

आर्थिक वृद्धि के अनुभवों से संकेत मिलता है कि ये चक्रों में होती है। कभी ये तेज होती है तो कभी मंद हो जाती है, जिसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। वृद्धि दर धीमी होने पर चक्रीय मंदी की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है। वर्तमान मंदी वास्तव में चक्रीय है और उसका संकेत पहली तिमाही के आंकड़ों से मिला जिसमें यह घटकर 5 प्रतिशत रह गई। चाहे कोई विश्वास करे या नहीं पर वृद्धि के 7.5, 7 या 6.5 प्रतिशत होने की संभावना नहीं है, क्योंकि एक वर्ष के भीतर उसमें 1.5 से 2.5 प्रतिवर्ष गिरावट की संभावना नहीं होती है। हालांकि, चक्रीय आयाम धीमा है लेकिन यह कुछ तिमाही पहले अनुमान के अनुसार नहीं है।

चक्रीय मंदी के समय हमें इससे निबटने की नीतियां लागू करनी चाहिए। ये नीतियां मौद्रिक या राजकोषीय हो सकती हैं। वर्तमान समय में हमें राजकोषीय नीति पर ध्यान देना चाहिए जिस पर सरकार गौर कर रही है। अब तक सक्रिय वित्तमंत्री ने समस्या से निबटने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने अनेक संकेत दिए हैं। मंत्रालय ने काफी संकेत दिए हैं कि वर्तमान समय में उसे राजकोषीय घाटे की इतनी चिंता नहीं है। तथ्य यह है कि वित्तमंत्री ने लगातार खर्च बढ़ाने प्रयास किए हैं जबकि राजस्व में कमी से संकेत मिलता है कि शायद ये समावेशी राजकोषीय नीति अपनाएं।

यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण होगा कि राजकोषीय घाटे का आंकलन सकल घरेलू उत्पाद प्रतिशत के रूप में किया जाता है। इसलिए, जब वृद्धि कम होती है और जीडीपी धीमी गति से बढ़ता है तब दरें भी कम होती हैं। इसके परिणामस्वरूप, यदि हम अपना खर्च घटाएं तो राजकोषीय घाटा 3.3 से 3.5 प्रतिशत रह सकता है। इसके साथ ही,

खर्च में कमी का जीडीपी पर नकारात्मक असर पड़ता है। हम खर्च घटा सकते हैं, लेकिन इससे वृद्धि दर और धीमी होगी तथा राजकोषीय घाटा बढ़ेगा। इसका अर्थ है कि सर्वाधिक व्यावहारिक नीति खर्च को पहले की तरह बनाए रखना तथा उसमें कमी आने से रोकना है। इसका वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और यदि राजकोषीय घाटा अधिक होता है तो वृद्धि दर बढ़ने के बाद हम अगले दो वर्षों में उसे पुन: ठीक करने के रास्ते पर आ सकते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं कि वास्तव में राजकोषीय घाटे का अपनेआप में इस समय कोई अर्थ नहीं है। हम समष्टि समझदारी पर पुन: विचार कर सकते हैं, लेकिन यह फिलहाल चर्चा के लिए उपयुक्त नहीं है।

कारपोरेट करों में कटौती एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है जिसकी मध्यकालीन अवधि में ढांचागत भूमिका है। इससे प्रभावी रूप से विदेशी राजस्व आ सकता है और अल्पकालीन रूप से यह अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक है। इन सबसे स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार मौजूदा मंदी से निबटने के लिए उचित नीतिगत उपाय कर रही है। इन उपायों का पूरा प्रभाव देखने में अभी समय लगेगा और इसे अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही स्पष्ट रूप से देखा जा सकेगा। लेकिन, कुल मिलाकर हम आर्थिक सुधार के रास्ते पर हैं।

वित्त मंत्रालय में एक अन्य महत्वपूर्ण उपाय पर चर्चा हो रही है। क्या हम व्यक्तिगत आयकर में इस समय कटौती कर सकते हैं जो वर्तमान आर्थिक मंदी से निबटने में कारगर हो सकता है। लेकिन, अनेक अन्य कारणों से व्यक्तिगत आयकर में इस समय कटौती से मंदी पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, जल्द ही, प्रत्यक्ष कर संहिता का क्रियान्वयन होना है। इसलिए, कर घटाकर अनिश्चितता पैदा होगी, जबकि कर ढांचे का प्रस्ताव डीटीसी के अंतर्गत आएगा।

2014 से, व्यक्तिगत आयकर से प्राप्त राजस्व वार्षिक 12.36 प्रतिशत की दर से बढ़ा है तथा 2016 के बाद इसमें 15.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। निस्संदेह, कर भुगतान की संख्या बढ़ी है तथा कर देने वालों की संख्या में वृद्धि के साथी करों की दरों में काफी कमी भी की गई है। लेकिन, हाशिए की कर दरों में वृद्धि हुई है। तथ्य यह है कि अमीरों व अत्यधिक अमीरों पर सरचार्ज लगाया गया था जिससे स्पष्ट है कि कर संरचना को तर्कसंगत बनाने की आवश्यकता है ताकि करों का समुचित भुगतान सुनिश्चित हो सके।

कारपोरेट टैक्स में कटौती के समय सरकार ने स्वीकार किया है कि कम दर होने पर भुगतान अधिक होता है। इससे अगले कुछ वर्षों में अधिक राजस्व प्राप्त हो सकता है। यदि व्यक्तिगत आयकर के मामले में भी यही तर्क लागू किया जाए तो अच्छा होगा। अब तक हमने उच्च कर दरों में थोड़ी प्राप्ति सुनिश्चित की है, मगर कर संरचना बहुत जटिल है। यदि कम आयकर व्यवस्था का अनुपालन सरल टैक्स संरचना में बढ़ता है तो यह आर्थिक वृद्धि को यथार्थ में बदल सकता है।

आप की बात

धार्मिक असहिष्णुता

कई वर्षों से देखने में आ रहा है कि धर्म विशेष पर आतंकवाद की संज्ञा दी जा रही है । तथाकथित यह केवल धर्म को अपमानित करती है। आज से कुछ वर्ष पहले कांग्रेस के कई नेताओं ने भगवा और आरएसएस को आतंकवाद ही शर्मनाक शब्द से लबरेज किया। लेकिन इन नेताओं के बोल कब कहाँ जाए और कितना सलज्जता पूर्ण है ये सबको मालूम है। कुछ दिनों पूर्व श्रीलंका में हुए बमधमाके के बाद वहां बुर्के पर प्रतिबंध लगा दिया गया इसका त्तपर्य केवल बढ़ रहे अपराध पर प्रतिबंध लगाना था ना कि धर्म विशेष को अपमानित करना ठीक उसी तरह आज हिन्दू नेता कमलेश तिवारी की गला भगवा वस्त्र धारण कर के रेत दी गई जो धर्म को आतंकवाद की संज्ञा और स्वधर्म के प्रति जहर घोलना था। ऐसी करतूतों को सरकार को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दिन प्रतिदिन लगातार हत्याएं हो रही हैं। क्या इसे ही अच्छे दिन कहे जाए! आज बच्ची कल जवान , बूढ़े , महिलाएं अपितु कोई अछूता नहीं रह गया है। जो सरकारी तंत्र की विफलता और नाकामी को दर्शाती है। सरकार का काबू ना हो पाना अपराधी के मनोबल को बढ़ावा देती है। सरकार जल्द स्थिति में सुधार लाए।

– **मंकेश्वर महाराज**, मधेपुरा

सुन्नी वक्फ बोर्ड की चाल

राममंदिर पर शीर्ष अदालत का निर्णय आने वाला है। यदि वह मंदिर के पक्ष में हुआ तो उसे सुन्नी वक्फ बोर्ड आसानी से मान लेगा, इसकी सम्भावना कम ही है। इस बात की ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। पूर्व में भी इस प्रकार के मामले में ऐसा हुआ है, वह याद दिला रहा हूं। वाराणसी के दोषिपुरा इलाके में शियाओं का एक कब्रिस्तान है । वहां 1878 में दो सुन्नियों की कब्र बना दी गईं। शियाओं ने कोर्ट में चुनौती दी। लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीमकोर्ट तक शिया लोग केस जीत चुके हैं। उच्चतम न्यायालय ने 1983 में उनके पक्ष में निर्णय दिया। उसमे कहा गया कि सुन्नी पक्ष अपनी कब्रें वहां से हटाए। मगर आज तक सुन्नी पक्ष टालमटोल कर रहा है। 2016 में शियाओं ने पुन: कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुन्नी पक्ष का कहना है कि यदि कब्रें स्थानांतरित करने की कोशिश हुई तो कानून-व्यवस्था बिगड़ जाएगी। 2016 में सूबे की अखिलेश यादव सरकार ने सुन्नी पक्ष की हां में हां मिलाई और कहा कि फैसले के कार्यावयन को टाल दिया जाए। उस समय पूर्व न्यायाधीश मार्कंडेय काटजू ने भी उक्त निर्णय को क्रियान्वयन में असंभव बताकर सुन्नीपक्ष का साथ दिया। अब पीड़ित पक्ष पुन: अदालत की शरण में है।

– **अजय मित्तल**, मेरठ

पराली जलाने की समस्या

हमारे देश में हर साल अक्टूबर के महिने में बड़े पूँजीपतियों और कार लॉबी द्वारा अधिकतर पोषित पालतू दृश्य और प्रिंट मिडिया द्वारा हरियाणा और पंजाब में गरीब किसानों द्वारा पराली जलाने से प्रदूषण का हौवा खड़ा किया जाता है। जैसे हर साल वर्षा के दिनों में बाढ़ का ,गरमी के दिनों में सूखे और पेय जल की ,जाड़े में ठंड से ठिठुर कर मरने वालों के लिए रैनबसेरों की ,भूख से भात-भात करते-करते मरने पर सभी की भोजन की व्यवस्था की और अस्पतालों में ऑक्सीजन और दवा के अभाव में हजारों बच्चों के मरने पर ऑक्सीजन और दवाइयों की आपूर्ति पर कमीशनखोरों आदि-आदि पर खूब लेख ,सम्पादकीय लिखे जाते हैं। टेलिविजन में चार-छ: दिन गर्मागर्म बहसें होतीं दिखतीं हैं ,फिर सब कुछ बिल्कुल शान्त और देश और उसके सिस्टम की गाड़ी अपने उसी पुराने सामान्य और मंथर गति से फिर चलने लगती है । यही हमारी हमारे समाज की की फितरत है। वास्तव में हम हमारा समाज और हमारी सरकारों के कर्णधार इन समस्याओं के चिरस्थाई समाधान चाहते ही नहीं हैं।

– **निर्मल के शर्मा**, गाजियाबाद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

हम आतंकी शिविरों को पूर्णत: नष्ट कर देंगे। यदि पाकिस्तान अपनी आदत नहीं बदलता है तो हम उसके क्षेत्र में और भीतर जाएंगे।

– **सत्य पाल मलिक**
जम्मू कश्मीर के राज्यपाल

चीन दुनिया का एकमात्र बड़ा देश है जिसने अभी पूर्ण रक्षा एकीकरण नहीं किया है। इसके बाद कोई शक्ति हमें नहीं रोक सकेगी।

– **जनरल वेई फेंगही**
चीन के रक्षा मंत्री

व्यक्तिगत रूप से सावरकर की विचारधारा में मेरा विश्वास नहीं है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वे महान व्यक्ति नहीं थे।

– **अभिषेक मनु सिंघवी**
कांग्रेस नेता

मत्स्य पालक कल्याण कोष के लिए 25 करोड़ का बजट

कैबिनेट के फैसले

उप्र मत्स्य विकास एवं नियंत्रण नियमावली 2019 मंजूर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार ने मत्स्य पालक कल्याण कोष की स्थापना व उसके कार्यान्वयन के लिए उप्र मत्स्य विकास एवं नियंत्रण नियमावली 2019 को मंजूर कर लिया है। बीजेपी ने 2017 के अपने घोषणा पत्र में मत्स्य पालन को बढ़ावा दिए जाने एवं उससे जुड़े लोगों के कल्याण के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप यह निर्णय लिया था। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2019-20 में उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के व्यापक संचालन के लिए 25 करोड़ रुपये का बजट प्राविधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष का उद्देश्य मत्स्य पालकों के कल्याण एवं विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। यह कोष राज्य के समस्त जिलों के मत्स्य पालकों और मछुआरों के लिए संचालित होगा। इसके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्यों का सम्पादन मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश मत्स्य जीवी सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। कोष का मुख्यालय मत्स्य निदेशालय लखनऊ में होगा। कोष के माध्यम से मत्स्य पालक, मछुआरा बाहुल्य ग्रामों में सामुदायिक भवन सहित अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्थापना की जाएगी। दैवीय आपदा से हुई किसी क्षति की स्थिति में मत्स्य पालक, मछुआरा परिवार को वित्तीय सहायता का उपबन्ध किया जाएगा। केन्द्र सरकार से इतर उनके द्वारा नियत मानकों पर मछुआ आवास निर्माण के लिए सहायता दी जा सकेगी। मत्स्य पालक, मछुआ परिवारों की महिलाओं को सशक्त करना, मछली पकड़ने के जाल, उपकरणों की सुविधा की व्यवस्था करना और मछली विक्रय के लिए मोपेड आइस बाक्स आदि उपलब्ध कराना भी कोष के उद्देश्यों में शामिल हैं। कोष के माध्यम से मत्स्य सम्बन्धी अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक बैंक ऋ ण, मत्स्य पालक क्रेडिट कार्ड के लिए ब्याज पर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मत्स्य पालक कल्याण कोष की व्यवस्था और उसका संचालन कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित की जाने वाली प्रबन्ध समिति द्वारा किया जाएगा। कोष के समुचित अनुरक्षण के लिए मत्स्य निदेशालय में एक इकाई स्थापित की जाएगी।

स्तरीय अभियंत्रण संस्थाओं के शिक्षकों के वेतनमानों को पुनरीक्षित करने का निर्णय

लखनऊ। मंत्रिपरिषद ने प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत शासकीय सहायता प्राप्त डिग्री स्तरीय अभियंत्रण संस्थाओं के शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियों के आधार पर वेतनमानों को पुनरीक्षित किए जाने का निर्णय लिया है। प्राविधिक शिक्षा विभाग के नियंत्रणाधीन प्राविधिक विश्वविद्यालयों डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि लखनऊ, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि गोरखपुर तथा हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विवि कानपुर के कुलपतियों को उनके वेतन 210000 रुपये के साथ विशेष भत्ता 5000 रुपये प्रतिमाह इस शर्त के साथ दिया जाएगा कि उनके वेतन पर आने वाला व्ययभार यह विश्वविद्यालय स्वयं वहन करेंगे। 1 मार्च 2019 द्वारा प्राविधानित व्यवस्था के अन्तर्गत प्राविधिक शिक्षा विभाग के नियंत्रणाधीन स्वायत्तशासी शासकीय अनुदानित डिग्री अभियंत्रण संस्थान के पूर्णकालिक शिक्षकों को सातवें वेतनमान की संस्तुतियों का लाभ दिया जाना है। शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों को शासन स्तर से वेतन मद में कतिपय धनराशि उपलब्ध करायी जाती है तथा प्रतिवर्ष वेतन मद में लगभग 10 से 15 प्रतिशत तक वृद्धि की जाती है। शासन स्तर से वेतन मद में दी जाने वाली धनराशि के अतिरिक्त इन संस्थानों द्वारा अपने स्रोतों से होने वाली आय से भी शिक्षकों को वेतन आदि दिया जाएगा। 1 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2019 तक की अवधि का शिक्षकों के एरियर का 50 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा दिया जाएगा तथा 3 तकनीकी विवि में कार्यरत कुलपतिगण के वेतन पर आने वाला व्यय इन विवि द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा। पुनरीक्षित वेतनमान 1 जनवरी 2016 से लागू माने जाएंगे। इसके अलावा मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश विधान सभा एवं विधान परिषद के वर्तमान सत्र का सत्रावसान तात्कालिक प्रभाव से कराए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है।

कर्मचारी कल्याण निगम के प्रबंधन के लिए बनेगी समिति

लखनऊ। मंत्रिपरिषद द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के व्यवस्थापन के सम्बन्ध में वित्त मंत्री की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। यह समिति 15 दिन में अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा राज्य सरकार ने फि ल्म सांड की आंख को दर्शकों द्वारा प्रवेश के लिए देय राज्य माल और सेवा कर की समतुल्य धनराशि की प्रतिपूर्ति करने का प्रस्ताव पास किया है। फिल्म सांड की आंख बागपत के जोहर गांव की दो महिलाओं पर आधारित है जो ग्रामीण परिवेश में उन पर थोपे गये पुरुषवादी सामाजिक बन्धनों को तोड़कर लगभग 60 वर्ष की आयु में शूटिंग सीखती हैं तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनेक मेडल एवं पुरस्कार भी जीतती हैं। यह फिल्म समाज में महिलाओं के ऊपर लगायी गयी अतार्किक एवं अनावश्यक पाबन्दियों को तोड़कर उनके प्रदेश एवं देश में आगे बढ़ने की कहानी है।

एनजीटी के प्रस्ताव पर सोनभद्र में वनीकरण के लिए गैर वन भूमि का प्रस्ताव मंजूर

लखनऊ। राज्य सरकार ने सोनभद्र स्थित जेपी सीमेंट फैक्टरी के खनन क्षेत्र से आच्छादित वन भूमि के बदले राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेशों के अनुपालन में वनीकरण के लिए गैर वनभूमि 586.178 हेक्टेअर दिए जाने के प्रस्ताव को निरस्त करते हुए 470.304 हेक्टेअर गैर वन भूमि वनीकरण के लिए वन विभाग को दिये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मीरजापुर के सदर, चुनार, मड़िहान एवं लालगंज तहसील की गैर वनभूमि पुनर्ग्रहीत कर वनीकरण के लिए वन विभाग को दिये जाने का प्रस्ताव है। उक्त भूमि के सापेक्ष भूमि के मूल्य का चार गुना तथा मूल्य के अतिरिक्त मालगुजारी के 150 गुने के बराबर पूंजीकृत मूल्य, वार्षिक किराया तथा वृक्षारोपण एवं उसके 10 वर्ष तक अनुरक्षण पर आने वाला व्यय जेपी एसोसिएट्स द्वारा वहन किया जाएगा। इसके उपरान्त उक्त सीमेंट फैक्टरी के वर्तमान स्वामी अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा उत्पादन प्रारम्भ किया जा सकेगा। इस सीमेंट फैक्टरी यूनिट के संचालन से प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष कर के रूप में सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी वहीं हजारों की संख्या में युवाओं के लिए रोजगार सृजन की भी सम्भावना है। कैबिनेट बैठक में अमृत योजना के अन्तर्गत 2017-20 के लिए रायबरेली सीवरेज योजना फेज-3 की व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 18717.41 लाख रुपये के साथ-साथ जीएसटी के व्यय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। इससे नगर पालिका परिषद रायबरेली के निवासियों को सीवरेज की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। राज्य सरकार ने सरकार से सहायता प्राप्त उप्र प्राविधिक शिक्षा संस्था विनियमावली-1996 में चतुर्थ संशोधन किए जाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार सहायता प्राप्त उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा संस्था विनियमावली-1996 के विनियम-14-1 व 14-2 में संशोधन किया गया है। इसके फलस्वरूप संस्था की प्रबन्ध समिति का अध्यक्ष प्रधानाचार्य के पद पर भर्ती के लिए गठित चयन समिति का अध्यक्ष होगा। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के विस्तारीकरण, सुन्दरीकरण योजना के अन्तर्गत निर्मल मठ भवन संख्या सीके 34/45 लाहौरी टोला वाराणसी के क्रय, अर्जन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके अलावा राज्य सरकार ने उप्र भूतत्व एवं खनिकर्म समूह क एवं ख सेवा नियमावली 2019 को मंजूरी प्रदान कर दी है। उक्त नियमावली 2019 के प्रख्यापित होने के उपरान्त समूह क एवं ख के पदों की सेवा शर्तों को वर्तमान कार्मिक नीति के अनुसार विनियमित किया जा सकेगा। यह नियमावली गजट में प्रकाशन की तिथि से तात्कालिक प्रभाव से लागू होगी। प्रस्तावित सेवा नियमावली में निदेशक के पद को राज्य सरकार से प्रतिनियुक्ति द्वारा भरे जाने और ऐसा न हो पाने की स्थिति में उसे विभागीय अधिकारियों से नियमावली में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भरे जाने का प्राविधान किया गया है।

यूपी पुलिस के पीतल के खाली खोखा कारतूस की नीलामी व्यवस्था समाप्त

लखनऊ। राज्य सरकार ने उप्र पुलिस विभाग के म्यूटिलेटेड पीतल के खाली खोखा कारतूस की प्रचलित नीलामी व्यवस्था को समाप्त कर एमएसटीसी लिमिटेड से कराए जाने का निर्णय लिया है। एमएसटीसी में लगभग 70000 खरीददार रजिस्टर्ड हैं जिसके द्वारा सीआरपीएफ , बीएसएफ , चेन्नई पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस के वाहनों, निष्प्रयोज्य वस्तुओं एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों की निष्प्रयोज्य वस्तुओं की नीलामी भी की जाती है। नीलामी की पूर्ण कार्यवाही ऑनलाइन होने के कारण यह पारदर्शी है तथा बिक्री, नीलामी की प्रथम बार 15 दिवस के अन्दर नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाती है। न्यूनतम मूल्य न मिलने पर आगे एक सप्ताह में दोबारा नीलामी की कार्यवाही की जाती है जिसके कारण न्यूनतम समय में नीलामी सम्भव है। नवीन प्रणाली में वर्तमान प्रचलित व्यवस्था की तुलना में अधिक राजस्व की प्राप्ति सम्भावित है।

पांच ट्रिलियन अर्थव्यस्था का लक्ष्य यूपी के बिना पूरा नहीं हो सकता

- यूपी का जीडीपी ग्रोथ राष्ट्रीय औसत से ज्यादा:वित्त आयोग
- सतत विकास के रोडमैप को लेकर आयोग ने जताई संतुष्टि, कहा कि वाराणसी जैसा कार्य अन्य स्थानों पर भी होना चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

15वें आयोग ने यह माना कि देश की पांच ट्रिलियन अर्थ व्यवस्था को पाने के लिए उप्र की अर्थ व्यवस्था को एक ट्रिलियन करना ही पड़ेगा बिना यूपी के साथ लिए पांच ट्रिलियन का लक्ष्य भेद पाना मुश्किल है। आयोग के चेयरमैन एनके सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उप्र की जीडीपी राष्ट्रीय औसत जीडीपी से बेहतर हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि इसे और बेहतर बनाते हुए यूपी इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा उदय योजना को लेकर आयोग उप्र के प्रयास से संतुष्ट नहीं दिखा, आयोग के अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि उदय योजना की जो शर्तें थीं वह उप्र पूरी नहीं कर पा रहा है और लाइन लास कम नहीं हो रहा है लेकिन राज्य सरकार ने अगले दो साल की जो कार्य योजना दी है उसके जरिए भरोसा दिया है कि वह उदय योजना की शर्तों को पूरा कर लेगा।

चेयरमैन एनके सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश का जीडीपी ग्रोथ राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश का माहौल अच्छा है। उत्तर प्रदेश के पास आगे का रोड मैप है, यूपी का वित्तीय संचालन सही है। उन्होंने कहा कि सतत विकास के कई ऐसे गोल हैं, जिस पर आज बैठक के दौरान चर्चा हुई है। उन गोल को पूरा करने में उत्तर प्रदेश के पास जो रोड मैप है उससे आयोग संतुष्ट है। एनके सिंह ने वाराणसी में हुए कामों की सराहना करते हुए कहा कि वाराणसी जैसा कार्य अन्य स्थानों पर भी होना चाहिए। यूपी में टूरिज्म की अपार संभावनाएं है। एनके सिंह ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र को लेकर लगातार चर्चा होती रही है। ऊर्जा के क्षेत्र में लॉस और कर्ज बढ़ा है। जिसको लेकर 15वां वित्त आयोग उम्मीद करता है कि आने वाले वक्त में सबकुछ ठीक हो जाएगा। एनके सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के लक्ष्य के लिए यूपी की 1 ट्रिलियन इकोनॉमी बनना जरूरी है। आयोग हर तरह से उत्तर प्रदेश को सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि जिले के अस्पतालों को मेडिकल कॉलेजों की तर्ज पर विकसित करना होगा। नर्सेस और पैरामेडिकल की ट्रेनिंग के लिए सहयोग करने को लेकर आयोग विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रीप्राइमरी एजुकेशन को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री गंभीर हैं। उत्तर प्रदेश में चुनौतियां के साथ साथ अपार संभावनाएं भी हैं। कृषि क्षेत्र में आयोग का विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश में आयोग की यात्रा आयोग के दृष्टिकोण से सिद्ध होगी। राज्य सरकार ने जो आज प्रस्तुतीकरण दिया है उससे लगता है कि वह जल्द ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे आयोग से पूरी तरह संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि उदय योजना को लेकर राज्य सरकार ने मानक पूरे नहीं किए हैं लेकिन सरकार ने इस बात का आश्वासन दिया है कि अगले दो साल में उन कमियों को पूरा कर लिया जाएगा। ऊर्जा के क्षेत्र में ट्रांसमिशन लॉस 11000 करोड़ से बढ़कर 18000 करोड़ पहुंच गया है। इस दौरान अशोक मेहता सचिव वित्त आयोग, अजय नारायण झा पूर्व वित्त सचिव भारत सरकार सदस्य, अनूप सिंह सदस्य भी मौजूद रहे।

सिंचाई प्रणाली में वैकल्पिक ऊर्जा उपयोगी: महेन्द्र सिंह

- सौर ऊर्जा व जल प्रबंधन से संबंधित 19 कंपनियों ने दिया प्रस्तुतीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जलशक्ति मंत्री डा. महेन्द्र सिंह ने कहा है कि वैकल्पिक ऊर्जा के माध्यम से सिंचाई विभाग की विभिन्न सिंचाई प्रणालियों जैसे नलकूप, नहरें, लिफ्ट इरीगेशन, जलाशयों, बंधों आदि को कैसे संचालित किया जा सकता है, इसको लेकर देश विदेश की लगभग 33 कंपनियां दो दिन तक अपना प्रस्तुतीकरण देकर प्रदेश के सिंचाई विभाग के लिए वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। इनके सहयोग से उत्तर प्रदेश को सौर ऊर्जा के मामले में देश का नम्बर 1 प्रदेश बनाने में मदद मिलेगी। यह बात जलशक्ति मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह ने यह बात मंगलवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया परिकल्प भवन तेलीबाग के सभागार में सौरजनित हरित ऊर्जा का सिंचाई विभाग की विभिन्न नहर प्रणालियों, राजकीय नलकूपों, खाली जमीनों का उपयोग कर निजी क्षेत्र के सहयोग से सौर ऊर्जा उत्पादन, परिचालन व उपयोग में भागीदारी के माध्यम से उपयोगी जल सिंचाई प्रबन्धन विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी के शुभारम्भ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

डॉ. महेन्द्र सिंह ने उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों को रेखांकित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश बड़े भू-भाग वाला प्रदेश होने के साथ ही यहां लम्बे समय तक सूरज का प्रकाश बना रहता है, जिसका उपयोग करके सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यहां पर लाखों किलोमीटर लम्बाई में नहरें तथा अन्य सिंचाई प्रणालियां है। इसके अलावा बड़े जलाशय, विशाल भूमि बैंक, बड़े बांध, जलाशय, नहरें आदि में सौर ऊर्जा का प्रयोग कर, इन्हें चलाया और सौर ऊर्जा बनायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि ड्रिप व स्प्रिंकलर इरीगेशन में इसका उपयोग करके कम पानी खपत से ज्यादा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

इस मौके पर जलशक्ति राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने सौर ऊर्जा के माध्यम से क्रांति लाने का सुझाव देते हुए कहा कि इसको अपनाने से प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी और प्रदेश खुशहाली की ओर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग की जमीनों से अवैध कब्जे को हटाकर सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग में लाया जाय। मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार केवी राजू तथा विशेष सचिव सिंचाई डॉ. सारिका मोहन ने इस संगोष्ठी की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जन्मदिन पर गृहमंत्री को योगी ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज फोन करके केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। अपने संदेश में सीएम ने गृहमंत्री को उनके स्वस्थ्य, दीर्घायु तथा सक्रिय जीवन की कामना की है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक राज्यमंत्रिपरिषद की बैठक से पहले सुबह करीब आठ बजे सीएम योगी ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन किया और जन्मदिन की बधाई दी। दोनों नेताओं में पांच से सात मिनट बात हुई। इस दौरान श्री शाह ने विधानसभा उपचुनाव के बारे में भी सीएम से जानकारी ली।

विशेष सत्र की 'पटकथा' से रूबरू होंगे राष्ट्रपति और पीएम

- तैयार हो रही संसदीय कार्यवाही की किताब, देश-दुनिया के मंच पर रखने की सीएम योगी की योजना

कमल दुबे। लखनऊ

यूपी विधानसभा के विशेष सत्र में विधानमंडल के दोनों सदनों में संसदीय कार्रवाई की लिखी गई पटकथा से राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तथा पीएम नरेन्द्र मोदी रुबरू होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ संसदीय कार्यवाही की खूबसूरत किताब तैयार करा रहे हैं, जिसे वह अगले महीने दिल्ली जाकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को देंगे। विधानमंडल की विशेष सत्र की संसदीय कार्यवाही की पटकथा सौंपने के अपने प्लान से सीएम योगी ने देश की दोनों दिग्गजों हस्तियों को अवगत करा दिया है।

सीएम के निर्देश पर अपर मुख्यसचिव अवनीश अवस्थी की देखरेख में विधानमंडल का संसदीय विभाग विशेष सत्र की पटकथा को लिखने के काम में जुटा है। दीपावली से पहले उसे पूरी पटकथा को लिखकर सूचना विभाग के सौंपना है। सूचना विभाग इसका संपादन करके किताब का रूप देगा। पूरी पटकथा तैयार होने के बाद सीएम योगी दीपावली के बाद दिल्ली जाकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित अन्य केन्द्रीय नेताओं को इसे सौंपेंगे। सूत्रों की मानें तो केन्द्रीय नेताओं के अलावा दूसरे राज्यों तथा डिफेन्स एक्सपो में आने वाले मेहमानों को भी इस किताब से अवगत कराया जाएगा। विदित हो कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर योगी सरकार ने विधान मंडल का विशेष सत्र रखा था। दो अक्टूबर को आहूत इस सत्र को लगातार 36 घंटे से ज्यादा समय तक चलाकर यूपी सरकार ने गीनिज बुक मे अनूठा रिकार्ड दर्ज कराया है। सत्र का विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया था जबकि सत्ता पक्ष सहित कई अन्य सदस्य इस विशेष सत्र का हिस्सा बने थे। सत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ में स्वीकार किये गये विकास के तरह बिन्दुओं में से 12 बिन्दुओं को राज्य में लागू किये जाने का अहम फैसला लिया गया था। अपने तरह की इस अद्भुत सदन को योगी सरकार देश-दुनिया के मंच पर रखना चाहती है। अपनी इसी मंशा को आकार देने के लिये पूरी कार्यवाही की पटकथा को तैयार कराया जा रहा है। सीएम इस पटकथा को राष्ट्रपति और पीएम को सौंपकर अपने मिशन को आगे बढ़ायेंगे।

मिट्टी के दीयों पर नहीं वसूला जाए बाजार शुल्क:मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देश दिए हैं कि दीपावली के अवसर पर स्थानीय बाजारों में बेचे जाने वाले हाथ से बने मिट्टी के दीयों पर किसी भी प्रकार का बाजार शुल्क अथवा बाजारी शुल्क की वसूली किये जाने पर सम्बन्धित कर्मियों की जिम्मेदारी नियत कर कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्य सचिव ने यह निर्देश प्रमुख सचिव नगर विकास एवं पंचायती राज विभाग को दिए हैं। उन्होंने निर्देश में कहा है कि दीपावली के पर्व पर स्थानीय बाजारों में मिट्टी के दीयों की बिक्री पर बाजार शुल्क अथवा बाजारी शुल्क न वसूले जाने के सम्बन्ध में पृथक से निर्देश निर्गत करते हुए कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीपकों के ज्यादा से ज्यादा उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए।

डबल इंजन की सरकार से प्रदेश का हुआ चहुंमुखी विकास:भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की योगी सरकार के विकास कार्यो की 15 वें वित्त आयोग द्वारा की गई सराहना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन की सरकार से प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर कार्य हुआ है। 15 वें वित्त आयोग ने कई प्रदेशों के दौरे के बाद उत्तर प्रदेश के 3 दिवसीय दौरे के बाद जिस तरह सराहना की वह योगी सरकार के विकास कार्यों की प्रमाणिकता पर एक मजबूत मोहर है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने प्रदेश की विकास दर को बेहतर बताया तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए तथा शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता के लिए किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की गतिशीलता एवं लोककल्याणकारी नीतियों के पारदर्शी क्रियान्वयन से सरकार की कार्यकुशलता एवं सबका साथ-सबका विकास की नीति पर चलते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास की सोच को दर्शाता है। प्रदेश प्रवक्ता ने वित्त आयोग के अध्यक्ष के द्वारा देश की 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के लिए उत्तर प्रदेश की 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के योगदान को जरूरी बताया, जिसको लेकर विगत कई माह से योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में सरकार मिशन मोड पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार द्वारा बन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की योजना, निर्यात को प्रोत्साहनए पर्यटन को बढ़ावा, उद्योगों का विकास, डिफेंस कारीडोर, कृषि क्षेत्र को समृद्ध किए जाने की दिशा में किये जा रहे कार्य अत्यन्त सराहनीय कदम है।

मेमोरेन्डम के कई बिन्दुओं पर केन्द्र को आपत्ति

- आपदा राहत विभाग आपत्तियों को दूर करने की कवायद में जुटा, जल्द भेजी जाएगी संशोधित रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने बाढ़ से साढ़े आठ अरब से ज्यादा के नुकसान का मांगा था विशेष राहत पैकेज

सूबे बाढ़ से नुकसान को लेकर योगी सरकार के आकलन पर केन्द्र ने सवाल उठाये हैं तथा कई बिन्दुओं पर जवाब मांगा है। साढ़े आठ अरब से अधिक के विशेष राहत पैकेज की रिपोर्ट में सबसे अधिक पौने पांच अरब की फसल का नुकसान होने की बात कही गई है जबकि लगभग दो सौ करोड़ का नुकसान सार्वजनिक सम्पत्तियों को हुआ है। केन्द्र सरकार को सार्वजनिक सम्पत्तियों सहित रिपोर्ट के कई अन्य बिन्दुओं पर आपत्ति है।

विशेष राहत पैकेज पर केन्द्रीय गृह मंत्रालय का पत्र आने के बाद आपदा राहत विभाग आपत्तियों को दूर करने की कवायद में जुट गया है। अधिकारियों का कहना है कि अगले दो तीन दिनों में केन्द्र सरकार को संशोधित रिपोर्ट भेजी जाएगी ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द नुकसान की भरपाई जा सके। बीते दिनों प्रदेश में आयी बाढ़ ने राज्य की 27 जिलों में भारी तबाही मचायी थी। इन जिलों के लगभग तेरह सौ गांवों की साढ़े सात लाख परिवार बाढ़ से प्रभावित हुये थे। पीड़ित परिवारों को नुकसान की भरपाई के लिये सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने 833.29 करोड़ के विशेष राहत पैकेज के लिये केन्द्र सरकार को मेमोरेन्डम भेजा था। मेमोरेन्डम में लघु एवं सीमांत किसानों को फसल के नुकसान की भरपाई के लिये छह सौ करोड़ की धनराशि का प्रावधान किया गया था जबकि पीड़ित परिवारों के मकानों को हुये नुकसान की भरपाई के लिये 18.76 करोड़ की धनराशि केन्द्र सरकार से मांगी गई थी। इसके अलावा मवेशियों को हुये नुकसान के लिये 53.54 लाख, सार्वजनिक सम्पत्तियों के नुकसान के लिये 190.51 करोड़ की धनरायि मांगी गई थी। राज्य सरकार द्वारा बाढ़ से हुये नुकसान के कई बिन्दु ऐसे हैं, जो आपदा मोचक निधि में निर्धारित मानकों के दायरे में नहीं आते हैं लेकिन राज्य सरकार ने इन्हें नुकसान में जोड़ा है। इन्हीं बिन्दुओं पर केन्द्र से स्पष्टीकरण मांगा है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि आपत्तियों के दूर होने के बाद केन्द्र सरकार की टीम यहां आकर नुकसान का मौके पर सत्यापन करेगी और केन्द्रीय टीम की रिपोर्ट के आधार पर बाढ़ पीड़ितों को मिलने वाली धनराशि का निर्धारण होगा।

बाजारों, सर्राफा की दुकानों व शापिंग माल में बरती जाए विशेष सतर्कता

- डीजीपी ने धनतेरस व दीपावली त्योहार सकुशल संपन्न करने के लिए पुलिस अफसरों को दिए दिशा-निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

धनतेरस और दीपावली त्यौहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस अफसरों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि विशेष रूप से बाजरों, सर्राफा की दुकानों, शापिंग माल और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में विशेष सतर्कता बरती जाए। इस संबंध में डीजीपी ने सभी जिलों के पुलिस कप्तानों, रेंज के आईजी, डीआईजी, जोन के एडीजी, आईजी और रेलवे पुलिस के अफसरों को परिपत्र जारी किया है। डीजीपी ने कहा है कि 25 अक्टूबर को धनतेरस और 27 अक्टूबर को दीपावली का त्यौहार मनाया जाएगा। त्यौहार के पूर्व बाजारों, सर्राफ ा की दुकानों, शापिंग मॉल तथा वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में विशेषरूप से भीड़-भाड़ रहना स्वाभाविक है। अत: ऐसे अवसर पर विशेष सतर्कता बरती जाए। अपराधियों-असामाजिक तत्वों द्वारा भीड़-भाड़ वाले स्थानों में प्रवेश कर चोरी,लूट, स्नैचिंग आदि तथा ट्रेनों में जहरखुरानी, छिनैती चोरी आदि जैसी अपराधिक घटनाएं कारित करने में पूर्व में संलिप्त अपराधियों का गैंग चार्ट व गैंग नोट अपडेट कर लिया जाए। बीते पांच सालों में इस प्रकार की घटनाओं में प्रकाश में आए अभियुक्तों की वर्तमान गतिविधियों के विषय में गहनता से जानकारी कर कार्रवाई की जाए। स्थानीय स्तर पर व्यापारियों एवं उनके शिष्टमण्डल के साथ बैठकें कर उनकी समस्याओं का सुनकर परिस्थिति अनुरूप बाजारों की सुरक्षा के सम्बन्ध में योजना तैयार कर ली जाए।

प्रियंका ने महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध पर उप्र सरकार को घेरा

एजेंसी। रायबरेली (उप्र)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि यह बहुत ही शर्मनाक है कि पूरे देश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों वाली सूची के राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर है और मुख्यमंत्री को इस बारे में कुछ करना चाहिएं।

प्रियंका अपनी मां सोनिया गांधी के लोकसभा क्षेत्र रायबरेली में नवनियुक्ति पार्टी पदाधिकारियों की तीन दिवसीय कार्यशाला में शामिल होने आज शाम यहां पहुंची। कांग्रेस महासचिव ने पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में उप्र में खराब कानून व्यवस्था की बात कही। उन्होंने कहा यह बहुत ही शर्मनाक है कि पूरे देश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों वाली सूची के राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर है, मुख्यमंत्री को इस बारे में कुछ करना चाहिएं।

इसके पहले उन्होंने मंगलवार सुबह ट्वीट कर कहा था कि पूरे देश में महिलाओं पर सर्वाधिक अपराध उत्तर प्रदेश में हो रहे हैं। एक साल में 56,000 से ज़्यादा और इसमें वो घटनाएँ शामिल भी नहीं है जिनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। क्या ए आँकड़ा इतना भी गंभीर नहीं कि मुख्यमंत्री जी इसका संज्ञान लेते?

प्रियंका गांधी के इस ट्वीट के जवाब में प्रदेश सरकार के मंत्री और प्रवक्ता सिद्धार्थ नाथ सिंह ने मंगलवार शाम यहां जारी एक बयान में कहा कि विपक्ष द्वारा एन0सी0आर0बी0 2017 के अपराध आंकड़ें जनता के मध्य जिस प्रकार से प्रस्तुत किए जा रहे हैं, वह तोड़-मरोड़ कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष, विशेष तौर पर प्रियंका गांधी वाड्रा बिना समुचित अध्ययन किए राजनैतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रही हैं। सिंह ने कहा कि एन0सी0आर0बी0 के आंकड़ों को समझने के लिए जनसंख्या के आधार पर अनुपात निकाला जाना चाहिए। सिंह ने कहा कि जिन प्रदेशों कि जनसंख्या अधिक है वहां पर अपराध भी अधिक घटित व पंजीकृत होते हैं। अपराध की स्थिति समझने के लिए क्राइम रेट एक अच्छा एवं विश्वसनीय संकेतक है। एन0सी0आर0बी0 के मुताबिक क्राइम रेट को प्रति एक लाख जनसंख्या के सापेक्ष अपराधों की संख्या के रूप में परिभाषित अपराध दर (क्राइम रेट) एक सार्वभौमिक वास्तविक संकेतक है। यह राज्य के आकार और जनसंख्या में वृद्धि के प्रभाव को संतुलित करता है अर्थात जिस प्रदेश में जनसंख्या अधिक होगी, वहां अपराध की संख्या भी अधिक होगी।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि इस प्रकार क्राइम रेट ही अपराधों की सही स्थिति समझने के लिए वास्तविक संकेतक है।

भोपाल में बदलते मप्र में डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में बोलते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह

क्षत्रिय महासभा की शोकसभा आयोजित

ललितपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की एक बैठक शोक सभा के रूप में कार्यलय में सम्पन्न हुई। शोक सभा मे अरविंद सिंह चौहान शिक्षक महरौनी की छोटी बहिन के आकस्मिक निधन एवं युवा होनहार राजपाल सिंह परमार बगौनी (मड़ावरा) के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक सभा में मुन्ना सिंह चौहान, बृजेन्द्र सिंह परमार, रामकृपाल सिंह बैस, जयहिंद सिंह परमार, भगबत सिंह बैस, भूपेंद्र सिंह तोमर, बॉबी राजा, भरत सिंह चौहान, राघवेंद्र सिंह बघेल, राजेन्द्र सिंह, महिपाल सिंह, पप्पू राजा, नारायण सिंह सेंगर, भोले राजा, शेर सिंह, रजऊ राजा, अमित परमार, अजय राजा, प्रदीप सिंह, अभय प्रताप सिंह, राजपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, गुडडे राजा, अरबिंद सिंह बुन्देला, रविन्द्र सिंह बुन्देला, अजय प्रताप सिंह, अजित सिंह, चाली राजा, राजू राजा, राघव राजा आदि उपस्थित रहे।

हाईवा-ट्रैक्टर की जोरदार भिड़न्त

- आधा दर्जन लोग हुए घायल

संवाददाता। ललितपुर

सागर-ललितपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम मसौरा बैरियर के निकट बीती देर रात एक हाईवा ट्रक व ट्रैक्टर में जोरदार भिड़न्त हो गयी। इस घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गये। जबकि ट्रैक्टर टूटकर दो भागों में विभाजित हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जबकि मामले की जांच भी शुरू कर दी गयी। बताया गया है कि रात करीब एक बजे आयशर ट्रैक्टर में सवार ग्राम बारचौन के ग्रामीण अपने गांव के लिए जा रहे थे।

तभी सागर की ओर से आ रहे हाईवा क्रमांक एम.एच.04 जे.के. 4498 से ट्रैक्टर की जोरदार भिड़न्त हो गयी। मसौरा बैरियर के निकट हुयी इस भीषण भिड़न्त में जहां एक ओर ट्रैक्टर बीच से टूटकर दो भागों में विभाजित हो गया, तो वहीं ट्रैक्टर में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गयी।

हाई-वे पर हुयी भीषण भिड़ंत का दृश्य

वहां से गुजर रहे राहगीरों ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायल हुये गोटेराम पुत्र जवाहर, रामसेवक यादव पुत्र गोपीलाल यादव, प्रेमलाल यादव पुत्र गोपीलाल यादव, सूरजसिंह पुत्र गोपीलाल यादव, शेर खां पुत्र लाल खां को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

बच्चों से कहें, पटाखे न फोड़ें जलाएं घी के दीप : रमेशचंद्र

- बच्चों ने लिया पटाखे न फोड़ने का संकल्प
- आचार्य विद्यासागर उ.मा.वि. मडावरा में आयोजन

पटाखे न फोड़ने का संकल्प लेते विद्यालय के बच्चे

ललितपुर। भगवान महावीर स्वामी के 2545 वें निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली के महापर्व पर होने वाली आतिशबाजी को रोकने के लिए बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। सर्वोदय अहिंसा अभियान जयपुर द्वारा बच्चों को जागरूक कर उन्हें आतिशबाजी से होने वाले दुष्परिणामों को बताकर आतिशबाजी न करने का संकल्प भी दिलाया जा रहा है। आचार्य विद्यासागर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मडावरा में करूणा केंद्र मडावरा के निर्देशक सेवानिवृत्त प्रवक्ता रमेशचंद्र जैन के निर्देशन में जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। उन्होंने विद्यालय के बच्चों को बताया कि आतिशबाजी के कारण उन मूक प्राणियों की हत्या हो जाती है जिन मूक प्राणियों ने हमें कुछ नुकसान भी नहीं पहुंचाया है।

आतिशबाजी के कारण निरीह पशु-पक्षियों की हिंसा हो जाती है। हमें उन मूक पशु-पक्षियों की रक्षार्थ दीपावली पर आतिशवाजी को नहीं चलाना है और पर्यावरण को सुरक्षित रखना है। हम सब मिलकर अहिंसा के कार्यों में सहभागी बने।जितने रूपयें हम आतिशबाजी में खर्च करते हैं उतने रूपये किसी गरीब को भोजन, कपडा आदि में दान दें तो हम एक नेक कार्य में सहभागी बन सकते हैं। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य चक्रेश जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री का संदेश स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत हम अपने गांव, घर, शहर, विद्यालय को स्वच्छ रखकर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनें। बच्चों को उन्होंने बताया कि हम बाजार जायें तो कपडे का थैला लेकर जाऐं जिससे हमारा पर्यावरण प्रदूषण भी न हो। पालीथिन हमारे पर्यावरण को दूषित कर रही है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने के लिए कपडे के थैलें का ही प्रयोग करें तो हमारा पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

केसी-950 आचार्य विद्यासागर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मडावरा के करूणा क्लब प्रभारी सुधेश खरे व महेश चंद्र जैन ने बताया कि करुणा इंटरनेशनल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को विद्यार्थी जीवन से मानवीय गुणों का विकास करना है। बच्चों को अहिंसा व जीवदया के प्रति प्रेरित करना है।

बच्चों को जागरूक भी किया जा रहा है कि वह दीपावली के पर्व पर हिंसा से दूर रहकर अहिंसा के कार्य में सहभागी बने। दीपोत्सव के महापर्व पर पटाखें न फोडकर घी के दीपक जलाकर खुशियाँ मनायें। सेवानिवृत्त प्रवक्ता रमेशचंद्र जैन ने बच्चों को संकल्प दिलाया गया कि दीपावली के महापर्व पर आतिशबाजी नहीं जलायेंगे। बच्चों ने संकल्प लिया कि हम इस दीपावली पटाखें न फोडकर घी के दीपक जलाकर खुशियाँ मनायेंगे। कार्यक्रम का संचालन महेशचंद्र जैन ने किया। इस दौरान प्रवक्ता रमेश चंद्र जैन, महेशचंद्र जैन, सुधेश खरे, धर्मेन्द्र सिंह, राजकुमार पाल, कु.आकांक्षा विश्वकर्मा, अर्चना विश्वकर्मा, सुवर्णा जैन, विशेष जैन, विनय कुमार जैन, कीर्ति सिंह, मानसिंह, करनलाल, गोरेलाल, जालम सिंह मौजूद रहे।

मतदाता सत्यापन का एडीएम ने किया निरीक्षण

ललितपुर। अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार मिश्र द्वारा तहसील तालबेहट में चल रहे मतदाता सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया गया। जिसमें 226 ललितपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत तहसील तालबेहट में कुल मतदाता 220388 के सापेक्ष 21 अक्टूबर 2019 तक 108033 मतदाताओं का सत्यापन पूर्ण हो चुका है, शेष मतदाताओं का सत्यापन 05 नवम्बर 2019 तक पूर्ण किये जाने हेतु जिलाधिकारी द्वारा 8500 प्रति दिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निरीक्षण में पाया गया कि मतदाता सत्यापन के तहत 15 बूथों पर केवल 0-10 मतदाताओं का सत्यापन, 14 बूथों पर 11-20 मतदाताओं का सत्यापन, 13 बूथों पर 21-30 मतदाताओं का सत्यापन, 24 बूथों पर 31-40 व 33 बूथों पर 41-50 मतदाताओं का सत्यापन हो पाया है। इस प्रकार कुल 99 बूथ ऐसे पाये गए जहाँ सत्यापन का कार्य बहुत ही निराशाजनक रहा।

कुक्कुट पालन से लोगों को मिल रहा है स्वरोजगार

ललितपुर। स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार ने कई योजनाएं संचालित की है जिनमें पशुपालन, कुक्कुट पालन कर अपना स्वयं का व्यवसाय कर युवक आत्मनिर्भर बन सकते हैं। कुक्कुट पालन के लिए प्रदेश सरकार द्वारा पूरा सहयोग दिया जाता है। मुर्गी पालन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने आकर्षक एवं व्यवहारिक कुक्कुट विकास नीति जारी की है, ताकि छोटे मुर्गी पालकों को इससे फायदा मिल सके। उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार का सहयोग दे रही है। खेती के साथ-साथ पशुपालन, मुर्गी पालन कर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। किसानों की आय दोगुनी करने में यह योजना सहायक हो रही है। लाभान्वित होने के लिए छोटे-बड़े कोई भी किसान अपने जिले के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

कुक्कुट विकास नीति के तहत कुक्कुट पालक 30 हजार पक्षियों की कामर्शियल यूनिट और 10 हजार पक्षियों की कामर्शियल यूनिट स्थापित कर सकते हैं। इस योजनान्तर्गत 30 हजार पक्षियों की कामर्शियल यूनिट संचालित करने के लिए मुर्गी पालक को 1.60 करोड़ रु. की लागत लगानी पड़ेगी जिसमें लाभार्थी को 54 लाख रु0 और 1.06 करोड़ का नियमानुसार बैंक ऋण पास कराना होगा। 10 हजार पक्षियों की कामर्शियल यूनिट स्थापित करने के लिए मुर्गी पालक को कुल 70 लाख रु. लगानी पड़ेगी जिसमें 21 लाख रु.लाभार्थी को लगाना पड़ेगा और 49 लाख रु. का बैंक ऋण पास कराना होगा। इस योजना के अन्तर्गत इकाई स्थापित करने हेतु लाभार्थी के पास तीन एकड़ एवं एक एकड़ स्वयं की भूमि होनी चाहिए। प्रदेश में कुक्कुट विकास नीति 2018 के तहत कामर्शियल लेयरी फार्मिंग के 30 हजार पक्षी की 298 इकाईयां क्रियाशील हैं और 10 हजार पक्षी की कामर्शियल लेयर फार्मिंग की 268 इकाईयां क्रियाशील हैं। इन इकाइयों से प्रतिदिन 100.58 लाख अतिरिक्त अण्डा का उत्पादन हो रहा है। ब्रायलर पैरेन्ट फार्म की 10 हजार पक्षी की 23 इकाईयां क्रियाशील हैं जिनसे 24.60 लाख अतिरिक्त चूजे प्रतिमाह उत्पादित हो रहे हैं। इस योजनान्तर्गत प्रदेश में 78260 लोगों को स्वरोजगार मिला है और प्रदेश में 961.65 करोड़ रु. का निवेश हुआ है।

चार बच्चों के साथ कुंए में कूदी महिला, मौत

ललितपुर। थाना मदनपुर क्षेत्र के ग्राम उल्दनाखुर्द में महिला ने अपने चार मासूम बच्चों को लेकर कुंए में छलांग लगा दी। महिला समेत सभी बच्चों की मौत हो गयी। पुलिस अधीक्षक दलबल के साथ मौके पर जा पहुंचे। सभी शवों को पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उल्दनाखुर्द के प्रधान जगदीश यादव ने पुलिस को सूचना दी कि गांव में स्थित पढुआ हार के कुंए में महिला बच्चों के साथ गिर गयी है। कुंए में गिरे बच्चों व महिला में कोई हरकत नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने सबसे पहले पुलिस को सूचना देना उचित समझा। जानकारी मिलने पर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी शवों को कुंए से बाहर निकलवाया। विमला देवी पत्नी राजेश कुशवाहा के रूप में की गयी, बच्चों की शिनाख्त सात वर्षीय पुत्री आरूषि, चार वर्षीय पुत्र नैन्स व दो जुड़वा बेटा रौशन व पुत्री भूरी के रूप में शिनाख्त हुयी। ग्रामीणों के अनुसार विमला का विवाह आठ वर्ष पहले राजेश के साथ हुआ था।

डीएम ने गौवंश आश्रय स्थलों की उचित व्यवस्था तथा देखरेख के दिए सख्त निर्देश

बरेली। जिलाधिकारी वीरेन्द्र कुमार सिंह ने जिले में गौवंश आश्रय स्थलों की उचित व्यवस्था तथा देखरेख के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पशुओं की जियो टैगिंग कराई जाए। उन्होंने टैगिंग के सम्बन्ध में सन्तोष जताते हुये कहा कि अभी तक 1737 पशुओं की टैगिंग हो चुकी हैं। शेष की टैगिंग तत्काल पर कराई जाए। प्रत्येक आश्रय स्थल पर एक रजिस्टर रखा जाए और उसमें जीवित व मृतक पशुओं के विवरण का अंकन किया जाए। उनके पर्याप्त भोजन की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। बीमार पशुओं के इलाज की समुचित व्यवस्था की जाए और विशेष रूप से ध्यान रखा जाए कि मृतक पशुओं का अंतिम संस्कार किस प्रकार किया जा रहा है। यदि पोस्ट मार्टम किया जाता है तो उसकी रिपोर्ट सहित विवरण रजिस्टर में अंकित किया जाए। श्री सिंह आज कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में इस सम्बंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि जिले में कुल 169 गौ आश्रय स्थल क्रियाशील हैं। इनमें से 144 ग्रामीण क्षेत्र के हैं तथा 25 शहरी क्षेत्र के हैं। डीएम ने उन्हें निर्देश दिए कि जहां पशुओं की संख्या मानक से कम हैं, या नहीं है, उन आश्रय स्थलों को बंद न कर उन्हें स्थगित रखा जाए ताकि पशुओं की उपलब्धता पर उन्हें पुनः क्रियाशील बनाया जा सके। जिलाधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि गांवों में पाए जाने वाले उन पशु पालकों पर प्रतिदिन 50 रुपए के हिसाब से जुर्माना वूसला जाए जिनके पशु खेतों में खड़ी फसलों को बर्बाद कर देते हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी तथा अन्य सम्बंधित अधिकारियों से कहा कि इसे अभियान के रूप में लागू करें। जिलाधिकारी ने कहा कि इसके सम्बंध में ग्राम प्रधानों को पत्र लिखकर सूचित भी कर दिया जाए। जिले की जो गौ शालाएं ऐसी हैं जहां गौ वंश की संख्या कम है, वहां उनकी संख्या बढ़ाने के लिए उन्हें दूसरी गौ शालाओं से स्थानांतरित किया जाए। ताकि हर गौशाला में गौवंश की समुचित देख-रेख हो सके और गौआश्रय स्थलों का संचालन भी बना रहे। जिस क्षेत्र में बीमार पशुओं की उपचार न होने के कारण यदि पशु मर जाता है तो संबंधित के खिलाफ के कार्यवाही की जायेगी। सिंह ने कहा कि दो साल तक के बछड़ों का नियमित रुप से बधियाकरण कराया जाये।बैठक में सीडीओ, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी, परियोजना निदेशक सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रक की टक्कर से ढाबा मालिक की मौत

बरेली। रात के समय गांव के पास स्थित अपने धागे से घर वापस लौट रहे एक ढाबा मालिक को रास्ते में ही ट्रक ने टक्कर मार दी उसकी मौके पर ही मौत हो गई टक्कर मारने वाला ट्रक फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।इज्जत नगर थाने के गांव कुमराह निवासी ओमेंद्र पुत्र निरंजन कुमार की बीती रात घर से कुछ ही दूरी पर हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई मृतक के घर वालों ने बताया कि ओमेंद्र घर से कुछ ही दूरी पर सड़क किनारे ढाबा चलाता था कल शाम को लगभग 9 बजे अपने ढावे से घर वापस लौट रहा था लेकिन कुछ दूर जाने के बाद सड़क पर जा रहे एक ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाले फरार हो गया।

ड्यूटी से लौट रही नर्स की सड़क दुर्घटना में मौत

बरेली। शाम के समय एक अस्पताल में ड्यूटी पूरी करने के बाद घर लौट रही स्कूटी सवार नर्स को पीछे से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घर वालों ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां देर रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के दिनेशपुर थाने के गांव बसंती पुर निवासी 24 वर्षीय निशा मंडल पुत्री विकर मंडल की बीती रात बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। उसे कल शाम घायल अवस्था में भर्ती कराया गया था। मृतक के घरवालों ने बताया कि निशा रुद्रपुर स्थित एक अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करती थी और कल सुबह रोजाना की तरह स्कूटी से अपनी ड्यूटी पर गई थी।

हरिद्वार से घर लौट रहे युवक की दुर्घटना में मौत

बरेली। उर्स-ए-रजवी के अवसर पर हरिद्वार से अपने घर लौट रहे एक युवक को बस से उतर कर घर जाते समय रास्ते में ही एक ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला ट्रक फरार हो गया। फतेहगंज पश्चिमी के गांव इस्लामनगर माधवपुर माफी निवासी शनब्बर खां पुत्र शेर खां बीती रात घर से कुछ दूरी पर हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के घरवालों ने बताया उत्तराखंड के हरिद्वार में मजदूरी करता था और 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले उर्स ए रजवी से पहले वह हरिद्वार से वापस घर लौटने के लिए रोडवेज की बस से फतेहगंज पश्चिमी में सड़क किनारे उतरा था। शनब्बर खां गांव की तरफजा रहा था।

पेज एक का शेष

अपराध में...

वाले बिहार का नंबर इस सूची में छठा है जहां 1,80,573 केस दर्ज किए गए। इसके बाद पश्चिम बंगाल है जहां 1,63,999 केस रिकार्ड में आए। एनसीआरबी का कहना है कि आम लोगों की सुविधा के लिए दिल्ली और यूपी ने गाड़ी और अन्य सामान की चोरी के मामलों में ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराने की सुविधा दी है।

आतंकियों ने...

पढ़ाई अधूरी छोड़ दी थी और अपनी इस शैक्षणिक पृष्ठभूमि का उपयोग वह ऐप बनाने में करता था। इस साल की शुरुआत में मारे जाने से पहले तक इन्हीं की मदद से उसने कई साल सुरक्षा एजेंसियों की आंखों में धूल झोंकी थी। ब्रिजफ्री नाम से भी लोकप्रिय ब्रिजफाई ऐप को सैनफ्रांसिस्को की एक कंपनी ने उन इलाकों में टेलीकॉम कनेक्टिविटी की कमी दूर करने के लिए विकसित किया था जहां पारंपरिक टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क अथवा वाईफाई उपलब्ध नहीं था। सूत्रों ने बताया कि राजधानी श्रीनगर और दक्षिण कश्मीर के आसपास के इलाकों समेत घाटी में इस ऐप का इस्तेमाल आतंकी गुटों द्वारा अपने लोगों, ऑपरेशनल कमांड और आतंकियों के बीच आईएसआई के संदेशों को पहुचांने के लिए किया जा रहा है। ताजा घटनाक्रम सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक चुनौती बनकर सामने आया है जो कि लगातार आतंकी गुटों की हरकतों पर लगाम लगाने और हिंसक इरादों को ध्वस्त करने में जुटी हुई हैं।

व्हिसलब्लोअर की ...

वित्त अधिकारी नीलांजल रॉय पर लघु अवधि की आय और मुनाफे के लिए अनुचित व्यवहार अपनाने का आरोप लगाया गया है। इसके बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट आई। बंबई शेयर बाजार में कंपनी का शेयर 16.21 प्रतिशत के नुकसान से 643.30 रुपए पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय 16.86 प्रतिशत टूटकर 638.30 रुपए पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी का शेयर 16.65 प्रतिशत के नुकसान से 640 रुपए पर बंद हुआ। शेयरों में जोरदार गिरावट के बीच कंपनी का बाजार पूंजीकरण 53,450.92 करोड़ रुपए घटकर 2,76,300.08 करोड़ रुपए पर आ गया।

भारी जाम वाली ...

छवि बेहतर हो। सड़कों पर रिक्शा के लिए पार्किंग, पार्किंग के लिए स्थान की पहचान, ग्रीन बेल्ट, पब्लिक ओपन स्पेश, साइकिल लेन, पैदल चलने वालों के लिए लेन, सड़क की दीवारों पर आकर्षक कलाकृतियां और सड़क के बगल में बिना दीवार का पार्क होगा पार्क के अंदर लगे पेड़, पौधे व फूल दिखाई दें। रिंग रोड़, एम्स से आश्रम, विकास मार्ग, लक्ष्मी नगर से कड़कड़ी मोड़ और निर्माण रोड मदर डेरी से पंचमहल के निर्माण का वर्क आर्डर जारी हो गया। अन्य छह सड़कों के निर्माण की मंजूरी 15 नवंबर तक जारी कर दी जाएगी।

उद्योग बंधुओं की शिकायतों का निस्तारण तत्काल करें: डीएम

- औद्योगिक क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटों की पर्याप्त व्यवस्था हो

संवाददाता। मथुरा

जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र ने कलेक्टेऊट सभागार में उद्योग बन्धुओं की बैठक लेते हुए निर्देश दिये हैं कि उद्योग बन्धुओं से संबंधित सभी समस्याओं का निस्तारण तत्काल करें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में लगाई गयी सभी स्ट्रीट लाइट कार्यरत रहें और जहां स्ट्रीट लाइटों की आवश्यकता हो वहां स्ट्रीट लाइटें लगाई जायें। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में नाले की सफाई तथा सड़कें एवं पानी की व्यवस्था ठीक करने के भी निर्देश दिये।

श्री मिश्र के समक्ष एकल मेज योजना के अन्तर्गत विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों को औद्योगिक प्रार्थना पत्रों को भेजने एवं उनकी स्वीकृति करने पर चर्चा की गईए जिसमें बताया गया कि कुल 30 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थेए जिसमें से 27 के आवेदन स्वीकृत कर दिये गये हैं। 03 आवेदन पत्र विद्युत विभाग अवमुक्त प्रक्रिया में हैं। पागल बाबा हॉस्पीटल के बराबर से चैतन्य विहार फेस.2 वृन्दावन में सड़क निर्माण के संबंध में अवगत कराया गया है कि नाली निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका हैए सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा हैए जिस पर जिलाधिकारी ने 15 दिन के अन्दर गुणवत्तापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी से औद्योगिक क्षेत्र साइट.ए व बी में स्ट्रीट लाइट लगाने एवं क्षेत्र की सफाई तथा सड़क मरम्मत के संबंध में मांग किये जाने पर जिलाधिकारी ने यूपीएसआईडी को निर्देश दिये लाइटें तुरन्त ठीक कर दी जायें एवं नगर निगम को सफाई व्यवस्था कराने के निर्देश दिये। अक्षय खण्डवाल निदेशक खण्डेवाल ओर्गोसेल लिमिटेड ने केमिकल स्टोरेज करने के लिए भूमिगत टैंक की स्थापना हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग पर क्षेत्रीय प्रबंध यूपीएसआईडीसी ने बताया कि अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु फाइल भेजी जा चुकी है यथाशीघ्र अनापत्ति प्रमाण दे दिया जायेगा।

इसी प्रकार इसी संस्था के प्लॉट.2 एवं 3 में भूमि संबंधी विवाद पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि यूपीआईएसडीसी के अधिकारी तथा उद्योगपति के साथ जाकर भूमि की नापतोल करें तथा आवंटी को आवंटित की गई भूमि को उपलब्ध करायें। कोसी कोटवन इण्डरस्ट्रीज एरिया में मीठे पानी की व्यवस्था हैए किन्तु उसके पड़ोस में खारा पानी होने के कारण उस क्षेत्र में भी मीठा पानी उपलब्ध कराने की मांग पर बताया गया कि प्लॉटों में पानी की व्यवस्था का मूल्यांकन करके स्टीमेंट नहीं जोड़ा गया हैए जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि मीठे पानी की सप्लाई में जो खर्चा आये उसे संबंधित फर्मों को अवगत कराकर पानी की व्यवस्था करायी जाय।

इसी प्रकार श्री मिश्र द्वारा औद्योगिक क्षेत्र साइट.बी0 के भूखण्ड संख्या.एफ4 में आवंटित क्षेत्र पर एवं मौके पर कब्जे क्षेत्रफल में भिन्नता शिकायत पर जिलाधिकारी निर्देश दिये कि कब्जे के संबंध में पत्र उनको तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिया जायए जिससे अवैध कब्जा हटाया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रामनेवास, उपायुक्त उद्योग वीरेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीएसआईडीसी, नगर निगम के साथ विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं के पदाधिकारी तथा उद्यमी उपस्थित थे।

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस ने उत्तर प्रदेश में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

बदायूं/बरेली। अग्रणी गैर बैंकिंग संस्थान फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के द्वारा आशीर्वाद फाउंडेशन, हरिद्वारके सहयोग से गत दिनों 14 अक्टूबर को बदायूं और15 अक्टूबर को सी.एल हेरिटेज, बरेली में निशुल्क स्वास्थ्य जाँचशिविर का आयोजन किया गया। इस दोनों ही शिविरों में करीब 230 महिलाओं ने भाग लिया। बरेली के कार्यक्रम में भाग लेने वालों में अजय अग्रवाल, रोहेलखंड मेडिकल कॉलेज, बरेली, डॉ. शशी बाला, (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. अभिषेक वर्मा (बालरोग विशेषज्ञ), डॉ असब्दुल असरफ (सामान्य चिकित्सक) मौजूद थे । अतिथियों ने फ्यूजन के इस प्रयास की सरहाना करते हुए ,महिलाओं कोअपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्ता के द्वारा ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। भारत सरकार द्वारा चलाए गए 'नेशनल हेल्थ मिशन' का समर्थन करते हुए फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस कंपनी ने अपनी परिचालिक केंद्रमें महिलाओं और बच्चों पर केन्द्रित निशुल्क जाँच शिविर का आयोजन करवाया। शिविर के माध्यम से जिले में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी हुई परेशानियों का स्त्री रोग विशेषज्ञ सामान्य चिकित्सक एव अन्य विशेषज्ञों द्वारा निशुल्क परिक्षण किया गया ।

किसी भी आतंकी या नौकरशाह ने अपना बच्चा आतंकवाद में नहीं खोया

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा कि हुर्रियत, मुख्यधारा की पार्टियों, धार्मिक उपदेशकों और मौलवियों ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल आम कश्मीरी लोगों के बच्चों को मरवाने में किया जबकि उनमें से किसी ने भी आतंकवाद की वजह से अपनों को नहीं खोया।

राज्यपाल ने आरोप लगाया कि प्रभावी और शक्तिशाली तबकों ने कश्मीरी युवाओं के सपने और उनकी जिंदगियों को तबाह कर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह इस सच्चाई को समझें और राज्य में शांति और समृद्धि लाने के केंद्र सरकार के प्रयासों में शामिल हो जाएं।मलिक ने कटरा शहर में श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, उन सभी के अपने बच्चों का करियर अच्छा चल रहा है और लेकिन आम कश्मीरी व्यक्ति के बच्चों को बताया गया कि स्वर्ग का रास्ता मारे जाने में है। उन्होंने कहा, नेता, नौकरशाह, प्रभावी और शक्तिशाली लोगों ने युवाओं के सपने और उनके जीवन को बर्बाद कर दिया। राज्यपाल ने कहा, सामाजिक नेता, धार्मिक उपदेशकों, मौलवियों, हुर्रियत और मुख्यधारा की पार्टियों ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल आम कश्मीरी लोगों के बच्चों को मरवाने में किया। उनमें से किसी ने भी अपना बच्चा नहीं खोया और उनके परिवार में से कोई भी आतंकवाद से नहीं जुड़ा। मलिक ने कहा, मैंने खुफिया एजेंसियों से भी इनपुट नहीं लिया। वे भी दिल्ली या हमें सच नहीं बता रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने सीधे तौर पर 150 से 200 कश्मीरी युवाओं से बात की और कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उन्हें पहचानने की कोशिश की जो राष्ट्रगान पर खड़ा नहीं होते हैं। मैंने उनसे और 25 से 30 साल के आयु वर्ग वाले उन लोगों से बात की जिनके सपने कुचल दिए गए, वे भ्रमित हैं और गुस्से में हैं...वे न तो हुर्रियत चाहते हैं, न हमें चाहते हैं और न केंद्र सरकार को या स्वायत्तता को क्योंकि उन्हें बताया गया है कि स्वर्ग जाने का रास्ता मरने में है। राज्यपाल ने कहा कि मैंने ऐसे युवाओं से कहा कि उनके पास कश्मीर में पहले से ही स्वर्ग है। उन्होंने कहा कि 22,000 कश्मीरी युवा राज्य से बाहर शिक्षा हासिल कर रहे हैं।राज्यपाल ने कहा, उन्हें शिक्षा के लिए राज्य से बाहर क्यों जाना पड़ता है ? ऐसा इसलिए है क्योंकि हम पिछले कई दशकों से राज्य में मानक शिक्षा छात्रों को मुहैया नहीं करा पाए हैं। कश्मीर में भेजे गए धन का इस्तेमाल अगर नेता और नौकरशाह सही तरीके से करते तो आपके घरों की छतें सोने की बन गई होतीं।

● राज्यपाल ने आरोप लगाया कि प्रभावी और शक्तिशाली तबकों ने कश्मीरी युवाओं के सपने और उनकी जिंदगियों को तबाह कर दिया

नई दिल्ली में एक मुलाकात के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व मेघायल के मुख्यमंत्री कोनार्ड के. संगमा

क्विक न्यूज

असम में जिलेटिन की 27 छड़ों समेत विस्फोटक बरामद, एक गिरफ्तार

दीफू (असम)। असम में कार्बी आंगलोंग जिले के दीफू कस्बे में एक मकान से जिलेटिन की छड़ों समेत विस्फोटक बरामद हुए है और इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस उपाधीक्षक नाहिद करिश्मा ने बताया कि एक खुफिया जानकारी के आधार पर राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के एक संयुक्त दल ने दीफू के दिलाजी इलाके के एक मकान में सोमवार रात छापा मारा और परिसर से विस्फोटक जब्त किए।अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में लालचंदचोक एफ तुसिंह को गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी ने बताया कि मकान से जिलेटिन की 27 छड़े, अन्य विस्फोटकों के छह पैक और बिजली की तारें मिली है।अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि उसने मेघालय में अपने एक दोस्त से विस्फोटक खरीदे थे ताकि वह इसे उन लोगों को बेच सके जो विस्फोट करके मछलियां पकड़ना चाहते है।

विमानन सुरक्षा नियामक बीसीएएस एक सप्ताह में जारी करेगा ड्रोन रोधी नियम

नई दिल्ली। देश मे किसी भी अवांछित ड्रोन से निपटने के लिए विमानन सुरक्षा नियामक बीसीएएस एक सप्ताह मे ड्रोन रोधी नियम जारी करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) मे उप महानिदेशक महेश्वर दयाल ने कहा, ड्रोन निरोध के लिए हम हफ्तेभर से भी कम वक्त मे दिशा-निर्देश जारी करेंगे। यह अंतिम चरणों मे है। मेरे खयाल से यह सुरक्षित आकाश की दिशा मे एक बड़ा कदम होगा। वह उद्योग संगठन फिक्की और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी थेल्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम स्मार्ट सेफ सिक्युर स्काइज को संबोधित कर रहे थे।

जम्मू-कश्मीर में साइबर अपराधों से निपटने के लिए नए पुलिस थाने

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने साइबर अपराधो से निपटने, मामले दर्ज करने और जांच करने के लिए दो नए पुलिस थाने बनाए है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य के गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू और श्रीनगर मे दो नए पुलिस थाने बनने के बाद अब राज्य मे कुल चार साइबर थाने हो गए है। अपराध शाखा के दो मौजूदा प्रतिष्ठान के अतिरिक्त ए दो साइबर पुलिस स्टेशन बने है।

भारत-बांग्लादेश बैठक में सीमा संबंधित मुद्दा होगा शीर्ष एजेंडे में

अगरतला । त्रिपुरा और बांग्लादेश के पड़ोसी जिले के अधिकारियों के बीच बुधवार को होने वाली रणनीतिक बैठक मे सीमा पर बाड़ और सीमा पार से होने वाले अपराध पर चर्चा होगी। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिम त्रिपुरा, सिपाहीजाला और खोवाई के जिला मजिस्ट्रेट भारत की ओर से इस बैठक मे मौजूद होंगे जबकि बांग्लादेश की ओर से ब्राह्मणबरिया, कोमिल्ला एवं मौलवी बाजार के जिला मजिस्ट्रेट या उपायुक्त हिस्सा लेंगे।पश्चिम त्रिपुरा के जिला मजिस्ट्रेट संदीप महात्मे ने पीटीआई को बताया, सीमा पर बाड़, सीमा पार से होने वाले अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

सीमा पार पाकिस्तान की हर हरकत पर बीएसएफ की पैनी नजर : लोढ़ा

एजेंसी। जैसलमेर

सीमा सुरक्षाबल (राजस्थान फ्रंटियर) के महानिरीक्षक अमित लोढ़ा ने मंगलवार को कहा कि सीमा पार पाकिस्तान की हर हरकत पर बल की पैनी नजर है और वह किसी भी परिस्थिति से निपटने में सक्षम है। दो दिवसीय जैसलमेर दौरे पर आए लोढ़ा ने आज संवाददाताओं से कहा कि सीमा सुरक्षाबल (बीएसएफ) राजस्थान से लगती पाकिस्तान सीमा पर हर परिस्थिति से निपटने के लिए के लिए सजग और तैयार है।उन्होंने कहा कि बीएसएफ को तकनीकी हिसाब से और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है तथा इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि सीमा पार से होने वाली हर हरकत का करारा जवाब दिया जा सके।सीमा पार क्षेत्र में भारतीय सीमा के निकट ड्रोन का इस्तेमाल किए जाने के बारे में बल के महानिरीक्षक ने स्पष्ट किया कि सीमा पार होने वाली हर हरकत की जानकारी बल के पास है और उससे निपटने में बल सक्षम है।उन्होंने कहा कि सीमा के निकट रहने वाले लोगों के साथ बल का बेहतर तालमेल रहे, इसके लिए भी बीएसएफ हमेशा प्रयासरत रहता है। इसी कड़ी में बीएसएफ ने घर आंगन नाम से सीमावर्ती ग्रामीणों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए सामाजिक सरोकार की एक योजना शुरू की है जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं।

● दो दिवसीय जैसलमेर दौरे पर आए लोढ़ा ने आज संवाददाताओं से कहा कि बीएसएफ राजस्थान से लगती पाकिस्तान सीमा पर हर परिस्थिति से निपटने के लिए के लिए सजग और तैयार है

बीएसएफ ने पंजाब में भारत-पाक सीमा पर तीन ड्रोन देखे

फिरोजपुर। पंजाब के हुसैनीवाला सेक्टर में तैनात बीएसएफ जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर तीन ड्रोन देखे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवानों ने सोमवार रात को पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोनों पर गोलियां चलाई लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।इस महीने की शुरुआत में बस्ती राम लाल, टेंडी वाला और हजारा सिंह वाला गांवों के निवासियों ने ड्रोन देखे थे जिसके बाद बीएसएफ को अलर्ट किया गया था। उस समय बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने खोज अभियान चलाया लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बीएसएफ ने उस समय भारत-पाकिस्तान सीमा पर रहने वाले निवासियों से कहा था कि अगर वे जीरो लाइन पर कुछ भी अजीब देखें तो फौरन पुलिस या बीएसएफ अधिकारियों को सूचित करें।

बसपा नेताओं के साथ अभद्रता को लेकर मायावती ने कांग्रेस पर निशाना साधा

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान की राजधानी में बहुजन समाज पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं को पार्टी के ही कुछ कार्यकर्ताओं ने टिकट वितरण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जूतों की माला पहना दी और उनके चेहरे पर कालिख पोत दी।

वहीं, बसपा प्रमुख मायावती ने इस घटना को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है।यह घटना मंगलवार को यहां बनीपार्क स्थित बसपा कार्यालय में हुई। खबरों के अनुसार बसपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम और पार्टी की राज्य इकाई के प्रभारी सीताराम के चेहरे पर काली स्याही पोत दी और उन्हें जूतों की माला पहना दी। उन्होंने गौतम को गधे पर भी बैठा दिया। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है।पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इन दोनों नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विश्वासघात किया है। वे कार्यकर्ताओं की दुर्दशा को पार्टी की प्रमुख मायावती तक नहीं पहुंचाते हैं और भ्रष्टाचार करते हैं।घटना के संबंध में एक कार्यकर्ता ने कहा, हमारे कार्यकर्ता अपने नेताओं से परेशान हैं। कार्यकर्ता पांच साल मेहनत करते हैं, लेकिन नेता पैसे लेकर भाजपा और कांग्रेस के पैराशूट उम्मीदवारों को टिकट देते हैं। बसपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को नजरअंदाज किया जाता है और उनका शोषण किया जाता है। बसपा प्रमुख मायावती ने इस घटना की निंदा करते हुए कांग्रेस पार्टी पर राज्य में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर हमला कराने का आरोप लगाया। मायावती ने ट्वीट किया, कांग्रेस पार्टी ने पहले राजस्थान में बसपा विधायकों को तोड़ा और अब मूवमेन्ट को अघात पहुँचाने के लिए वहाँ वरिष्ठ लोगों पर हमला करा रही है जो अति-निन्दनीय और शर्मनाक है। उन्होंने लिखा है, कांग्रेस अम्बेडकरवादी मूवमेन्ट के खिलाफ काफी गलत परम्परा डाल रही है जिसका जैसे को तैसा जवाब लोग दे सकते हैं।

त्रिपुरा के पूर्व लोक निर्माण विभाग मंत्री बादल चौधरी गिरफ्तार

एजेंसी। अगरतला

माकपा केंद्रीय समिति के सदस्य और त्रिपुरा के पूर्व लोक निर्माण विभाग मंत्री बादल चौधरी को 630 करोड़ रुपए के घोटाले में कथित रूप से शामिल रहने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह आरोप उनके खिलाफ तब का है जब वह प्रदेश में वाम मोर्चे की सरकार में पीडब्लूडी मंत्री थे।पश्चिमी त्रिपुरा जिले के पुलिस अधीक्षक मानिक दास ने बताया कि चौधरी को सोमवार की रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार को एक स्थानीय अदालत में जमानत नहीं मिलने के बाद से वह फरार चल रहे थे। दास ने संवाददाताओं को बताया, चौधरी के अस्पताल में भर्ती होने के बारे में सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

बीमारी से उबरने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री मानिक सरकार एवं माकपा प्रदेश समिति के सचिव गौतम दास और अन्य वाम नेता सोमवार की रात अस्पताल गए और चौधरी से मुलाकात की।

अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि पूर्व मंत्री की हालत नाजुक है। इस बीच त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने सोमवार का चौधरी की अग्रिम जमानत की याचिका पर सुनवाई की और मंगलवार तक फैसला सुरक्षित रख लिया है।

जम्मू और रियासी जिले से मादक पदार्थ रखने के आरोप में चार गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जम्मू और रियासी जिले में विभिन्न मादक पदार्थ रखने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को अधिकारियों ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि जम्मू में शामघाट के निकट चाठा रोड पर पुलिस की एक टीम ने एक मोटरसाइकिल सवार को रोका और उससे पूछताछ की। उसके पास से 30 ग्राम हेरोइन बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।एक अन्य घटना में पुलिस ने बठिंडा के रहनेवाले मल्कीत सिंह और भूपिंद्र सिंह को उनकी कार से 14 किलोग्राम पोस्ता दाना मिलने के बाद गिरफ्तार किया। इन दोनों को जाज्जरकोटली क्षेत्र में गिरफ्तार किया गया। वहीं तीसरी घटना में पुलिस ने एक व्यक्ति को 68 ग्राम भांग के साथ रियासी जिले के सिरला भागा में गिरफ्तार किया।

न्यायालय ने तमांग की अयोग्यता अवधि को चुनौती मिलने पर केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषी करार दिए गए और सजा मुकर्र किए गए सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के लिए अयोग्यता की अवधि छह साल से घटा कर महज 13 महीने करने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर मंगलवार को केंद्र और आयोग से जवाब मांगा।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी. हरिशंकर की पीठ ने राज्य सरकार और तमांग को भी नोटिस जारी कर उनसे इस अर्जी पर जवाब मांगा। अर्जी में चुनाव आयोग को अयोग्यता अवधि (चुनाव लड़ने पर लगी रोक की अवधि) हटाने या घटाने का अधिकार देने वाले जन प्रतिनिधित्व कानून के संबंधित प्रावधान को चुनौती दी गई है।

अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 24 दिसंबर तय की। तमांग के सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने अप्रैल में विधानसभा चुनाव जीता था और उन्होंने 27 मई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह अयोग्य ठहराए जाने के कारण चुनाव लड़ नहीं सके थे।

उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के लिए छह महीने के अंदर विधानसभा चुनाव लड़ने की जरूरत है। उन्हें 26 दिसंबर, 2016 को भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत अपराधों को लेकर दोषी ठहराया गया था और एक साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने 10 अक्टूबर, 2018 को एक साल की कैद की सजा पूरी कर ली थी।सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के महासचिव डेक बहादुर कतवाल ने याचिका दायर कर कहा है कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 11 असंवैधानिक है क्योंकि यह चुनाव आयोग को अयोग्यता अवधि हटाने या घटाने का अनियंत्रित एवं मनमानापूर्ण अधिकार देती है।कतवाल ने नामांकन भरने के आखिरी दिन से एक दिन पहले 29 सितंबर को चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश को भी चुनौती दी है जिसके मार्फत तमांग की छह साल की अयोग्यता अवधि में चार साल 11 महीने की कमी कर दी गई।सुदर्शन गोयल, सिद्धार्थ शर्मा और श्रुति अरोड़ा ने याचिका दायर कर कहा है कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 11 इस कानून के लक्ष्य एवं उद्देश्य के विरूद्ध है क्योंकि यह कानून दोषी ठहराए गए व्यक्तियों को भारत में छह साल तक चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने के लिए बनाया गया है।

● अर्जी में चुनाव आयोग को अयोग्यता अवधि (चुनाव लड़ने पर लगी रोक की अवधि) हटाने या घटाने का अधिकार देने वाले जन प्रतिनिधित्व कानून के संबंधित प्रावधान को चुनौती दी गई है

चेन्नई में आल इंडिया बैंक एसोसिएशन द्वारा बुलाई गई हड़ताल को लेकर बैंक कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए

माँ के प्रेमी की हत्या के आरोप में 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस ने 21 वर्षीय एक युवक को यहां बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स बस अड्डे पर अपनी मां के कथित प्रेमी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति को शक था कि परवेज शेख के उसकी माँ के साथ अवैध संबंध हैं।उन्होंने कहा कि घटना सोमवार रात 10 बजे हुई जब आरोपी को यह पता चला कि उसकी माँ बस अड्डे पर परवेज शेख के साथ बैठी है। इस बात का पता लगते ही आरोपी घटनास्थल पर पहुंचा और परवेज पर ईंट से प्रहार किया। अधिकारी ने बताया कि प्रहार के कारण परवेज का चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया और अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। राहगीरों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक प्रदीप भोसले ने बताया कि आरोपी एम एच साबू सिद्दिक कॉलेज का छात्र है ।

सांसद की पत्नी ने किस्मत की बराबरी रेप से की, इंटरनेट पर भड़का लोगों का गुस्सा

एजेंसी। कोच्चि

कांग्रेस सांसद हिबी ईडन की पत्नी द्वारा फेसबुक पर लिखे गए एक पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर कोहराम मच गया है। सांसद की पत्नी ने इस पोस्ट में किस्मत और बलात्कार के बीच समानता बताई है। हिबी ईडन एर्नाकुलम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अन्ना लीना ईडन ने कोच्चि में सोमवार को बारिश के बाद आई बाढ़ के दौरान अपनी बेटी और पति ईडन की दशा बताने के लिए फेसबुक पर पोस्ट किए गए दो वीडियो क्लिप के साथ लिखा, किस्मत बलात्कार के समान है, अगर आप इसे रोक नहीं सकते, तो इसका आनंद लेने की कोशिश करें। एक वीडियो में उनकी बेटी को पानी में घिरे घर से बाहर निकालते दिखाया गया है जबकि दूसरे वीडियो में उनके पति किसी जगह सिजलर (गर्मा गरम खाना) का आनंद उठाते हुए दिख रहे हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता महिला विरोधी टिप्पणी को लेकर अन्ना पर जमकर बरसे जबकि कुछ ने कथित तौर पर अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने के लिए उन पर हमला बोला। लोगों के गुस्से की भनक लगते ही उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट से पोस्ट हटा लिया। एक अन्य फेसबुक पोस्ट में अन्ना ने खेद जाहिर किया और कहा कि अपने पोस्ट के जरिए वह बुरे अनुभवों से उबरने का प्रयास कर रही थीं।

● दो वीडियो क्लिप के साथ लिखा, किस्मत बलात्कार के समान है, अगर आप इसे रोक नही सकते, तो इसका आनंद लेने की कोशिश करें

क्विक न्यूज

बेनेली ने भारतीय बाजार में पेश की इंपीरियल-400 मोटरसाइकिल

नई दिल्ली। मोटरसाइकिल बनाने वाली इतालवी कंपनी बेनेली ने मंगलवार को अपनी इंपीरियल-400 को भारतीय बाजार में पेश किया। इसकी शोरूम में कीमत 1.69 लाख रुपए है। बेनेली ने एक बयान में जानकारी दी कि इसमें भारत चरण-4 उत्सर्जन मानक वाला 347 सीसी का इंजन लगा है। कंपनी के भारतीय परिचालन के प्रबंध निदेशक विकास झाबक ने कहा कि वह इस श्रेणी पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। इंपीरियल-400 भारतीय बाजार में पेश करने के साथ कंपनी बाजार में एक अच्छा हिस्सेदारी हासिल करने को लेकर काफी आश्वस्त है। इसके लिए कंपनी इसे कई डीलरों के यहां भी पेश करेगी। बयान के अनुसार कोई भी ग्राहक 4,000 रुपए का भुगतान कर इसकी बुकिंग करा सकता है।

ट्रंप का नवंबर में चीन के साथ पहले चरण का व्यापार समझौता होने का संकेत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत सही दिशा में चल रही है और आंशिक समझौते पर अगले महीने पूरा होने के संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा, हम चीन के साथ पहले चरण के पूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर करने में सक्षम होंगे और इस पर विचार कर रहे हैं। ट्रंप दोनों देश के बीच इस शुरुआती व्यापार समझौते को लेकर उत्साहित है। इससे दोनों देशों के बीच जारी व्यापार युद्ध की गरमा-गरमी थोड़ा ठंडा पड़ने की उम्मीद है। व्यापार युद्ध से दोनों देशों के साथ-साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हो रहा है। लाइटाइजर ने कहा कि अगले महीने चिली में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन से पहले हम इसे अंतिम रूप देने के प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस सम्मेलन से इतर ट्रंप वहां अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग से मुलाकात कर सकते हैं। इस दौरान दोनों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

भेल ने वानकबोरी संयंत्र पर शुरू की 800 मेगावाट बिजली उत्पादन की इकाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भेल ने गुजरात के वानकबोरी बिजली संयंत्र में 800 मेगावाट की बिजली उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में बताया कि यह संयंत्र गुजरात के खेड़ा जिले में है। यह संयंत्र गुजरात राज्य बिजली निगम लिमिटेड का है। कंपनी के बयान के मुताबिक इससे पहले वह वानकबोरी संयंत्र में 210 मेगावाट क्षमता की सात इकाइयां स्थापित कर चुकी है। इनमें सबसे पुरानी इकाई 35 साल से अधिक पुरानी है।

शेयर बाजारों में छह दिन से जारी गिरावट थमी

एजेंसी। मुंबई

बंबई शेयर बाजार में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला मंगलवार को थम गया। इन्फोसिस के शेयरों में भारी गिरावट के बीच सेंसेक्स 335 अंक टूट गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ अनुचित व्यवहार की शिकायत के बाद कंपनी के शेयर में गिरावट आई। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 334.54 अंक या 0.85 प्रतिशत के नुकसान से 38,963.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 38,924.85 से 39,426.47 अंक के दायरे में रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 73.50 अंक या 0.63 प्रतिशत के नुकसान से 11,588.35 अंक पर बंद हुआ।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी इन्फोसिस का शेयर 16 प्रतिशत से अधिक नीचे आया। एक गुमनाम व्हिसलब्लोअर ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख और मुख्य वित्त अधिकारी नीलांजन रॉय पर अनुचित व्यवहार के जरिए लघु अवधि में आमदनी और मुनाफा बढ़ाने का आरोप लगाया गया है। बंबई शेयर बाजार में कंपनी का शेयर 16.21 प्रतिशत के नुकसान से 643.30 रुपए पर बंद हुआ। इससे कंपनी का बाजार पूंजीकरण 53,451 करोड़ रुपए घट गया। अन्य कंपनियों में टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और बजाज फाइनेंस के शेयरों में 3.51 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, बजाज आटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचडीएफसी के शेयर 3.06 प्रतिशत तक चढ़ गए। बीएसई मिडकैप में 0.09 प्रतिशत की गिरावट आई। स्मॉलकैप 0.48 प्रतिशत चढ़ गया। आशिका स्टॉक ब्रोकिंग के प्रमुख (इक्विटी शोध) पारस बोथरा ने कहा कि कुछ लार्जकैप शेयरों में मुनाफावसूली और इन्फोसिस के सीईओ के खिलाफ व्हिसलब्लोअर की शिकायत के बाद बनी नकारात्मक धारणा से सेंसेक्स और निफ्टी में नुकसान रहा। बोथरा ने कहा, बैंकिंग शेयर लाभ में रहे जबकि आईटी शेयर नीचे आए। एक्जिट पोल में भाजपा को महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में जीतता दिखाया गया है। इससे घरेलू मोर्चे पर कुल मिलाकर धारणा समर्थन वाली रही। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का टोक्यो और दक्षिण कोरिया का सियोल सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन के साथ आंशिक व्यापार समझौते को लेकर चल रही बातचीत में है। ट्रंप ने कहा कि वह इस पर वह अगले महीने हस्ताक्षर कर सकते हैं। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख था। इस बीच, अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ 70.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59.17 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अब देखना होगा आने वाले दिनों में शेयर बाजार कैसा रुख रखता है।

सरकार स्वतंत्र निदेशकों के लिए दक्षता आकलन की आनलाइन परीक्षा शुरू करेगी

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह कंपनियों के निदेशक मंडल में नियुक्त किए जाने वाले स्वतंत्र निदेशकों के लिए दक्षता के स्व:आकलन हेतु आनलाइन परीक्षा प्रणाली शुरु करेगी। कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि यह परीक्षा इंडियन इंस्टीट्यूट आफ कारपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) कराएगा। इसे पहली दिसंबर से शुरू किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा है कि कुछ व्यक्तिगत श्रेणियों के मामले में यह आवश्यकता लागू नहीं होगी। इन श्रेणियों में ऐसे निदेशकों पर यह लागू नहीं होगी जिन्होंने निदेशक के तौर पर दस साल तक काम किया है या फिर जो किसी कंपनी में महत्वपूर्ण प्रबंधकीय पद पर रहे हैं। निदेशकों की जिन श्रेणियों को परीक्षा से छूट दी गई है उनको छोड़कर अन्य को यह परीक्षा एक साल में पास करनी होगी। आईआईसीए द्वारा बनाए जाने वाले डेटा बैंक में उनके नाम के शामिल होने की तिथि से एक साल की अवधि के भीतर उन्हें परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा में फेल होने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति का नाम डेटा बैंक से हटा दिया जाएगा। कारपोरेट कार्य मंत्रालय की यह अधिसूचना एक दिसंबर 2019 से प्रभावी हो जाएगी।

आईटीसी ने दुनिया की सबसे महंगी चॉकलेट पेश की, दाम 4.3 लाख रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत समूह आईटीसी ने मंगलवार को दुनिया की सबसे महंगी चॉकलेट पेश की। इसकी कीमत 4.3 लाख रुपए प्रति किलोग्राम है। आईटीसी ने इस चॉकलेट को अपने फैबेल ब्रांड के तहत पेश किया है। आईटीसी के लक्जरी चॉकलेट ब्रांड फैबेल एक्सिक्विज़िट चॉकलेट ने अपनी सीमित श्रृंखला की चॉकलेट ट्रिनिटी ट्रफल्स एक्स्ट्राऑर्डिनायर पेश की है। यह गिनीस वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गई है। इसे दुनिया की सबसे महंगी चॉकलेट बताया गया है। आईटीसी के मुख्य परिचालन अधिकारी (चॉकलेट, कन्फेक्शनरी, कॉफी और नई श्रेणी) खाद्य विभाग अनुज रुस्तगी ने कहा कि फैबेल में हम नया बेंचमार्क स्थापित कर काफी खुश हैं। हमने सिर्फ भारतीय बाजार नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर यह उपलब्धि हासिल की है। हम गिनीस वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गए हैं। यह सीमित संस्करण हाथ से बने लकड़ी के बॉक्स में उपलब्ध होगा। इनमें 15 ग्राम की 15 ट्रफल्स होंगी। इस बॉक्स की कीमत सभी करों सहित एक लाख रुपए होगी।

उच्च न्यायालय ने 63 मून्स कंपनी मामले में पी. चिदंबरम से मांगा जवाब

एजेंसी। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 63 मून्स टेक्नालॉजी द्वारा दायर 10 हजार करोड़ रुपए के नुकसान की भरपाई के दावे वाले एक मामले में पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और दो वरिष्ठ अधिकारियों से जवाब मांगते हुए हलफनामा दाखिल करने को कहा है। न्यायमूर्ति एस के मेनन ने चिदंबरम और दो अधिकारियों -- के पी कृष्णन और रमेश अभिषेक को आठ सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

कंपनी, 63 मून्स टेक्नालाजीज को इससे पहले फाइनेंशियल टेक्नालाजीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। कंपनी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम तथा दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ 12 जून को मामला दायर किया। कंपनी ने इनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और बदनीयती से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।

कंपनी ने कहा है कि चिदंबरम के वित्त मंत्री रहते 5,600 करोड़ रुपए के एनएसईएल घोटाले में उसके खिलाफ बदनीयती से कार्रवाई की गई। जिस समय यह मामला है तब के पी कृष्णन कौशल विकास मंत्रालय में सचिव के पद पर थे तो रमेश अभिषेक वायदा बाजार आयोग के चेयरमैन थे। कंपनी ने अपनी याचिका में कहा है कि उसकी एक इकाई नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) में सोची समझी रणनीति के तहत भुगतान संकट खड़ा किया गया और उसके बाद से उसके खिलाफ उसे लक्ष्य बनाकर लगातार दुर्भावनापूर्ण ढंग से कार्रवाई की गई। दायर मामले में कहा गया है कि विभिन्न जांच एजेंसियों की जांच में एनएसईएल, 63 मून्स और कंपनी के संस्थापक जिग्नेश शाह द्वारा धन के हेरफेर का कोई मामला साबित नहीं हो पाया। लेकिन चिदंबरम, कृष्णन और अभिषेक द्वारा रची गई साजिश के तहत समूह को लगातार निशाना बनाया गया। कंपनी ने अपनी याचिका में इन लोगों से 10,000 करोड़ रुपए के नुकसान की भरपाई की मांग की है। चिदंबरम आईएनएक्स मीडिया के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में कथित भ्रष्टाचार मामले में दो माह से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद थे। उन्हें मंगलवार को इस मामले में जमानत मिल गई है। लेकिन एक अन्य मामले में अदालत ने उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में दे दिया है।

मोदी-विरोधी वक्तव्य दिलाने के लिए अभिजीत बनर्जी को मीडिया द्वारा सवालों से घेरने पर हंसी मजाक

एजेंसी। नई दिल्ली

नोबेल पुरस्कार के लिए चुने गए अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिन में उनसे मुलाकात में उनसे मजाक किया कि किस तरह मीडिया उनके मुख से मोदी विरोधी बात निकलवाने के प्रयास में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री निवास पर इस मुलाकात के बाद संवाददाताओं से एक बातचीत में बनर्जी ने भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर कोई सवाल लेने से इनकार किया। इस दौरान वह सरकार की नीतियों को लेकर कोई भी टिप्पणी करने से बचते रहे। अभिजीत बनर्जी को उनकी पत्नी एस्थर डुफ्लो और अमेरिकी अर्थशास्त्री माइकल क्रेमर के साथ संयुक्त रूप से 2019 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है। संवाददाताओं के सवालों के जवाब में बनर्जी ने कहा, प्रधानमंत्री के साथ मेरी मुलाकात काफी अच्छी रही। प्रधानमंत्री ने बातचीत की शुरुआत इस मजाक के साथ की कि मीडिया किस प्रकार उनके (बनर्जी से) मुख से मोदी- विरोधी बात निकलवाने के लिए अपने सवालों के जाल फैला रहा है। भारतीय मूल के अर्थशास्त्री ने कहा, प्रधानमंत्री टीवी देखते रहे हैं और वह आप लोगों (मीडिया वालों) पर निगाह रखते हैं। वह (मोदी) जानते हैं कि आप लोगों की कोशिश क्या रहती है। अभिजीत बनर्जी ने इससे पहले आर्थिक सुस्ती को लेकर टिप्पणी की थी जिसको लेकर छिड़ी बहस की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री के साथ यह मुलाकात हुई थी। बनर्जी के साथ मुलाकात के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट पर कहा, नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी के साथ मुलाकात काफी अच्छी रही। मानव सशक्तिकरण के प्रति उनका जुनून स्पष्ट रूप से दिखा। हमारे बीच विभिन्न मुद्दों पर स्वस्थ्य और विस्तृत बातचीत हुई। भारत को उनकी सफलता को लेकर गर्व है। दूसरी ओर अभिजीत बनर्जी ने मंगलवार को भारत में बैंक संकट को लेकर चिंता जताई और स्थिति से निपटने के लिए बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से नीचे लाने समेत कुछ आक्रमक बदलाव किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि संकट से पार पाने के लिए महत्वपूर्ण और आक्रमक बदलाव लाने की जरूरत है।

एक्सिस बैंक को एकबारगी कर प्रभाव से दूसरी तिमाही में 112 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा

एजेंसी। नई दिल्ली

एक्सिस बैंक ने मंगलवार को अपने दूसरी तिमाही के परिणाम जारी करते हुए कहा कि एकबारगी कर प्रभाव के चलते उसका एकल आधार पर शुद्ध नुकसान 112.08 करोड़ रुपए रहा। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 789.61 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था।

बैंक ने स्पष्ट किया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दो 112 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा कारपोरेट कर दर में बदलाव की वजह से एक बारगी 2,138 करोड़ रुपए का कर प्रभाव उसे हुआ। इस असाधारण मद को यदि अलग कर दिया जाए तो बैंक का कर बाद मुनाफा 2,026 करोड़ रुपए होता। यह राशि 157 प्रतिशत ऊंची होती। वर्ष 2019- 20 की दूसरी तिमाही के दौरान बैंक की एकल आधार पर कुल आय मामूली घटकर 19,333.57 करोड़ रुपए रह गई जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 15,959.37 करोड़ रुपए रही थी। संपत्ति गुणवत्ता के मामले में बैंक ने कुछ सुधार दर्ज किया है। बैंक की कर्ज में फंसी राशि यानी एनपीए सितंबर 2019 में घटकर 5.03 प्रतिशत रह गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 5.96 प्रतिशत थी। शुद्ध एनपीए 1.99 प्रतिशत रहा जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 2.54 प्रतिशत रहा था।

भारत उबर के विकास की कहानी का आधार, प्रतिभाओं में निवेश जारी रखेंगे: सीईओ

एजेंसी। नई दिल्ली

एप आधारित टैक्सी सेवा देने वाली कंपनी उबर ने कहा है कि भारत कंपनी की वृद्धि का आधार है। अमेरिकी कंपनी उबर के प्रमुख दारा खोसरोशाही ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि कंपनी भारत में प्रतिभाओं में निवेश कर रही है ताकि ऐसे उत्पादों का विकास किया जा सके जिन्हें अन्य देशों में ले जाया जा सकता है।

खोसरोशाही पांच दिन की भारत यात्रा पर आए हैं। उन्होंने दिल्ली में उबर एप पर सार्वजनिक परिवहन की विशेषता की भी शुरुआत की। इसके जरिए यात्री दिल्ली मेट्रो का इस्तेमाल कर अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत उबर के विकास की कहानी का आधार है। यह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण बाजार है। भारत हमारे दस शीर्ष बाजारों में है। हम भारत में निवेश करना जारी रखेंगे। यहां हमारा कारोबार लगातार सुधर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ उत्पादों के मुनाफे का स्तर बढ़ रहा है। कंपनी भारत में दीर्घावधि की वृद्धि की दृष्टि से निवेश करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि भारत न केवल पैमाना पेश करता है बल्कि यह उबर के लिए शेष विकासशील दुनिया का नवोन्मेषण का गेटवे भी है। खोसरोशाही ने कहा कि अगले दस साल के दौरान कंपनी की वृद्धि अमेरिका, यूरोप जैसे विकसित बाजारों की तुलना में भारत, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बाजारों से अधिक परिभाषित होगी। उन्होंने बताया कि वह उबर के बेंगलुरु और हैदराबाद केंद्र भी जाएंगे। ए केंद्र विभिन्न उत्पादों और विशिष्टताओं पर काम करते हैं। इनमें कैश राइड और उबर लाइट का विकास भारत में किया गया है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ माह के दौरान कंपनी इन केंद्रों में कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाकर 1,000 करेगी। उबर के प्रमुख ने कहा कि हम भारत में बना सकते हैं और फिर उसका दुनियाभर में निर्यात कर सकते हैं।

किराना दुकानों के डिजिटलीकरण के लिए सरकार, उद्योग साथ काम करें : डेलॉयट

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार और उद्योग को किराना दुकानों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण को मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि ए देश के खुदरा क्षेत्र का महत्वपूर्ण अंग है। डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि परंपरागत और आधुनिक खुदरा क्षेत्र (ई-कॉमर्स सहित) के अपने गुण हैं जिनका साझा मंच उपलब्ध कराने के लिए एकीकरण किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजार अब परंपरागत दुकानों से

रिपोर्ट में कहा बाजार अब परंपरागत दुकानों से मिले-जुले मॉडल की ओर कर रहा रुख

मिलेजुले मॉडल की ओर रुख कर रहा है। ब्रांडों को सभी चैनलों पर उपभोक्ताओं को बाधारहित खरीदारी का अनुभव उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल करना चाहिए। रिपोर्ट कहती है, देश के खुदरा क्षेत्र में किराना दुकानें एक महत्वपूर्ण अंग हैं और निकट भविष्य में भी यही स्थिति बनी रहेगी। ऐसे में सरकार और उद्योग को इनके डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण के लिए आपस में सहयोग करना चाहिए। डेलॉयट ने कहा कि ग्रामीण बाजारों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। यदि गैर शहरी केंद्रों को नजरअंदाज किया जाता है तो उसके नतीजे खराब होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है, रणनीतियां इस तरीके से बनाई जानी चाहिए जिससे सभी लक्षित खंडों की मांग को पूरा किया जा सके। ब्रांडों को आईओटी, कृत्रिम मेधा और डेय विश्लेषण जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकियों में निवेश करना चाहिए जिससे ग्राहकों को बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके।

कोटक महिंद्रा बैंक को 2,407 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

एजेंसी। नई दिल्ली

कोटक महिंद्रा बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 38 प्रतिशत बढ़कर 2,407.25 करोड़ रुपए रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 1,747.37 करोड़ रुपए था।

शेयर बाजार को उपलब्ध कराई जानकारी के मुताबिक समीक्षावधि में बैंक की कुल आय 12,542.99 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 10,829.08 करोड़ रुपए थी इस दौरान बैंक की ब्याज से आय 8,418.75 करोड़ रुपए रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 7,285.46 करोड़ रुपए थी। समीक्षावधि में बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) उसके सकल ऋण का 2.17 प्रतिशत रहीं। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 1.91 प्रतिशत था। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए इस अवधि में 0.82 प्रतिशत रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 0.73 प्रतिशत था।

मूल्य के हिसाब से समीक्षावधि में बैंक का सकल एनपीए 5,475.48 करोड़ रुपए और शुद्ध एनपीए 2,031.59 करोड़ रुपए रहा एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ समीक्षावधि में 51 प्रतिशत बढ़कर 1,724 करोड़ रुपए रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,142 करोड़ रुपए था।

बैंक लाभ बढ़ाने के लिए कारोबार का अपना मॉडल बदलें: रपट

एजेंसी। नई दिल्ली

वैश्विक परामर्श सेवा कंपनी मैकिन्जी की एक वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों, खास कर पिछली कतार के बैंकों को अपना लाभ बढ़ाने और पूंजी का प्रतिफल सुधारने के लिए कारोबारी मॉडल शीघ्रता से बदलना होगा क्यों कि डिजिटल प्रौद्योगिकी के सहारे वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनियां बैंकों के लिए चुनौती बनती जा रही है। मैकेन्जीज ग्लोबल बैंकिंग एनुअल रिव्यू शीर्षक यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जबकि आर्थिक वृद्धि दर गिर रही है,, उत्पादकता में सुधार भी हल्का हो रहा है और क्षेत्र पर डिजिटल प्रौद्योगिकी कंपनियों का दबाव है।

विश्व में बैंकिंग क्षेत्र पर मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से मिल रही चुनौतियों को देखते हुए नीचे के एक तिहाई बैंकों को अपने कारोबार मॉडल पर नए सिरे से गौर करने और उसे बेहतर करने की जरूरत है। ए कंपनियां बैंकों की हिस्सेदारी पर कब्जा जमाती जा रही हैं। बैंकों को अत्याधुनिक विश्लेषण प्रणाली के साथ जोखिम प्रबंधन में सुधार जैसे रक्षात्मक कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही लागत में कमी लाने के लिए आक्रमक तरीके से पहल करने की आवश्यकता है। मैकिन्जी के वरिष्ठ भागीदार और रिपोर्ट लिखने में सहयोग करने वाले जॉयदीप सेनगुप्ता ने कहा, इतिहास हमें बताता है कि आज के शीर्ष बैंकों में 40 प्रतिशत की अगले दौर में स्थिति कमजोर होगी और वे नीचे के 50 प्रतिशत बैंकों में शामिल हो जाएंगे। इसीलिए यह समय साहसिक और महत्वपूर्ण कदम उठाने का है। सेनगुप्ता ने आगे कहा कि कारोबार मॉडल को फिर से तैयार करने जैसे कदमों का इस गिरावट को थामने में मदद मिल सकती है। रिपोर्ट में भारत के बारे में कहा गया है कि देश के बैंक क्षेत्र में आय में वृद्धि 22 प्रतिशत (2002-07) से घटकर 2010-18 में 10.3 प्रतिशत हो गई है। इतना ही नहीं बैंक की भौतिक संपत्ति (टैनजिबल इक्विटी) पर रिटर्न पिछले पांच साल में घटकर 2018 में 2.3 प्रतिशत पर आ गया जो 2013 में 17.7 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय बैंकों का लागत आधार भी ऊंचा है। इसका कारण कई बैंकों को गांव के ग्राहकों को सेवा देने के लिए बड़े स्तर पर जमीनी नेटवर्क बनाए रखना है। इसमें कहा गया है कि मशीन लर्निंग मॉडल बैंकों के लिए लाभदायक हो सकता है। इससे जोखिम वाले ग्राहकों की पहचान क्षमता बेहतर होगी। इसके अलावा बैंकों को विलय और अधिग्रहण के साथ-साथ भागीदारी के के जरिए प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। साथ ही बैंकों को डिजिटल-कौशल अंतर को पाटने के लिए काम करना होगा।

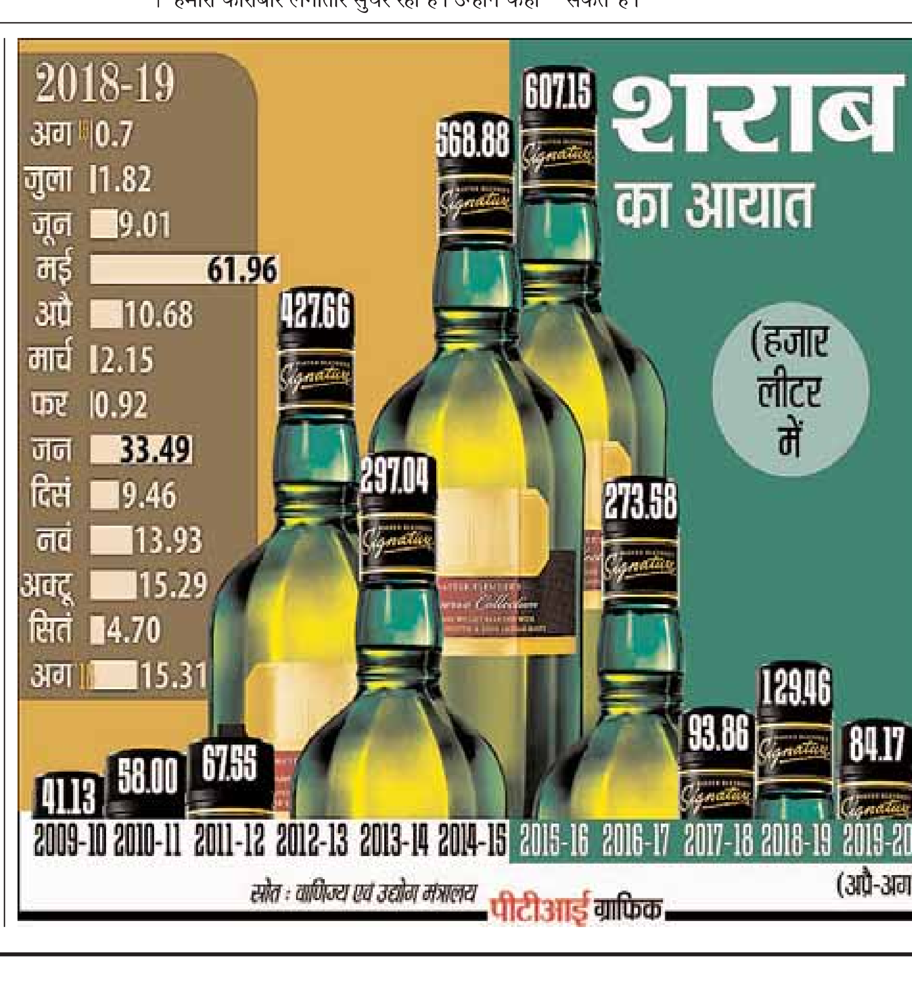

अनुच्छेद 370 हटाने के भारत के उद्देश्य का समर्थन करते हैं: अमेरिका

एजेंसी। वाशिंगटन

ट्रम्प प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के पीछे के भारत के मकसद का समर्थन करता है, लेकिन वह घाटी में मौजूदा स्थिति को लेकर चिंतित है। उसने कहा कि वह भारत के पांच अगस्त के इस फैसले के बाद से राज्य में हालात पर करीब से नजर रख रहा है।

दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों की अमेरिकी कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति की एशिया, प्रशांत एवं निरस्त्रीकरण उपसमिति को बताया कि भारत सरकार ने तर्क दिया है कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त करने का फैसला आर्थिक विकास करने, भ्रष्टाचार कम करने और खासकर महिलाओं एवं अल्पसंख्यकों के संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में सभी राष्ट्रीय कानूनों को समानता से लागू करने के लिए लिया गया है। वेल्स ने कहा, हम इन उद्देश्यों का समर्थन करते हैं, लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्रालय कश्मीर घाटी में हालात को लेकर चिंतित है जहां पांच अगस्त के बाद करीब 80 लाख लोगों का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद से अमेरिका जम्मू-कश्मीर में हालात पर करीब से नजर रख रहा है।

वेल्स ने कहा, हालांकि जम्मू और लद्दाख में हालात सुधरे हैं,

पर कश्मीर में हालात पर चिंतित हैं

लेकिन घाटी में स्थिति सामान्य नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत नेताओं और स्थानीय निवासियों को हिरासत में लेने को लेकर भारत सरकार के समक्ष चिंता जताई है।

उन्होंने कहा, हमने भारत सरकार से मानवाधिकारों का सम्मान करने और इंटरनेट एवं मोबाइल नेटवर्कों समेत सेवाओं तक पूर्ण पहुंच बहाल करने की अपील की है। वेल्स ने कहा कि कश्मीर में हुए घटनाक्रम को विदेशी और स्थानीय पत्रकारों ने बड़े पैमाने पर कवर किया है लेकिन सुरक्षा संबंधी पाबंदियों के कारण उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीधी वार्ता के समर्थक हैं: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि वह शिमला समझौते के अनुसार भारत एवं पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का समर्थन करता है लेकिन इस वार्ता में मुख्य बाधा सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान का समर्थन देना है। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों की अमेरिकी कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति की एशिया, प्रशांत एवं निरस्त्रीकरण उपसमिति से कहा, हमारा मानना है कि 1972 के शिमला समझौते में बताए अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत करना तनाव कम करने में सर्वाधिक कारगर हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा बताया जाता है कि 2006-2007 में पर्दे के पीछे की वार्ता के दौरान भारत और पाकिस्तान ने कश्मीर समेत कई मामलों पर उल्लेखनीय प्रगति की थी। वेल्स ने कहा, इतिहास दर्शाता है कि क्या संभव हो सकता है। उन्होंने कहा, उपयोगी द्विपक्षीय वार्ता पुन: आरंभ करने के लिए भरोसा कायम करने की आवश्यकता है और सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान का समर्थन देना इस वार्ता में मुख्य बाधा है। वेल्स ने कहा कि अमेरिका पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के इस हालिया बयान का स्वागत करता हौ कि कश्मीर में हिंसा करने वाले पाकिस्तान के आतंकवादी कश्मीरियों और पाकिस्तान दोनों के दुश्मन है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी समूहों को शरण दे रहा है जो सीमा पार हिंसा को भड़काना चाहते हैं। पाकिस्तान का शरण मुहैया कराना अस्थिरता पैदा करता है और पाकिस्तानी प्राधिकारी अपने कदमों के लिए जवाबदेह हैं। वेल्स ने कहा, हमारा मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी प्रकार की सफल वार्ता इस बात पर निर्भर करती है कि पाकिस्तान अपनी जमीन पर आतकंवादियों के खिलाफ सतत एवं अपरिहार्य कार्वाई करे। उन्होंने सांसदों से कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा समेत अपने भारतीय एवं पाकिस्तानी समकक्षों से कई बार बात की। वेल्स ने कहा कि कश्मीर में सुरक्षा हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं एवं सुरक्षा बलों के बीच नियमित झड़पें हो रही रही हैं, तथा भारतीय बलों ने पिछले सप्ताह कई मुठभेड़ों में संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा, हम स्थानीय एवं विदेशी आतंकवादियों द्वारा सामान्य आर्थिक गतिविधि बाधित करने के लिए स्थानीय निवासियों और कारोबारियों को डराने-धमकाने की कोशिश करने की खबरों को लेकर चिंतित हैं। अमेरिका शांतिपूर्ण प्रदर्शन के कश्मीरियों के अधिकारी का समर्थन करता है लेकिन आतंकवादियों के कृत्यों की निंदा करता है जो वार्ता को कमजोर करने के लिए हिंसा एवं भय का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

एलओसी का दौरा करने वाले विदेशी राजनयिकों के साथ शामिल नहीं हुए भारतीय अधिकारी : पाक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने मंगलवार को कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ लगने वाले सेक्टरों के दौरे पर गए कुछ विदेशी राजनयिकों के साथ भारतीय अधिकारी नहीं गए। वहीं भारतीय सेना ने तीन आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने का दावा किया है। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने रविवार को कहा था कि जम्मू-कश्मीर के तंगधार और केरान सेक्टर में भारतीय सेना की ओर से की गई जवाबी कार्वाई में पाकिस्तानी सेना के छह से 10 सैनिक मारे गए और तीन आतंकवादी शिविर नष्ट किए गए। उन्होंने कहा था कि भारतीय बलों की कार्वाई में एक अन्य आतंकी शिविर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और जवाबी कार्वाई से नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादी ढांचों को काफी नुकसान पहुंचा। वहीं पाकिस्तानी सेना ने रविवार को कहा था कि भारत अपने दावे को साबित करने के लिए कथित आतंकी शिविरों तक किसी विदेशी राजनयिक या मीडिया को ले जा सकता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैसल ने कहा कि इस्लामाबाद में विभिन्न विदेशी दूतावास के राजनयिक जुरा और शाहकोट सेक्टर का दौरा कर रहे हैं। फैसल ने कहा, भारत की तरफ से कोई भी एलओसी के इस दौरे में शामिल नहीं हुआ और न ही उन्होंने कथित लॉन्चपैड को चिह्नित करने वाले कोई संकेत दिए। उन्होंने कहा कि, भारतीय सेना प्रमुख के दावे महज दावे हैं। एलओसी का दौरा कर रहे राजनयिकों के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैसल भी मौजूद हैं।

जापान के सम्राट नारुहितो ने राज्याभिषेक समारोह पूरा होने के बाद सिंहासन संभाला

जापान के सम्राट नारुहितो, एक सफेद बागे में, तोक्यो के इम्पीरियल पैलेस में एक तीर्थस्थल पर प्रार्थना करने के बाद निकलते हुए

एजेंसी। तोक्यो

जापान के सम्राट नारुहितो ने मंगलवार को अपना राज्याभिषेक समारोह संपन्न होने के बाद राजसिंहासन संभाल लिया। देश में राजवंश की परंपरा दो हजार साल पुरानी बताई जाती है।

राज्याभिषेक संबंधी रस्में पूरी होने के बाद सम्राट अकिहितो ने क्राइसैंथिमम थ्रोन (राजसिंहासन) अपने बेटे नारुहितो के हवाले कर दिया और इस तरह नारुहितो देश के 126वें सम्राट बन गए। नारुहितो के राज्याभिषेक की प्रक्रियाएं इस वर्ष के आरंभ में उनके पिता के पदत्याग के साथ शुरू हुई थीं जिन्होंने स्वास्थ्य कारणों से राजसिंहासन छोड़ने की इच्छा जताई थी। जापान के नए सम्राट के राज्याभिषेक में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द सहित दुनियाभर की अनेक राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं।

देश में भीषण तूफान के चलते राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली सार्वजनिक परेड को रद्द कर दिया गया था, लेकिन सरकार ने इस अवसर के महत्व को देखते हुए यातायात नियमों के उल्लंघन सहित मामूली अपराधों में शामिल पांच लाख से अधिक लोगों क्षमादान दे दिया था। राज्याभिषेक से संबंधित मुख्य समारोह इंपीरियल पैलेस के पाइन रूम में हुआ जहां इस क्षण की साक्षी बनने के लिए सैकड़ों हस्तियां मौजूद थीं। राज्याभिषेक के दौरान नए सम्राट के साथ उनकी पत्नी एवं महारानी मसाको भी खड़ी थीं।

सिंहासन पर आरूढ़ होने के बाद सम्राट नारुहितो ने कहा, मैं एतद द्वारा देश और विदेश में अपने सिंहासन आरूढ़ होने की घोषणा करता हूं। हार्वर्ड शिक्षित एवं पूर्व राजनयिक मसाको महारानी के रूप में अपने सिंहासन के सामने शांत खड़ी हुई थीं। राजसिंहासन मिलने के बाद नारुहितो ने कहा, मैं यह प्रतिज्ञा लेता हूं कि मैं जापानी लोगों और विश्व शांति की खुशहाली के लिए कामना करूंगा तथा जापान के प्रतीक के रूप में और जापानी लोगों की एकता के रूप में अपने कर्तव्य का पालन करूंगा। सम्राट और राजपरिवार के लोगों के साथ खड़े जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने वायदा करते हुए कहा, महामहिम सम्राट, जापान देश और जापानी लोगों की एकता के रूप में जापान के लोग हमेशा आपका सम्मान करेंगे। इसके बाद उन्होंने तीन बार अपना हाथ उठाया और बंजाई का नारा लगाया जिसका अर्थ है सम्राट अमर रहें।

सम्राट नारुहितो और महारानी मसाको 17 वर्षीय पुत्री आइको के अभिभावक हैं। राजपरिवार के नियम किसी पुरुष को ही राजसिंहासन सौंपे जाने की अनुमति देते हैं। यदि राजपरिवार की कोई महिला किसी आम व्यक्ति से शादी कर लेती है तो वह राजपरिवार के अधिकार खो देती है। नारुहितो के सम्राट बनने के बाद अब उनके भाई अकिशिनो युवराज बन गए हैं। अकिशिनो का 13 वर्षीय पुत्र हिसाहितो वर्तमान में राजपरिवार का एकमात्र उत्तराधिकारी है। राजसिंहासन के उत्तराधिकार से जुड़े नियमों में बदलाव करने का सवाल समय-समय पर उठता रहा है। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके के अनुसार, 74 प्रतिशत लोग नियमों में बदलाव के पक्षधर हैं, लेकिन अब तक औपचारिक तौर पर इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है।

हिंसा, भेदभाव की घटनाएं भारत के अल्पसंख्यकों को कानूनी संरक्षण के अनुरूप नहीं : अमेरिका

एजेंसी। वाशिंगटन

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और भेदभाव की घटनाएं, स्वयंभू गो रक्षकों द्वारा दलितों और मुस्लिमों पर हमले जैसी घटनाएं भारत द्वारा अल्पसंख्यकों को प्रदत्त कानूनी संरक्षण के अनुरूप नहीं हैं। अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने कांग्रेस की उप समिति को यह कहा है।

दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों की कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने कहा कि भारत के साथ साझेदारी पर अमेरिका को गर्व है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के तहत धर्मनिरपेक्ष देश को सभी नागरिकों के अधिकार बरकरार रखना चाहिए ताकि वह अपने धर्म का आजादी के साथ पालन कर सकें, जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हो और कानून के दायरे में सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता हो। एशिया, प्रशांत और परमाणु अप्रसार पर सदन की विदेश मामलों की समिति की उपसमिति में वेल्स ने कहा, भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और भेदभाव की घटनाएं, स्वयंभू गो रक्षकों द्वारा दलित और मुस्लिम समुदाय के लोगों के खिलाफ हमले, नौ राज्यों में धर्म परिवर्तन निरोधी कानून का होना आदि अल्पसंख्यकों के लिए भारत की कानूनी संरक्षण व्यवस्था का विरोधाभासी है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत की सरकार कहा है कि वह धार्मिक स्वतंत्रता के सार्वभौमिक अधिकार को पूरी तरह कायम रखे और अति संवेदनशील लोगों की रक्षा करे। इनमें असम के वह 19 लाख लोग भी शामिल हैं जिनकी नागरिकता को लेकर सवाल उठने की वजह से उन्हें राज्य से हटाए जाने का खतरा मंडरा रहा है। साथ ही अमेरिका ने भारत से कहा है कि वह हिंसा की सभी घटनाओं की निंदा करे और उन्हें अंजाम देने वालों को जवाबदेह ठहराए। वेल्स ने कहा कि बीते मई माह में ऐतिहासिक चुनाव में 68 फीसदी योग्य मतदाताओं ने मतदान किया था। इसमें हर धर्म, जाति, पंथ तथा सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग शामिल थे। इसमें रिकॉर्ड संख्या में महिला मतदाता भी थीं। उन्होंने भारत की विविधता और अमेरिका के साथ उसकी बढ़ती रणनीतिक साझेदारी की तारीफ भी की।

ट्रंप व्हाइट हाउस में बृहस्पतिवार को मनाएंगे दिवाली

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में दिवाली का जश्न मनाएंगे। भारत में दीपोत्सव मनाए जाने से तीन दिन पहले यहां यह आयोजन किया जा रहा है।

व्हाइट हाउस में ट्रंप तीसरी बार दवाली का जश्न मनाने जा रहे हैं। इस परंपरा की शुरूआत उनके पूर्ववर्ती बराक ओबामा ने 2009 में की थी। व्हाइट हाउस के मुताबिक ट्रंप दीप जलाने की रस्म के साथ बृहस्पतिवार को दिवाली मनाएंगे। आयोजन संबंधी अन्य ब्योरे फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पहली बार दिवाली 2017 में अपने ओवल कार्यालय में मनाई थी। इस दौरान उनके प्रशासन के सदस्य और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेताओं का एक विशिष्ट समूह मौजूद था।

पिछले साल ट्रंप ने अमेरिका के लिए भारत के तत्कालीन राजदूत नवतेज सिंह सरना को दिवाली आयोजन के लिए आमंत्रित किया था। इस बीच अमेरिका में दिवाली का जश्न शुरू हो चुका है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग अबोट ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ शनिवार को दिवाली मनाई। उन्होंने ट्वीट किया, हमने गवर्नर मेंशन में दीप जलाए। हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टेक्सास दौरे की चर्चा की। हमने अंधेरे पर रोशनी की जीत का जश्न मनाया। टेक्सास से रिपब्लिकन सांसद पीटे ओलसन ने भी ट्वीट किया, बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में दिवाली मनाते हुए।

पाक में मानवाधिकार उल्लंघनों, धार्मिक भेदभाव की खबरों से बेहद चिंतित : अमेरिका

एजेंसी। वाशिंगटन

पाकिस्तान में नागरिक समाज और मीडिया स्वतंत्रता के सीमित किए जा रहे दायरे को चिंताजनक बताते हुए अमेरिका ने कहा है कि वह देश में मानवाधिकार उल्लंघनों और लोगों के साथ धर्म के आधार पर हो रहे भेदभाव से बहुत चिंतित हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान सरकार से विधि का शासन और देश के संविधान में निहित स्वतंत्रता को बरकरार रखने की अपील की है। दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जे वेल्स ने एशिया, प्रशांत और परमाणु अप्रसार पर सदन की विदेश मामलों की समिति की उपसमिति के लिए तैयार किए गए एक बयान में उम्मीद जताई कि मौजूदा आईएमएफ योजना के तहत पाकिस्तान जो सुधार कर रहा है, वे बेहतर आर्थिक प्रबंधन एवं विकास की नींव रखेंगे जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मानवाधिकार स्थिति में सुधार होगा। उन्होंने कहा, हाल के कुछ वर्षों में, हमने पाकिस्तान में कुछ चिंताजनक चलन देखे हैं जिनमें नागरिक समाज और मीडिया स्वतंत्रता का सीमित किया जा रहा दायरा भी शामिल है। मीडिया और नागरिक समाज पर उत्पीड़न, धमकियां और वित्तीय एवं नियामक कार्वाई करने जैसे दबाव पिछले कुछ सालों में बढ़े हैं। वेल्स ने कहा कि अमेरिका पाकिस्तान सरकार से विधि का शासन बरकरार रखने की अपील करता है। उन्होंने कहा कि इसमें उन समूहों के शांतिपूर्ण एकत्रित होने के अधिकार भी शामिल हैं जो नेतृत्व एवं सुरक्षा प्रतिष्ठान की आलोचना करते हैं जैसे पश्तून तहाफुज आंदोलन।

क्विक न्यूज

चीन ने एक चौथाई विदेशी मीडिया वेबसाइटों को किया प्रतिबंधित: निगरानी संस्था

वुजहेन। चीन ने देश मे विदेशी समाचार संगठनो के एक धड़े पर रोक लगा दी है जिसके तहत चीन के नागरिक इन संस्थानो की वेबसाइटो की खबरे देख और पढ़ नही सकेंगे। प्रेस पर निगरानी रखने वाली एक एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फॉरिन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ चाइना (एफसीसीसी) ने एक बयान मे कहा कि दरअसल चीन के नागरिक अब यहां काम कर रहे 215 समाचार संगठनो मे से 23 प्रतिशत की विषय-वस्तु नही पढ़ सकेंगे। इन समचार संगठनो के पत्रकार चीन मे काम करते है। एफसीसीसी ने बताया कि मुख्य रूप से अंग्रेजी मे काम करने वाले 31 फीसदी समाचार संगठनो पर रोक लगा दी गई है। प्रतिबंधित वेबसाइटो मे बीबीसी, ब्लूमबर्ग, द गार्डियन, द न्यूयॉर्क टाइम्स, द वॉल स्ट्रीट जर्नल, वॉशिंगटन पोस्ट, योमीयूरी सिम्बन और कई अन्य शामिल है।

संघर्ष राकथाम में महिलाओं की भागीदारी बेहद जरूरी : भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने विश्वभर मे संघर्षो को रोकने के लिए होने वाले शांति समझौतो की प्रक्रिया मे महिलाओ की कम भागीदारी पर निराशा जताते हुए कहा कि संघर्ष की रोकथाम और पुनर्वास प्रक्रियाओं में महिलाओ की भागीदारी अत्यावश्यक है। संयुक्त राष्ट्र मे भारत के स्थाई मिशन मे प्रथम सचिव पोलोमी त्रिपाठी ने रेखांकित किया कि पिछले तीन दशको मे जिन शांति समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, उनमें से ज्यादातर में किसी महिला के हस्ताक्षर नही थे और ज्यादातर शांति समझौते महिलाओ का संदर्भ देने और लिंग के आधार पर होने वाली हिसा जैसी उनकी ज्यादातर समस्याओ को उठाने मे विफल रहे।

ट्रूडो की लिबरल पार्टी की जीत अल्पमत सरकार बनाएंगे

एजेंसी। ओटावा

कनाडा में सोमवार को संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी और कन्जर्वेटिव पार्टी के बीच कड़ी टक्कर के बाद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के फिर से सत्ता पर काबिज होने की संभावना है।

कनाडा के टेलीविजन प्रसारणकर्ताओं ने घोषणा की कि लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा अल्पमत की सरकार बनाएगी क्योंकि पार्टी 338 चुनावी जिलों में से 156 में विजई रही है या आगे चल रही है जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एंड्रयू शीर और उनकी कन्जर्वेटिव पार्टी 122 सीटों पर जीती है या आगे चल रही है। अपने पहले कार्यकाल के चार वर्ष में ट्रूडो कनाडाई राजनीति में छाए रहे लेकिन 40 दिवसीय चुनाव प्रचार मुहिम में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस बार की चुनाव प्रचार मुहिम को कनाडा के इतिहास की सबसे निचले दर्जे की मुहिम बताया जा रहा है। ट्रूडो (47) ने अपने उदारवादी पिता एवं दिवंगत प्रधानमंत्री पियर ट्रूडो की अपार लोकप्रियता को आगे बढ़ाते हुए 2015 का चुनाव जीता था, लेकिन घोटाले और लोगों की भारी उम्मीदों ने उनकी जीत की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। ट्रूडो ने कनाडा में करीब 10 साल तक चले कंजर्वेटिव पार्टी के शासन के बाद 2015 में उदारवादी सरकार बनाई थी और वह दुनिया के चुनिंदा उदारवादी नेताओं में एक हैं।

कनाडा में सरकार बनाने में किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है भारतीय मूल के नेता की पार्टी

ओटावा। भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) इस बार हुए आम चुनावों में किंगमेकर की भूमिका में उभरी है क्योंकि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को रोमांचक चुनावी मुकाबले में बहुमत नहीं मिला है। हालांकि सबसे अधिक सीटें जीतने के साथ ही वह सत्ता के दावेदार बने हुए हैं। हाल ही में संपन्न कनाडाई आम चुनाव में एनडीपी को 24 सीटें मिली। लिबरल पार्टी को 157 सीटें, विपक्षी कंजर्वेटिव को 121, ब्लॉक क्यूबेकोइस को 32, ग्रीन पार्टी को तीन और निर्दलीय को एक सीट मिली। ट्रूडो को 338 सदस्ईय हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार बनाने के लिए 170 के जादुई आंकड़े पर पहुंचने के लिए वामपंथी झुकाव वाली विपक्षी पार्टियों से कम से कम 13 सांसदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। टोरंटो स्टार समाचार पत्र ने कहा, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी संसद में किंगमेकर की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। जगमीत सिंह पहले के अपने रुख से पलटते हुए चुनाव में अपना अस्तित्व बचाने में कामयाब रहे। हालांकि 2015 के मुकाबले इस बार वे केवल 50 फीसदी सीटें ही बचा पाए। सीटों की संख्या में गिरावट के बावजूद सिंह ने मंगलवार को अपने भाषण में कहा कि उनकी पार्टी कनाडाई लोगों की प्राथमिकताओं पर काम करने के लिए अब कड़ी मेहनत करेगी। कनाडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की खबर के मुताबिक, खुद प्रधानमंत्री पद के दावेदार रहे सिंह (40) ने कहा कि वह चाहते हैं कि एनडीपी नई संसद में रचनात्मक भूमिका निभाए। कनाडा में संघीय राजनीतिक दल के पहले अश्वेत नेता ने 47 वर्षीय ट्रूडो की जीत पर उन्हें बधाई दी और कहा कि उन्होंने उनसे बात की है। ग्रीन पार्टी ने पहले ही विपक्ष में बैठने के संकेत दिए हैं। वहीं ब्लॉक क्यूबेकोइस नेता एव्स फ्रांकोइस ब्लैंचेट ने भी सरकार में शामिल होने की अनिच्छा जताई है। ऐसे में सभी की निगाहें एनडीपी पर टिकी हैं।

नवाज शरीफ के दामाद कैप्टन (सेवानिवृत्त) सफदर घृणा भाषण मामले में गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के दामाद कैप्टन (सेवानिवृत्त) मोहम्मद सफदर को सेना प्रमुख और शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ कथित तौर पर टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। लाहौर पुलिस ने एक वक्तव्य में कहा कि सफदर को सोमवार रात रावी टोलप्लाजा के निकट से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि सफदर ने 13 अक्टूबर को सरकारी संस्थानों के खिलाफ घृणा भाषण दिया था, वह उसी मामले में वांछित है। उन्होंने कहा, सेना और न्यायपालिका के खिलाफ घृणा भाषण देने के कारण सफदर के खिलाफ सदर रोड लाहौर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सेहत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए नवाज शरीफ

एजेंसी। लाहौर

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सेहत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। भ्रष्टाचार रोधी निकाय के हिरासत केंद्र में प्लेटलेट की संख्या अत्यधिक घट जाने के बाद उनकी तबियत बिगड़ गई। शरीफ (69) 24 दिसंबर, 2018 से जेल की सजा काट रहे हैं जब जवाबदेही अदालत ने अल अजीजिया स्टील मिल्स मामले में उन्हें दोषी करार देकर सात साल की सजा सुनाई थी। तीन बार प्रधानमंत्री रहे शरीफ को सोमवार की रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शरीफ के निजी फिजिशियन डॉ अदनान खान ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का प्लेटलेट काउंट अत्यधिक घट गया है, यह कई प्रकार के रोगों की वजह से हो सकता है और इसके लिए अस्पताल में रख कर तत्काल इलाज की जरूरत है। खान ने कहा, मैंने संबंधित अधिकारियों से तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया है। खान ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय जवाबदेही अदालत (एनएबी) की जेल में शरीफ से मुलाकात की और वह देखने से ही बीमार लग रहे थे। पीएमएल-एन अध्यक्ष एवं नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने आरोप लगाया कि उनके बड़े भाई की बिगड़ती सेहत के बावजूद उन्हें जल्द अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया।

एर्दोआन ने कुर्द लड़ाकों की वापसी तक हमले जारी रखने की धमकी दी

एजेंसी। अंकारा

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तय्यब एर्दोआन ने मंगलवार को सीरिया में अधिक तीव्रता के साथ फिर से सैन्य हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि जब तक अमेरिका के हस्तक्षेप वाले समझौते के तहत कुर्द लड़ाकों की वापसी नहीं हो जाती, हमले जारी रहेंगे। एर्दोआन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से होने वाली बातचीत के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा, यदि अमेरिका द्वारा हमारे देश को दिया गया वादा पूरा नहीं होता है तो हम अपना सैन्य अभियान और अधिक तीव्रता से वहीं से शुरू करेंगे जहाँ हमने छोड़ा था।

पिछले सप्ताह अमेरिकी उप राष्ट्रपति माइक पेन्स के साथ हुए समझौते के बाद तुर्की ने अपनी सैन्य कार्वाई को पिछले गुरुवार से 120 घंटे के लिए रोक दिया था। इस अवधि के बीच कुर्दिश लड़ाकों को पीछे हटना था ताकि सीमा पर एक सुरक्षित क्षेत्र बन सके।

एर्दोआन ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें तुर्की की सीमा पर विभिन्न क्षेत्रों में दमिश्क (सीरिया) सरकार की मौजूदगी से कोई चिंता नहीं है। उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों की युद्धविराम बढ़ाने की अपील भी ठुकरा दी थी। मैक्रों ने सोमवार को पुतिन से कहा कि फ्रांस उत्तर पूर्वी सीरिया में तुर्की द्वारा युद्धविराम का विस्तार देखना चाहता है। एर्दोआन ने तुर्की द्वारा सीरिया में की जा रही सैन्य कार्वाई का विरोध करने वाले ईरान के प्रति भी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हसन रूहानी को विरोध करने वाली आवाज को दबा देना चाहिए। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों और ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ होने वाली सुनियोजित वार्ता के बारे में एर्दोआन ने कहा कि मुलाकात 3-4 दिसंबर को आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के पहले या बाद में लंदन के पास हो सकती है।

अफगान शहर में तालिबानी हमले में 15 पुलिसकर्मियों की मौत

काबुल। तालिबान ने उत्तरी अफगानिस्तान में एक जांच चौकी पर हमला कर कम से कम 15 पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतार दिया। एक अफगान प्रांतीय अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय परिषद के सदस्य गुलाम रबानी रबानी के मुताबिक, उत्तरी प्रांत कुंदूज के अली अबाद जिले की जांच चौकी पर सोमवार को देर रात चारों तरफ से हमला किया गया और इसी के साथ कई घंटों तक दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। उन्होंने कहा कि हमले में 15 पुलिसकर्मियों की मौत के साथ ही दो अन्य अधिकारी भी घायल हो गए। रबानी ने कहा कि यह हमला तब हुआ जब अफगान सैनिक कुंदूज के दश्टी आर्ची और इमाम साहिब जिलों में पिछले कुछ हफ्तों से तालिबान के साथ संघर्ष कर रहे हैं।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका का सफाया किया

● अंतिम टेस्ट में पारी और 202 रन से हराया, सीरीज 3-0 से क्लीनस्वीप किया

एजेंसी। रांची

भारत ने शानदार आलराउंड प्रदर्शन के दम पर मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को तीसरे और अंतिम टेस्ट में पारी और 202 रन से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीनस्वीप किया। भारत को इस जीत से 40 अंक मिले और उसने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अपने सभी पांचों मैच जीतकर 240 अंक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विराट कोहली की अगुआई में भारत ने 11वीं टेस्ट श्रृंखला जीती है। भारतीय टीम ने साथ ही पहली बार किसी टेस्ट श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका का क्लीनस्वीप किया है। भारत ने घरेलू सरजमीं पर लगातार 11वीं श्रृंखला जीती। भारत ने कल तीसरे दिन ही दक्षिण अफ्रीका को फालोआन के लिए मजबूर करते हुए दूसरी पारी में उसका स्कोर आठ विकेट पर 132 रन कर दिया था। मेजबान टीम ने आज सिर्फ दो ओवर में ही जीत की औपचारिकता पूरी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 48 ओवर में 133 रन पर समेट दिया। भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 497 रन बनाने के बाद घोषित की थी जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 162 रन ही बना सकी थी। श्रृंखला और मैच का नतीजा भारत के दबदबे को दर्शाता है जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम के गिरते स्तर की ओर भी इशारा करता है जो भारत की मजबूत बल्लेबाजी और गेंदबाजी को कोई टक्कर नहीं दे पाई। पदार्पण कर रहे बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम (18 रन पर दो विकेट) ने सुबह के दूसरे ओवर की अंतिम दो गेंदों पर थ्यूनिस डि ब्रून (30) और लुंगी एनगिडी (00) को पवेलियन भेजकर भारत की जीत की औपचारिकता पूरी की। डि ब्रून ने नदीम की नीची रहती गेंद पर विकेटकीपर रिद्धिमान साहा को कैच थमाया जबकि एनगिडी ने अगली गेंद पर सीधा शाट खेला लेकिन गेंद दूसरे छोर पर खड़े दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एनरिक नोर्टजे (05) के हाथ से टकराकर नदीम के हाथों में पहुंच गई। भारत की ओर से मोहम्मद शमी ने 10 रन देकर तीन विकेट जबकि उमेश यादव ने 35 रन देकर दो विकेट चटकाए। रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन को एक-एक विकेट मिला। तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत ने स्वदेश में छठी बार क्लीनस्वीप किया है। भारत ने पहला टेस्ट 203 रन से और दूसरा पारी और 137 रन से जीता था। इस श्रृंखला से सलामी बल्लेबाज की भूमिका की शुरुआत करने वाले रोहित शर्मा ने तीन टेस्ट में 529 रन जोड़े। मयंक अग्रवाल ने भी एक दोहरा शतक और एक शतक जड़ा जिससे भारत की सलामी जोड़ी की समस्या फिलहाल हल होती नजर आ रही है। श्रृंखला के दौरान भारत के तेज गेंदबाजों ने जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। स्ट्रेस फ्रेक्चर के कारण बुमराह इस श्रृंखला में नहीं खेल पाए। रविचंद्रन अश्विन (15 विकेट), रविंद्र जडेजा (13 विकेट) और शाहबाज नदीम (एक मैच में चार विकेट) की स्पिन तिकड़ी ने श्रृंखला में 32 विकेट चटकाए जबकि मोहम्मद शमी (13 विकेट), उमेश यादव (दो टेस्ट में 11 विकेट) और इशांत शर्मा (दो टेस्ट में दो विकेट) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने 26 विकेट हासिल किए। शमी ने मैच के बाद कहा, हम अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए हमेशा तैयार हैं। एक कप्तान के रूप में विराट आपको आत्मविश्वास देता है, आप वह कीजिए जो करना चाहते हैं। हम गेंद को सही लाइन और लेंथ के साथ करने का प्रयास करते हैं। फिटनेस काफी मायने रखती है, टीम का माहौल ऐसा है कि हम फिटनेस पर काफी ध्यान देते हैं। भारतीय टीम एक ऐसी इकाई बन गई है जो एक दूसरे की सफलता का लुत्फ उठाती है और इससे हमारा मनोबल बढ़ता है। तेज गेंदबाजों के रूप में हम एक पायदान आगे बढ़े हैं। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज पूरी श्रृंखला के दौरान भारतीय गेंदबाजों के सामने बेबस नजर आए। टीम के बल्लेबाज छह पारियों में दो शतक और पांच अर्धशतक ही जड़ पाए और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने स्वीकार किया कि 2015 की पूरी तरह से स्पिन की अनुकूल पिचों के विपरीत इस बार उनकी टीम को बेहतर पिचों पर एकतरफा हार का सामना करना पड़ा।

जब तब हमारे इरादे में ईमानदारी होगी, नतीजे आएंगेः कोहली

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने मंगलवार को यहां तीन टेस्ट की श्रृंखला मे दक्षिण अफ्रीका का सूपड़ा साफ करने के बाद कहा कि हमारे इरादों मे ईमानदारी है और टीम के पक्ष मे आ रहे शानदार नतीजे इसी का असर है। श्रृंखला मे भारत के दबदबे का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि मेजाबन टीम ने तीन मे से दो मैचों मे पारी के अंतर से जीत दर्ज की। भारत ने घरेलू सरजमी पर लगातार 11वी श्रृंखला जीती है। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन मे कोहली ने कहा, जब तक हम ईमानदारी से अपना काम करते रहेंगे तब तक नतीजे आएंगे। हम टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ टीम बनना चाहते थे, जब तब हम संघर्ष करना जारी रखेंगे चीजें हमारे मुताबिक होंगी।

रोहित ने कहा, कोच और कप्तान के समर्थन से मदद मिली

भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का मानना है कि कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री के उनकी क्षमता पर भरोसे से उन्हें टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज करने में मदद मिली। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, कोच और कप्तान के समर्थन से मदद मिलती है। पारी का आगाज करने का मौका देने के लिए मै टीम प्रबंधन का आभारी हूं। इस तरह की अटकले थी कि कुछ महीने पहले रोहित और कोहली के बीच सब कुछ ठीक नही चल रहा था। कोहली और कोच रवि शास्त्री हालांकि पहले ही इस तरह की अटकलों को बकवास करार दे चुके है।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी: नौ विकेट पर 497 रन (पारी घोषित), दक्षिण अफ्रीका पहली पारी: 162,दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी: क्विंटन डिकाक बो उमेश 05, डीन एल्गर रिटायर्ड हर्ट 16, जुबैर हमजा बो शमी 00, फाफ डु प्लेसिस पगबाधा बो शमी 04, तेंबा बावुमा का साहा बो शमी 00, हेनरिक क्लासेन पगबाधा बो उमेश 05, जार्ज लिंडे रन आउट 27, डेन पीट बो जडेजा 23, थ्यूनिस डि ब्रून का साहा बो नदीम 30, कागिसो रबादा का जडेजा बो अश्विन 12, एनरिच नोर्टजे नाबाद 05, लुंगी एनगिडी का एवं बो नदीम 00, **अतिरिक्त**: 06, **कुल**: 48 ओवर में सभी विकेट खोकर: 133 रन, **विकेट पतन**: 1-5, 2-10, 3-18, 4-22, 5-36, 6-67, 7-98, 8-121, 9-133,**गेंदबाजी**: शमी 10-6-10-3, उमेश 9-1-35-2, जडेजा 13-5-36-1, नदीम 6-1-18-2,अश्विन 10-3-28-1

भारत की जीत के बाद स्टेडियम पहुंचे धोनी

रांची। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम मे पूव कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी नजर नही आए लेकिन मैच और श्रृंखला के खत्म होने के बाद रांची का यह राजकुमार जेएससीए स्टेडियम पहुंचा जहां कोच रवि शास्त्री और दूसरे खिलाड़ियों के साथ उनकी तस्वीरें देखने को मिली। विराट कोहली की टीम ने इस टेस्ट को पारी और 202 रन से अपने नाम किया। शास्त्री ने धोनी के साथ ट्विटर पर फोटो साझा करते हुए लिखा, श्रृंखला मे शानदार जीत के बाद सही मायने मे भारतीय दिग्गज को देखना कमाल का अनुभव है। कोहली से संवाददाता सम्मेलन मे जब एक पत्रकार ने धोनी के बारे मे पूछा तो उन्होंने कहा, वह ड्रेसिंग रूम मे है। आप आकर उन्हे हेलो बोल सकते है। भारत को दो विश्व कप मे चैम्पियन (टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय) बनाने वाले 37 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी के भविष्य के बारे मे कई तरह की अटकले लगाई जा रही है। पिछले विश्व कप के सेमीफाइनल मे भारत की हार के बाद धोनी ने ब्रेक लिया था लेकिन उन्होंने भविष्य की योजना के बारे मे कुछ नही बताया है। इस दौरान उन्होंने प्रादेशिक सेना मे सेवाएं दी, जहां वह मानद लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर है। उन्होंने इसके बाद अमेरिका मे गोल्फ मे भी हाथ आजमाया। बीसीसीआई ने भी धोनी की तस्वीर साझा की जिसमे वह भारतीय ड्रेसिंग रूम मे दिख रहे है। इस तस्वीर मे वह पदार्पण कर रहे बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम के साथ बात करते दिख रहे है। नदीम ने इस मुकाबले मे चार विकेट लिए।

भारत में सिर्फ पांच टेस्ट स्थल होने चाहिएः कोहली

रांची। भारतीय कप्तान विराट कोहली का मानना है कि अब समय आ गया है कि भविष्य मे होने वाली घरेलू श्रृंखलाओं के लिए बीसीसीआई को पांच टेस्ट स्थलो का चयन करना चाहिए जैसा कि इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया मे शीर्ष टीमो के दौरे पर होता है। बड़ी टीमो के दौरे के लिए आस्ट्रेलिया मे मेलबर्न, सिडनी, पर्थ, ब्रिसबेन और एडिलेड पांच टेस्ट स्थल है। इसी तरह बड़ी टेस्ट श्रृखलाओं (एशेज । भारत) के लिए इंग्लैड मे लार्ड्स, ओवल, ट्रेंट ब्रिज, ओल्ड ट्रैफर्ड, एजबेस्टन, साउथेम्प्टन और हेडिंग्ले मुख्य टेस्ट स्थल है। रांची मे टेस्ट के दौरान मैदान मे दर्शको की कमी के बारे मे पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने कहा, यह अच्छा सवाल है। हम काफी समय से इस बारे मे चर्चा कर रहे है। मेरा मानना है कि टेस्ट मैचो के पांच स्थल होने चाहिए। कोहली के इस सुझाव को बीसीसीआई के निर्वाचित अध्यक्ष सौरव गांगुली विचार कर सकते है। कोहली ने कहा, अगर आप टेस्ट क्रिकेट को जीवंत और रोचक बनाए रखना चाहते है तो मै इस बात को लेकर पूरी तरह से सहमत हूं कि अधिक से अधिक पांच टेस्ट स्थल होने चाहिए। यह इतने अधिक जगह पर नही होना चाहिए जहां कम लोग मैच देखने पहुंचते है या नही आते है। उन्होने कहा, ऐसा होने से भारत दौरे पर आने वाली टीमो को भी फायदा होगा जिन्हे पता होगा कि उन्हे इन्ही पांच जगहो मे से कही टेस्ट खेलना होगा। कोहली ने यह नही बताया कि वे कौन से पांच टेस्ट स्थल होने चाहिए लेकिन माना जा रहा है कि वे चाहते है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और बेंगलुरू पांच मुख्य टेस्ट स्थल रहें। बीसीसीआई हर प्रारूप में स्थल के चयन के लिए रोटेशन नीति अपनाती है और उसके पास अभी टेस्ट मैचो के लिए 15 स्थल हैं। कोहली ने कहा, मै इस बात से सहमत हू कि आपके पास राज्य संघ है जिन्हे रोटेशन के आधार पर मैच मिलता है। यह टी20 और एकदिवसीय के लिए अच्छा है लेकिन भारत आने वाली टेस्ट टीमो को पता होना चाहिए कि वे इन पांच स्थलों पर खेलेंगे। उन्हे पता होना चाहिए कि हमे किस तरह की पिचो पर खेलना है। किस तरह के दर्शक मैच देखने के लिए आएंगे। कोहली ने इसे चुनौती की तरह देखते है जैसे कि विदेशी दौरो पर उन्हे सामना करना पड़ता है। जब आप दौरे पर निकलते है तो यह पहले ही चुनौती बन जाता है क्योंकि हम कही भी जाएं हम जानते है कि हमे उन चार स्थलो पर मैच खेलने है। पिच किस तरह की होगी। स्टेडियम खचाखच भरा रहेगा और दर्शको का समर्थन टीम के साथ रहेगा।

रोहित अलग स्तर का खिलाड़ी : शास्त्री

● भारतीय बल्लेबाजी की तुलना फेरारी से की

एजेंसी। रांची

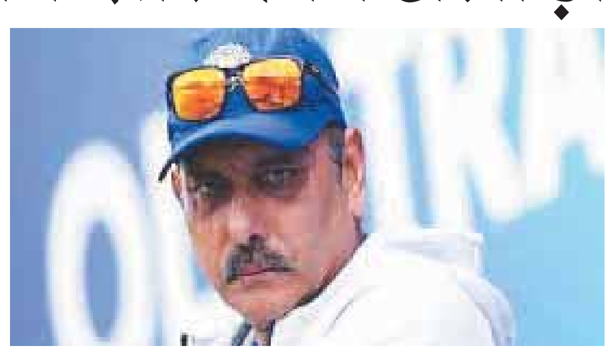

भारतीय कोच रवि शास्त्री ने मंगलवार को कहा कि टेस्ट सलामी बल्लेबाज की नई भूमिका में रोहित शर्मा ने स्वयं को अलग स्तर के खिलाड़ी के रूप में दिखाया और इस क्रम की चुनौती से शानदार तरीके से सामंजस्य बैठाने में सफल रहे। शास्त्री ने मैच के बाद आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मध्यक्रम में अजिंक्य रहाणे मौजूदा है, उसे सिर्फ अपनी फार्म दोबारा हासिल करनी थी। रोहित अलग स्तर का खिलाड़ी है। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उसकी मानसिकता अलग होने की जरूरत थी, उसने सामंजस्य बैठाया। यह पारी की शुरुआत करने के लिए मुश्किल पिच थी लेकिन उसने झेला। यह उसके अंदर है कि मुश्किल परिस्थितियों से उसे फर्क नहीं पड़ता। इस श्रृंखला में उसने बेहतरीन प्रदर्शन किया। शास्त्री ने टीम की मानसिकता की भी सराहना करते हुए कहा कि टीम घरेलू या विदेशी सरजमीं पर किसी भी हालात का सामना करने से नहीं झिझकती। हमारी सोच यही है कि भाड़ में जाए पिच। हमें 20 विकेट लेने की जरूरत है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह मुंबई, आकलैंड, मेलबर्न है या कोई और जगह। एक बार 20 विकेट हासिल करने के बाद, हमारी बल्लेबाजी जब लय में आ जाती है तो यह फर्राटे से दौड़ती फेरारी की तरह होती है। शास्त्री ने कहा, जब आपके पास 20 विकेट चटकाने वाले पांच गेंदबाज होते हैं तो बस यही मायने रखता है। भारत ने श्रृंखला में शुरू से ही दबदबा बनाया। बल्लेबाजों ने बड़ी पारियां खेली जबकि गेंदबाजों ने अनुभव और आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों के खिलाफ नियमित रूप से सफलता हासिल की। शास्त्री ने बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम की तारीफ की जिन्होंने यहां 30 बरस की उम्र में पदार्पण किया और चार विकेट चटकाए। भारतीय कोच ने कहा, बेहद प्रभावित। कल जब उसने पहला विकेट हासिल किया जो मैं कहा था कि अगर बिशन सिंह बेदी देख रहे होते तो वह कहते शानदार बेटा। उसे बाहर से खेलते हुए देखना शानदार था। घरेलू क्रिकेट में उसके नाम 420 से अधिक विकेट हैं, उसने लंबी दूरी तय की है। खुद है कि उसने मैच को खत्म किया। अपने घरेलू दर्शकों के सामने उसने जिस तरह की शुरुआत की वह शानदार थी। शास्त्री ने कहा, वह बिलकुल भी नर्वस नहीं था, पहले तीन ओवर मेडन थे। प्रत्एक गेंद लक्ष्य पर थी। यह उसके अनुभव के कारण है।

रोहित को चिंता और संकोच पर काबू पाने का श्रेय जाता है : विराट

रांची। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला से पहली बार टेस्ट मे पारी का आगाज करते हुए सफलता हासिल करने का श्रेय रोहित को जाता है क्योंकि उन्होंने चिंता और संकोच को खुद पर हावी नही होने दिया। कोहली ने कहा कि रोहित की पारियों से गेंदबाजो को 20 विकेट लेने के लिए पूरा समय मिला जिससे टीम ने 3-0 से श्रृंखला अपने नाम की। कोहली ने एकदिवसीय टीम के उपकप्तान की तारीफ करते हुए कहा, चिंता और संकोच पर काबू पाकर इस तरह का प्रदर्शन करने का पूरा श्रेय खिलाड़ी को ही जाता है जो सलामी बल्लेबाज के तौर पर पहली ही श्रृंखला में ही मैन आफ द सीरिज रहे। यह उनके लिए शानदार रहा। भारतीय कप्तान ने कहा, वह लंबे समय से एकदिवसीय में सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में वह कैसा प्रदर्शन करेंगे, इस बात की आशंका थी। बारिश के कारण दो सत्र का खेल प्रभावित हुआ लेकिन उन्होने जिस तेजी से बल्लेबाली की थी उससे टीम को दक्षिण अफ्रीका को दो बार आउट करने का पूरा समय मिला। भारतीय शीर्ष क्रम ने श्रृंखला मे शानदार प्रदर्शन किया जिससे कप्तान संतुष्ठ दिखे। मयंक (अग्रवाल) टीम मे नए होने के बाद भी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे है। उन्होंने लगातार अच्छा किया है। अजिंक्य रहाणे ने भी लंबे समय के बाद घरेलू मैदान पर शतकीय पारी खेली (2016 मे न्यूजीलैड के खिलाफ इंदौर मे 188 रन की पारी खेलने के बाद)। उन्होने इससे पहले लंबे समय के बाद वेस्टइंडीज मे शतकीय पारी खेली थी। पिछले दो-तीन महीने से टीम सही दिशा मे आगे बढ़ रही है। व्यक्तिगत प्रदर्शन का टीम के हित मे काम आने को देखकर संतुष्टि होती है। उमेश यादव और मोहम्मद शमी ने श्रृंखला मे 24 (60 मे से) विकेट चटकाए और उनका स्ट्राइक रेट लंबे समय मे दूसरे भारतीय गेंदबाजो से काफी बेहतर रहा। अगर आप दोनो गेंदबाजो को देखेंगे तो भारतीय परिस्थितियो मे उनका स्ट्राइक रेट शायद सर्वश्रेष्ठ होगा। इससे यह पता चलता है कि ए खिलाड़ी स्टंप्स और पैड की लाइन मे ज्यादा गेंदबाजी करते है। गेंदबाजी मे यह मारक क्षमता देखना अच्छा संकेत है। उनके फिटनेस का स्तर भी बढ़ा है। कोहली ने टीम की सफलता का श्रेय सकारात्मक ऊर्जा को दिया। पांच मिनट के लिए अगर आपके अंदर नकारात्मक ऊर्जा आए तो इससे आपका खेल प्रभावित हो सकता है।

बीसीसीआई अध्यक्ष से अब तक धोनी को लेकर बात नही हुई

रांची। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने मंगलवार को कहा कि महेद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भविष्य को लेकर उनकी सौरव गांगुली से कोई बात नही हुई और उनका मानना है कि जब जरूरत होगी तब बीसीसीआई के भावी अध्यक्ष उनसे बात करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लेने वाले धोनी के बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला में खेलने की संभावना नही है। धोनी यहां भारतीय टीम के सदस्यों से मिलने आए और कोहली ने पत्रकारो को मजाकिया लहजे में कहा कि वे ड्रेसिंग रूम मे आएं और पूर्व भारतीय कप्तान को हेलो बोलें। बीसीसीआई का भावी अध्यक्ष चुने जाने के बाद गांगुली ने कहा था कि वह चयनकर्ताओ और धोनी से बात करके जानना चाहते है कि उनके मन मे क्या चल रहा है। भारतीय कप्तान ने प्रेस कांफ्रेंस के बाद कहा, मैने उन्हे (गांगुली को) बधाई दी। यह शानदार है कि वह बीसीसीआई अध्यक्ष बने। लेकिन उन्होने अब तक इस (धोनी के) बारे मे मेरे साथ बात नही की है।

मानसिक रूप से पंगु बना गया दौरा : डुप्लेसिस

रांची। भारतीय टीम के निर्मम रवैए के सामने चारों खाने चित्त होने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने माना कि यह दौरा उनके खिलाड़ियों को मानसिक रूप से पंगु बना गया। दक्षिण अफ्रीका किसी भी मैच में चुनौती पेश नहीं कर पाया और उसने तीनों मैच बड़े अंतर से गंवाए। डुप्लेसिस ने तीसरे टेस्ट में पारी के अंतर से हार के बाद कहा, इस तरह के दौरे से पता चलता है कि आप मानसिक तौर पर पंगु बन सकते हैं और इससे बाहर निकलना आसान नहीं होता है। जिस तरह से उन्होंने हर बार बड़े स्कोर बनाए उसे देखते हुए यह निष्ठुर और निर्ममता थी। बल्लेबाज के तौर पर आप पर इसका मानसिक रूप से प्रभाव पड़ता है। इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है और इसलिए आपने देखा होगा कि आखिर में हमारी बल्लेबाजी मानसिक तौर पर कमजोर पड़ चुकी थी। आप मानसिक तौर पर पंगु नहीं होना चाहते हो। डुप्लेसिस ने हार के लिए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को भी जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इस दौरे से सही योजनाओं की कमी का भी खुलासा हो गया क्योंकि उन्होंने हाशिम अमला और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद की स्थिति पर विचार नहीं किया। इससे पता चलता है कि हमारा ढांचा वैसा नहीं है जैसा उसे होना चाहिए था। घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बीच बड़ा अंतर है। अगर आप तीन या चार साल पहले मुड़कर देखो और अगर तब कोई दूरदृष्टा होता और कहता कि तीन या चार साल बाद बहुत अनुभवहीन खिलाड़ी टीम में होंगे। इसलिए तभी इस समय के लिए तैयारियां शुरू करने देनी चाहिए थी। डुप्लेसिस ने कहा, हम संभवत: दोषी हैं जो हमारे पास इन खिलाड़ियों के संन्यास लेने के बाद की स्थिति के लिए कोई योजना नहीं थी। आप एक खिलाड़ी की जगह भर सकते हो चार या पांच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की नहीं। हमें अपनी योजनाओं और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के संन्यास लेने के मामले में बेहतर होना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीकी टीम विशाखापत्तनम में पहले टेस्ट मैच में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाई। इसके बाद लगातार उसके प्रदर्शन में गिरावट आई। हमने अपना सर्वश्रेष्ठ मैच पहले टेस्ट में खेला और लगातार दबाव के कारण हम हर टेस्ट मैच में कमजोर पड़ते गए। इसलिए मेरा कहना है कि हम टीम के रूप में मानसिक तौर पर पर्याप्त मजबूत नहीं थे और इस विभाग में कुछ काम करने की जरूरत है।

कोलपैक करार से दक्षिण अफ्रीका को नुकसान हुआ

रांची। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस को मलाल है कि कोलपैक करार के तहत उनके देश ने अपने खिलाड़ियों को काउंटी क्रिकेट को गंवा दिया और साथ ही मंगलवार को उम्मीद जताई कि ब्रेक्जिट के बाद स्थिति उनकी टीम के अनुकूल होगी। डु प्लेसिस ने कहा कि कोलपैक करार के कारण वे अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियो को गंवा रहे है। पिछले दो सत्र मे एसेक्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाले आफ स्पिनर साइमन हार्मर के संदर्भ मे डु प्लेसिस ने कहा, यह दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के लिए दुखद है कि उनके पास अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का विकल्प नही है। साइमन हार्मर के लिए अविश्वसनीय सत्र रहा। अगर वह दक्षिण अफ्रीका के साथ होता तो अच्छा रहता, उसने विदेशो मे अच्छा प्रदर्शन किया है। उसे दौरे पर हमारे साथ लेकर आइए। आप अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को खो रहे है और अचानक आपका प्रतिभा पूल काफी छोटा हो गया। हमने इसे रोकने की कोशिश की लेकिन इसे रोकना काफी मुश्किल है। हार्मर सहित दुनिया भर के लगभग 60 क्रिकेटरो ने यूरोपीय यूनियन के रिहायशी नियमो का फायदा उठाया है जिससे कि वह काउंटी टीमो से जुड़ सकें और कोलपैक करार के तहत उन्हे विदेशी खिलाड़ी नही माना जाए। यह करार हालांकि खिलाड़ियो को अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से भी रोकता है जिससे दक्षिण अफ्रीका को हार्मर के अलावा तेज गेंदबाजो डुआने ओलिवर और काइल एबोट जैसे खिलाड़ियो की सेवाएं नही मिल पा रही जिन्होंने इंग्लैड मे क्रिकेट खेलने का विकल्प चुना। हाल मे संन्यास लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला इंग्लैड के काउंटी क्लब सरे के साथ कोलपैक पंजीकरण के करीब है और डु प्लेसिस इसे हार की स्थिति मानते है। पिछले साल संन्यास लेने वाले तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल भी काउंटी क्रिकेट खेल रहे है। इंग्लैड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से जारी नवीनतम दिशानिर्देशो के अनुसार ब्रेक्जिट की स्थिति मे 2021 तक इंग्लिश काउंटी सर्किट से कोलपैक क्रिक्रेटरो को जाना होगा। ब्रेक्जिट के बाद कोलपैक करार 2020 सत्र के अंत मे खत्म हो जाएंगे और ईसीबी ने इसके संभावित असर को लेकर ईसीबी ने 18 प्रथम श्रेणी काउंटी को ईमेल भी लिखा है।

कोहली की कप्तानी में तीसरी बार 3-0 से क्लीन स्वीप किया

रांची। देश के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बन चुके विराट कोहली की अगुवाई मे भारतीय टीम ने तीसरी बाद तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला मे क्लीन स्वीप करके नया रिकार्ड बनाया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को मंगलवार को यहां तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच मे पारी और 222 रन से हराकर 3-0 से श्रृंखला जीती। कोहली की कप्तानी मे भारत तीसरी बार तीन मैचों की श्रृंखला मे 3-0 से क्लीन स्वीप करने मे सफल रहा जो कि नया रिकार्ड है। कोहली ने मोहम्मद अजहरूद्दीन को पीछे छोड़ा जिनकी अगुवाई मे भारत ने दो बार तीन मैचों की श्रृंखला मे क्लीन स्वीप किया था। भारतीय टेस्ट इतिहास मे यह केवल छठा अवसर है जबकि भारतीय टीम ने तीन या इससे अधिक टेस्ट मैचों की श्रृंखला के सभी मैच जीते। कोहली की कप्तानी मे भारत ने 2016 मे न्यूजीलैड को 3-0 से हराने के बाद श्रीलंका को उसकी धरती पर इसी अंतर से हराया था। अजहरूद्दीन की अगुवाई वाली टीम ने 1993 मे इंग्लैड और 1994 मे श्रीलंका को घरेलू पिचों पर 3-0 से हराया था। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने 2013 मे घरेलू श्रृंखला मे आस्ट्रेलिया का 4-0 से सूपड़ा साफ किया था। यह पहला अवसर है जबकि भारत ने दक्षिण अफ्रीका का सूपड़ा साफ किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोहली के नेतृत्व मे भारत ने दस टेस्ट मैचों मे सातवी जीत दर्ज की। अन्य कप्तानों की अगुवाई मे भारत ने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 29 टेस्ट मैचों मे सात मे जीत दर्ज की है। रांची टेस्ट मे दक्षिण अफ्रीका की टीम 162 और 133 रन पर आउट हो गई और इस तरह से किसी भी पारी मे रोहित शर्मा की पहली पारी की रनसंख्या (212) तक नही पहुंच पाई। रोहित इस तरह से पांचवे भारतीय बल्लेबाज बन गए है जिनकी रनसंख्या को विरोधी टीम दोनों पारियों मे नही छू पाई। उनसे पहले वीनू मांकड़ (231) ने 1956 मे न्यूजीलैड (209 और 219) के खिलाफ चेन्नई मे, राहुल द्रविड़ ((270) ने 2004 मे पाकिस्तान (224 और 245) के खिलाफ रावलपिंडी मे, सचिन तेंदुलकर (248) ने 2004 मे बांग्लादेश (184 और 202) के खिलाफ ढाका मे और कोहली (243) ने 2017 मे श्रीलंका के खिलाफ (205 और 166) के खिलाफ नागपुर मे यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारत ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की

●240 अंक जुटाकर शीर्ष पर

एजेंसी। दुबई

भारत ने मंगलवार को स्वदेश में दक्षिण अफ्रीका का 3-0 से क्लीनस्वीप करके अधिकतम संभव अंक जुटाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

तीन टेस्ट की श्रृंखला में प्रत्एक टेस्ट के दौरान 40 अंक दांव पर लगे होते हैं जबकि दो टेस्ट की श्रृंखला के दौरान प्रत्एक टेस्ट से 60 अंक तक हासिल किए जा सकते हैं। पांच टेस्ट की श्रृंखला में प्रत्एक टेस्ट में 24 जबकि चार टेस्ट की श्रृंखला में प्रत्एक टेस्ट में 30 अंक दांव पर होते हैं। भारत ने वेस्टइंडीज में दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीतकर भी 120 अंक जुटाए थे। टीम इंडिया अब तक दो श्रृंखला में अपने पांचों मैच जीतकर 240 अंक जुटाकर शीर्ष पर है। भारत को 14 नवंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रही दो टेस्ट की घरेलू श्रृंखला के दौरान अपनी स्थिति और मजबूत करने का मौका मिलेगा। श्रीलंका और न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट की श्रृंखला ।-। से ड्रा कराने के बाद 60-60 अंक हासिल किए हैं। इंग्लैंड और आट्रेलिया के बीच पांच मैच की श्रृंखला भी 2-2 से ड्रा रही थी जिससे दोनों टीमों के 56-56 अंक हैं। लीग चरण के समाप्त होने के बाद दो शीर्ष टीमें ब्रिटेन में जून 2021 में फाइनल खेलेंगी जिसके विजेता को विश्व टेस्ट चैंपियन का खिताब मिलेगा।

विनोद राय से मतभेदों पर एडुल्जी ने दी सफाई

● कहा, कुछ भी व्यक्तिगत नहीं

एजेंसी। मुंबई

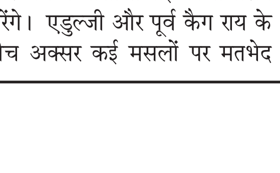

प्रशासकों की समिति (सीओए) की सदस्य डायना एडुल्जी ने मंगलवार को कहा कि विनोद राय की अगुवाई वाले पैनल के भीतर गंभीर मतभेद थे जैसे कि एक लोकतांत्रिक संगठन में हो सकते हैं लेकिन इनमें कुछ भी व्यक्तिगत नहीं था। सीओए ने 33 महीने तक भारतीय बोर्ड का संचालन किया। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली के बुधवार को बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभालने के साथ ही सीओए का कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान एडुल्जी ने सीओए की अंतिम बैठक के बाद कहा, यह अच्छा अनुभव था और लंबी यात्रा रही। मैंने नहीं सोचा था कि यह यात्रा इतनी लंबी होगी, लेकिन मैं चुनाव और पदाधिकारियों की वापसी से खुश हूं और अब वे बीसीसीआई का संचालन करेंगे। एडुल्जी और पूर्व कैग राय के बीच अक्सर कई मसलों पर मतभेद रहे। इनमें पुरुष और महिला दोनों के राष्ट्रीय कोच के नियुक्तियों को लेकर मतभेद भी शामिल हैं। एडुल्जी ने कहा कि उन्हें इस पर खेद नहीं है। हमारे बीच मतभेद रहे और हमने इन्हें खुलकर जाहिर भी किया। किसी भी संगठन में ऐसा होता है। मैं हमेशा फ्रंट फुट पर खेलती रही लेकिन कुछ भी व्यक्तिगत नहीं था। मुझे जो सही लगता है मैं वह बात खुलकर रखती हूं और उसे दबाकर नहीं रखती। बीसीसीआई के कार्यों को देखने का यह शानदार अनुभव रहा। एडुल्जी ने कहा कि गांगुली का अध्यक्ष बनना स्वागतयोग्य है। यह अच्छा है कि एक खिलाड़ी अध्यक्ष बन रहा है। वह जानता है कि क्या जरूरी है। वह जानता है कि जब वह खिलाड़ी था तो बीसीसीआई से क्या उम्मीद रखता था और अब जबकि वह अध्यक्ष है तो क्या करने की जरूरत है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। पिछले नौ महीने से सीओए का हिस्सा रहे लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) रवि थोडगे ने कहा कि उन्होंने इससे काफी कुछ सीखा। क्रिकेट प्रशासन से जुड़ने से काफी कुछ सीखने को मिला। हमने बहुत कुछ सीखा और मेरा मानना है कि हमने अपनी क्षमता के हिसाब से सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया। सीओए के सभी सदस्यों को 2017 के लिए प्रतिमाह दस लाख रुपए, 2018 के लिए 11 लाख रुपए और 2019 के लिए 12 रुपए प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जाएगा। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी पीटीआई से कहा, न्यायमित्र पीएस नरसिम्हा से चर्चा के बाद इस राशि को अंतिम रूप दिया गया। इस तरह से एडुल्जी और राय दोनों में से प्रत्एक को 3.5 करोड़ रुपए मिलेंगे जबकि विक्रम लिमए, रामचंद्र गुहा और रवि थोडगे को उनके कार्यकाल के अनुसार भुगतान किया जाएगा।

मार्क बाउचर को दक्षिण अफ्रीका का कोच बनाना चाहिए : वान

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की भारत के हाथों टेस्ट श्रृंखला में 0-3 से करारी हार पर चिंता व्यक्त करते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने मंगलवार को पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर को टीम का कोच बनाने की अपील की। भारत ने रांची में तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच पारी और 202 रन से जीतकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। इस श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीकी टीम किसी भी समय मुकाबले में नहीं दिखी। वान ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ओर आलराउंडर जाक कैलिस से भी सलाह लेने के लिए कहा। वान ने ट्वीट किया, दक्षिण अफ्रीकी टेस्ट टीम खेल के लिए वास्तव में चिंता का विषय है। खेल को मजबूत दक्षिण अफ्रीकी टीम चाहिए। यह समय है जबकि मार्क बाउचर टीम की जिम्मेदारी संभाले। इसके अलावा ग्रीम स्मिथ और जाक कैलिस का भी किसी तरह से उपयोग किया जाना चाहिए।

पूर्व क्रिक्टरों और प्रशासकों ने माधव आप्टे को याद किया

मुंबई। अपने जमाने दिग्गज बल्लेबाज और मुंबई शैली की खड़ूस बल्लेबाजी के लिए मशहूर माधव आप्ते को मंगलवार को यहां श्रद्धांजलि बैठक में याद किया गया। आईसीसी और बीसीसीआई के पूर्व प्रमुख शरद पवार, एमसीए अध्यक्ष विजय पाटिल, पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर, पूर्व भारतीय खिलाड़ी और कोच लालचंद राजपूत आदि ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व बीसीसीआई पदाधिकारी रवि सावंत ने आप्टे से जुड़ी यादों को ताजा किया। पवार और वेंगसरकर ने भी इस अवसर पर उन्हें याद किया। आप्टे का 23 सितंबर को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 86 वर्ष के थे। उन्होंने भारत की तरफ से सात टेस्ट मैचों में 542 रन बनाए।

बीसीसीआई के 39वें अध्यक्ष बनेंगे गांगुली

एजेंसी। मुंबई

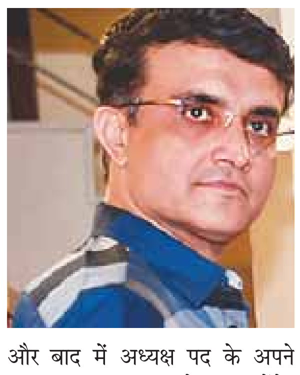

भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली बुधवार को सालाना आम बैठक में बीसीसीआई के 39वें अध्यक्ष बनेंगे जिससे उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति का 33 महीने से चला आ रहा शासन खत्म हो जाएगा।

बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए गांगुली का नामांकन सर्वसम्मति से हुआ है जबकि गृह मंत्री अमित शाह के बेटे जय सचिव होंगे। उत्तराखंड के महीम वर्मा नए उपाध्यक्ष होंगे। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर के छोटे भाई अरूण धूमल कोषाध्यक्ष होंगे जबकि केरल के जएश जार्ज संयुक्त सचिव होंगे। गांगुली का कार्यकाल नौ महीने का ही होगा और उन्हें जुलाई में पद छोड़ना होगा क्योंकि नए संविधान के प्रावधानों के तहत छह साल के कार्यकाल के बाद विश्राम की अवधि अनिवार्य है। गांगुली बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव और बाद में अध्यक्ष पद के अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कुछ लक्ष्य तय कर रखे हैं जिनमें प्रशासन को ढें पर लाना और प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के वेतन में बढोतरी शामिल है। हितों के टकराव के नियमों के बीच गांगुली के सामने चुनौती क्रिकेट सलाहकार समिति और राष्ट्रीय चयन समिति में अच्छे क्रिकेटरों को लाने की भी होगी। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था , मेरे लिए यह कुछ अच्छा करने का सुनहरा मौका है। दस महीने की अवधि छोटी है और यह भी देखना होगा कि गांगुली बीसीसीआई के पुराने धुरंधरों एन श्रीनिवासन और निरंजन शाह से कैसे निपटते हैं जिनके बच्चे अब बीसीसीआई का अंग हैं। श्रीनिवासन के विश्वस्त आईपीएल चेयरमैन बृजेश पटेल से भी उनके संबंध कैसे रहते हैं, यह देखना रोचक है। क्रिकेट नीतियों के अलावा महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य, दिन रात के टेस्ट क्रिकेट और स्थाई टेस्ट केंद्रों पर भी उनका रूख देखना होगा। सीओए प्रमुख विनोद राय ने कहा कि एजीएम के दौरान पूरी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। पहले पिछले तीन साल के खातों को मंजूरी दी जाएगी। उसके बाद निर्वाचन अधिकारी चुनाव के नतीजे का ऐलान करेंगे क्योंकि सभी निर्विरोध चुने गए हैं। हम सौरव से बात करके कल का शेड्यूल तय करेंगे।

एडुल्जी, राय को मिलेंगे 3.5 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। प्रशासकों की समिति (सीओए) प्रमुख विनोद राय और पैनल की उनकी साथी सदस्य डायना एडुल्जी में से प्रत्एक को बीसीसीआई में 33 महीने के कार्यकाल के लिए लगभग 3.5 करोड़ रुपए भुगतान किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय से नियुक्त सीओए का कार्यकाल कल बीसीसीआई एजीएम में नए पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण करने के साथ ही समाप्त हो जाएगा। पूर्व कैग राय और पूर्व भारतीय महिला कप्तान एडुल्जी जनवरी 2017 में नियुक्ति के बाद से ही सीओए का हिस्सा रहे है जबकि उनके साथी रामचंद्र गुहा और विक्रम लिमए ने विभिन्न कारणो से त्यागपत्र दे दिया था। सीओए के सभी सदस्यों को 2017 के लिए प्रतिमाह दस लाख रुपए, 2018 के लिए 11 लाख रुपए और 2019 के लिए 12 लाख रुपए प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जाएगा। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी पीटीआई से कहा, न्यायमित्र पीएस नरसिम्हा से चर्चा के बाद इस राशि को अंतिम रूप दिया गया। इस तरह से एडुल्जी और राय दोनों में से प्रत्एक को 3.5 करोड़ रुपए मिलेंगे जबकि विक्रम लिमए, रामचंद्र गुहा और रवि थोडगे को उनके कार्यकाल के अनुसार भुगतान किया जाएगा।

बीसीसीआई पदाधिकारियों के पदभार संभालने के बाद सीओए को हटना होगा: उच्चतम न्यायालय

● बीसीसीआई के निर्वाचित पदाधिकारियों का चुनाव आज

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को व्यवस्था दी कि बीसीसीआई के निर्वाचित पदाधिकारियों के पदभार संभालने के बाद शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त पूर्व सीएजी विनोद राय की अध्यक्षता वाली प्रशासकों की समिति (सीओए) को हटना होगा। न्यायमूर्ति एसए बोब्डे और एल नागेश्वर राव की पीठ ने कहा कि पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली की अगुआई वाले बीसीसीआई के निर्वाचित पदाधिकारियों के 23 अक्टूबर को होने वाले चुनावों में प्रभार संभालने के बाद सीओए का काम खत्म हो जाएगा। पीठ ने सीओए का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता पराग त्रिपाठी के निवेदन पर गौर करते हुए निर्देश दिया कि प्रशासकों की समिति और अन्य अधिकारियों के खिलाफ क्रिकेट संगठन में किए गए किसी भी कार्य के लिए बीसीसीआई द्वारा कोई कदम नहीं उठाया जाएगा और ऐसे किसी भी कदम के लिए पूर्व स्वीकृति की जरूरत पड़ेगी। पीठ ने सीओए को आज से सात दिन के भीतर अपने स्वीकृत खाते तमिलनाडु सोसायटी के पंजीयक को सौंपने को कहा जिसके साथ बीसीसीआई पंजीकृत है। न्यायालय ने साथ ही स्पष्ट किया कि सीओए द्वारा कानून के अंतर्गत सौंपे गए खातों को पंजीयक देखेगा। पीठ ने कहा, बीसीसीआई के खातों को रिकार्ड में लेकर हम खर्चों को प्रमाणित नहीं कर रहे हैं। न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख 27 नवंबर तय की है।

गुणशेखरन ने दो स्वर्ण के साथ भारत का खाता खोला

एजेंसी। वुहान (चीन)

● विश्व सैन्य खेल

पैरा-एथलीट आनंदन गुणशेखरन ने मंगलवार को यहां सातवें सीआईएसएम विश्व सैन्य खेलों में पुरुषों के दिव्यांग आईटी एक वर्ग के 100 मीटर और 400 मीटर स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला। उन्होंने 100 मीटर की स्पर्धा में 12 सेकेंड का समय लेकर भारत को मौजूदा खेलों को पहला पदक दिलाया। पेरू के कासा जोस (12.65 सेकेंड) दूसरे और कोलंबिया के फजार्दो पार्दो (12.72 सेकेंड) ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके बाद 32 साल के इस भारतीय ने 400 मीटर आईटी एक स्पर्धा में 53.35 सेकेंड के समय के साथ अपना और देश का दूसरा स्वर्ण पदक जीता। गुणशेखरन ने 2018 राष्ट्रीय पैरा एथलीट चैम्पियनशिप में 200 मीटर और 400 मीटर में स्वर्ण जीता था। उन्होंने 2017 में दुबई में हुए पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में 400 मीटर स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया था। राष्ट्रीय रिकार्डधारी गोलाफेंक खिलाड़ी ताजिंदर सिंह तूर 20.36 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ छठे स्थान पर रहे। वह तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग मानक 21.10 मीटर हासिल नहीं कर सके। पुरूषों की 400 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकार्डधारी मुहम्मद अनस पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने जुलाई में 45 . 21 का राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया था। पुरूषों की मुक्केबाजी में सतीश कुमार (प्लस 91 किलो) और दुर्योधन सिंह नेगी (69 किलो) ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सतीश ने आयरलैंड के ओ ग्रिओफा अंतोइने को 5-0 से हराया जबकि नेगी ने बेलारूस के मिलिउषा जमित्री को 3-2 से मात दी।

मौसम ने साथ दिया तो रोमांचक हो सकते हैं मुकाबले

● विजय हजारे ट्राफी सेमीफाइनल आज
● कर्नाटक व छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और गुजरात में होगी जंग
● केएल राहुल व पंचाल पर रहेगी नजर

एजेंसी। बेंगलुरू

मेजबान कर्नाटक का बुधवार को यहां होने वाले विजय हजारे ट्राफी सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ के खिलाफ पलड़ा भारी रहेगा जबकि तमिलनाडु और गुजरात के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इन दोनों मैचों में हालांकि मौसम अहम भूमिका निभाएगा क्योंकि क्वार्टर फाइनल में भी बारिश के कारण कुछ टीमों को नुकसान हुआ था। कर्नाटक ने क्वार्टर फाइनल में पुडुचेरी को आसानी से हराया था। उसने लीग चरण में भी आठ मैचों में से सात में जीत दर्ज की थी। उसकी तरफ से केएल राहुल, देवदत्त पड्डिकल और कप्तान मनीष पांडे ने बल्लेबाजी में जबकि प्रसिद्ध कृष्णा, लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल और प्रवीण दुबे ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है। छत्तीसगढ़ भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में पहुंचा। मुंबई के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वह हार की स्थिति में था लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द कर दिया गया और लीग चरण में अधिक जीत दर्ज करने से छत्तीसगढ़ आगे बढ़ने में सफल रहा। आशुतोष सिंह, कप्तान हरप्रीत सिंह और अमनदीप खरे छत्तीसगढ़ के मुख्य बल्लेबाज हैं लेकिन उनका सामना कर्नाटक के मजबूत आक्रमण से होगा। अन्य सेमीफाइनल की टीम तमिलनाडु का भाग्य ने साथ दिया। वह भी पंजाब के खिलाफ रद्द कर दिए गए मैच में लीग चरण में अधिक मैच जीतने के दम पर अंतिम चार में पहुंचा जबकि गुजरात ने दिल्ली के खिलाफ आसान जीत हासिल की। गुजरात की टीम लीग चरण में दिनेश कार्तिक की अगुवाई वाली तमिलनाडु की टीम से हार गई थी और वह उसका बदला चुकता करने की कोशिश करेगी। तमिलनाडु की टीम में कार्तिक, मुरली विजय, अभिनव मुकुंद, बाबा अपराजित और विजय शंकर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनके सामने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रूस कलारिया और लेग स्पिनर पीयूष चावला की कड़ी परीक्षा होगी। तमिलनाडु के गेंदबाजों टी नटराजन, के विग्नेश, विजय शंकर, आर साई किशोर और एम अश्विन ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान पार्थिव पटेल और प्रियांक पांचाल की अगुवाई वाले गुजरात के बल्लेबाजी क्रम को उनके खिलाफ सतर्क रहना होगा।

हड़ताल के बाद बांग्लादेश क्रिक्टेट पर लगा भ्रष्टाचार के आरोप

वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर की थी हड़ताल

ढाका। खिलाड़ियों की वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हड़ताल के बीच बांग्लादेश क्रिक्टेट बोर्ड (बीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष ने देश में क्रिक्टेट में बड़े पैमाने पर फिक्सिंग और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। बीसीबी के पूर्व अध्यक्ष साबीर हुसैन चौधरी ने कहा बोर्ड की संचालन परिषद भी भ्रष्टाचार में शामिल है। चौधरी संसद सदस्य भी है। उन्होंने ट्वीट किया, बांग्लादेश क्रिक्टेट बोर्ड दुनिया की एकमात्र ऐसी राष्ट्रीय खेल इकाई है जो संस्थागत तरीके से मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है। मैंने खुद कई बार इस मुद्दे को उठाया है। राष्ट्रीय टीम के कप्तान शाकिब अल हसन ने भी घरेलू क्रिक्टेट में भ्रष्टाचार पर चिंता जाहिर करते हुए क्रिक्टरों के वेतन को बढ़ाने की मांग के साथ देश के पेशेवर खिलाड़ियों के साथ हड़ताल शुरू की है। खिलाड़ियों के इस हड़ताल के कारण बांग्लादेश का आगामी भारतीय दौरा अधर में लटक सकता है। खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिक्टरों की वेतन में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ मैच फीस भी बढ़ाने की मांग की है। मैच फिक्सिंग के कथित आरोपों के कारण 2014 के बांग्लादेश प्रीमियर लीग टी20 प्रतियोगिता को रद्द कर दिया गया था। बांग्लादेश में भ्रष्टाचार का एक ऐसा ही मामला 2017 मे सामने आया जब दूसरे श्रेणी के एक मुकाबले में गेंदबाज ने लगातार वाइड और नो बाल फेंक कर पहले ओवर में ही 92 रन लुटाए और टीम मैच हार गई।

खिलाड़ियों के हड़ताल के पीछे बीसीबी को साजिश का शक

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों की अभूतपूर्व हड़ताल के पीछे कोई षडयंत्र नजर आ रहा है। खिलाड़ियों की इस हड़ताल से टीम का आगामी भारत दौरा प्रभावित हो सकता है जो तीन नवंबर से शुरू होना है। टेस्ट और टी20 टीम के कप्तान शाकिब अल हसन, महमुदूल्लाह और मुशफिकुर रहीम सहित देश के शीर्ष क्रिकेटरों ने सोमवार को वेतन बढ़ाने के साथ कई और मांगों को लेकर क्रिकेट से जुड़ी किसी भी गतिविधि में भाग लेने से मना कर दिया है। इस मामले पर बीसीबी निदेशकों के साथ आपात बैठक करने के बाद हसन से कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश करेंगे की इस साजिश के पीछे कौन है। हसन के हवाले से डेली अखबार ने खबर दी कि इस तरह खुल कर विरोध करने का मकसद अराजकता पैदा करना और देश में खेल की छवि को बिगाडना है। बीसीबी के निदेशक जलाल यूनुस ने कहा कि खिलाड़ियों को मीडिया के सामने मांग रखने की जगह बोर्ड के पास आना चाहिए था। उन्हें चेतावनी देने से पहले बोर्ड के समाने अपनी मांगों को रखना चाहिए था। उन्होंने हालांकि, मीडिया के सामने जाकर क्रिकेट से जुड़ी सभी गतिविधि से दूर रहने का फरमान सुना दिया। यह ब्लैकमेल करने की तरह है। बीसीबी के एक अन्य निदेशक महबूब उल अनाम को लगता है कि यह बोर्ड के खिलाफ कोई षडयंत्र है। वे मुख्य कार्यकारी अधिकारी, क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष या बोर्ड के अध्यक्ष के जरीए इस मांग को उठा सकते थे। अगर उनकी मांगे नहीं मानी जाती तब से इस तरह का कदम उठा सकते थे। मुझे लगता है कि क्रिकेटरों के हड़ताल के पीछे कोई और वजह है। यह बीसीबी के खिलाफ साजिश है। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और क्रिकेट संचालन के प्रमुख अकरम खान ने खिलाड़ियों की सराहना की। ऐसी चीजें हमेशा से एक अंदोलन से शुरू होती है। एक बार जब आप बोर्ड के साथ बैठक कर लेते है तब यह अंदोलन नहीं रहता है। बोर्ड क्रिकेटरों की मदद के लिए है। मुझे उम्मीद है कि क्रिकेटरों और बोर्ड के बीच मसला जल्दी सुलझ जाएगा। खिलाड़ियों की अन्य प्रमुख मांगों में बांग्लादेश प्रीमियर लीग का आयोजन फ्रेंचाइजी आधार पर जारी रखना, ढाका प्रीमियर लीग (घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता) के लिए खिलाड़ियों का ओपन मार्केट ट्रांसफर रखना, केन्द्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाना और इसमें अधिक खिलाडियों को रखना शामिल है। बीसीसीआई ने इस पर कोई प्रतिक्रिया देने से बचते हुए इसे बांग्लादेश का आंतरिक मामला बताया।

बेलोन डिओर पुरस्कार की दौड़ में मेस्सी को रोनाल्डो और वान डिक से मिलेगी टक्कर

पेरिस। लियोनल मेस्सी को 2019 बेलोन डिओर पुरस्कार की दौड़ में चिर प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और वर्जिल वान डिक की चुनौती का सामना करना होगा जबकि इस बार नेमार दावेदारों में शामिल नही है। दुनिया भर के पत्रकारों की वोटिंग के बाद सोमवार को जब 30 नामित दावेदारों की घोषणा की गई तो उसमें नेमार का नाम नही था। फ्रांस की फुटबाल पत्रिका द्वारा दिए जाने वाले इन पुरस्कारों में मेस्सी और रोनाल्डो के 10 साल के वर्चस्व को पिछले साल लुका मोड्रिच ने तोड़ा था। रीयाल मैड्रिड और क्रोएशिया की ओर से 2018 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत बेलोन डिओर और फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के एक साल बाद मोड्रिच को भी इस सूची में जगह नही मिली है। महिला वर्ग मे मेगान रेपिनो बेलोन डिओर खिताब जीतने की प्रबल दावेदार है। उन्हे पिछले महीने फीफा की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। अमेरिका की इस स्टार की दो साथी खिलाड़ियों टोबिन हीथ और एलेक्स मोर्गन को भी 20 खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। पुरस्कार दो दिसंबर को पेरिस मे दिए जाएंगे।

केन्द्रीय सचिवालय की लगातार दूसरी जीत

● अखिल भारतीय केडी सिंह बाबू हाकी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्रीय सचिवालय, दिल्ली ने अखिल भारतीय केडी सिंह बाबू आमंत्रण प्राइजमनी हाकी प्रतियोगिता में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मो. शाहिद सिंथेटिक हाकी स्टेडियम में खेले गए मैच में केन्द्रीय सचिवालय ने आर्मी एकादश को 2-0 गोल से हराया। केन्द्रीय सचिवालय की तरफ से पहला गोल खेल के 15वें मिनट में नदीमउद्ददीन ने किया। मैच का दूसरा गोल खेल के 48वें मिनट में मो. उमर ने किया। दूसरे मैच में एयर इंडिया दिल्ली ने कैग दिल्ली को कड़े मुकाबले में 6-4 गोल से पराजित किया। एयर इंडिया के मो. रहील ने खेल के दूसरे, चौथे व 10वें मिनट में लगातार तीन गोल किए। इसके बाद एयर इंडिया के राजकुमार पाल ने 18वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम को 4-0 की बढ़त दिला दी। जवाब में कैग दिल्ली की ओर से खेल के 24वें मिनट में चंदन सिंह ने पेनाल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर खाता खोला। 27वें मिनट में कैग दिल्ली के इमरान खान एक गोल कर अपनी टीम का स्कोर 2-4 कर दिया। एयर इंडिया के रजत मिंज ने 34वें मिनट में एक गोल कर टीम का स्कोर 5-2 कर दिया। खेल के 51वें मिनट में कैग दिल्ली की ओर से मो. नईमुद्दीन ने एक गोल कर अपनी टीम का स्कोर 3-5 कर दिया। वहीं पंजाब नेशनल बैक दिल्ली और स्पोर्ट्स हास्टल भुवनेश्वर के मध्य खेला गया मैच 2-2 गोल से बराबरी पर छूटा।

जीशान के चौके से साउंड इमेजेज जीता

लखनऊ। जीशान अंसारी ने आखिरी गेंद पर चौका जड़कर साउंड इमेजेज को आल इंडिया स्पोर्ट्स गैलेक्सी ट्राफी में कश्मीरी गेट कोल्टस, दिल्ली पर तीन विकेट से रोमांचक जीत दिलाकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जयपुरिया ग्राउंड में खेले गए क्वार्टरफाइनल में कश्मीरी गेट कोल्टस के 208 रनों के जवाब में साउंड इमेजेज को मैच की आखिरी गेंद में जीत के लिए चार रन की जरूरत थी। जीशान अंसारी ने आसिफ मंसूरी की गेंद को चार रन के लिए भेजकर अपनी टीम को शानदार जीत दिला दी। जीशान दो गेंद में छह रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा मृत्युंजय यादव ने 54, सिद्धार्थ दास ने 47 और नीलेन्द्र सिंह ने 31 रन का योगदान दिया। आसिफ मंसूरी और हर्षित सेठी ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले कश्मीरी गेट कोल्टस ने पहले बैटिंग करके 40 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 208 रन बनाए। राहुल चोपड़ा ने 55, पार्थ जैन ने 43, नाजिम ने 37 रन का योगदान दिया। मित्रकांत यादव ने तीन और जीशान अंसारी ने दो विकेट लिए।

आनन्द की उम्दा गेंदबाजी, राइजिंग इलेवन की जीत

लखनऊ। आनन्द प्रकाश के चार विकेट की मदद से राइजिंग इलेवन ने फूलमती चौधरी स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट में एएस किंग को छह विकेट से हराया। एनईआर में खेले गए लीग मैच में एएस किंग ने पहले खेलकर 29.3 ओवर में 101 रन बनाए। युवराज यादव ने 41 और रीतेश शुक्ला ने 17 रन बनाए। आनन्द प्रकाश ने चार और जीतेन्द्र कुमार ने दो विकेट लिए। जवाब में राइजिंग इलेवन ने 19.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 103 रन बनाकर छह विकेट से मैच जीत लिया। जीवेश त्रिपाठी ने नाबाद 49 और राज नाविक ने नाबाद 24 रन बनाए। युवराज यादव ने एक विकेट लिए। सहारा स्टेट में खेले गए दूसरे लीग मैच में जीपी इलेवन ने लखनऊ हंटर्स को 100 रनों से हराया। जीपी इलेवन ने पहले खेलकर 30 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 215 रन बनाए। जवाब में लखनऊ हंटर्स की टीम 35 ओवर में केवल 115 रन बनाकर आल आउट हो गयी।

राष्ट्रीय सब जूनियर जूडो में यूपी के खिलाड़ी चमके

लखनऊ। इम्फाल में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय सब जूनियर व कैडेट जूडो प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के जूडोकाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। सब जूनियर वर्ग में में मुरादाबाद के आयुष कुमार सिंह ने 45 किग्रा. से कम भारवर्ग में स्वर्ण, मुजफ्फरनगर के कार्तिक ने 35 किग्रा. से कम भारवर्ग में रजत और वाराणसी के आकाश यादव ने 60 किग्रा. से कम भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। कैडिट वर्ग में मथुरा के सोहन सिंह ने 55 किग्रा.से कम, बुलन्दषहर के मुकुल सिंह ने 73 किग्रा. से कम भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीते। मुरादाबाद के राजीव कुमार सिंह ने 60 किग्रा. से कम, कानपुर के अरमान सिददीकी ने 90 किग्रा. से कम भारवर्ग में व मुरादाबाद के रोहन विश्नोई ने 90 किग्रा. भारवर्ग में रजत पदक जीते।

ICICI Bank
ICICI Bank Limited

पंजी. कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चकली सर्किल, ओल्ड पाड्रा रोड, वडोदरा-390 007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू). मुंबई-400 051
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान, नई दिल्ली-110 055

सार्वजनिक सूचना – प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी

[नियम 8 (6) का परंतुक देखें]

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्द्वारा सर्व साधारण को तथा विशेष रूप से कर्जदारों)/गारंटररों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत क्रेडिटर के पास बंधक रखी/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका भौतिक कब्जा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, "जैसी है जहां है", जैसी है जो भी है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेची जाएगी;

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/सह-कर्जदारों /गारंटरों का नाम/ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति(यों) का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य / धरोहर राशि जमा	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)
1.	सत्यवीर सिंह (कर्जदार)/ सुमन (सह-कर्जदार) एलबीडीईएल00001386142	फ्लैट नंबर 1, प्रथम तल, प्लॉट नंबर एस-2, ब्लॉक-ए, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-2, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश- 201002 एरिया-600 वर्ग फीट	रू 2,813,529.43/- (7 अक्टूबर,2019 को)	रू 22,20,000/- / रू. 2,22,000/-	13 नवम्बर, 2019 को मध्या. 12.00 बजे से अप. 1.00 बजे तक	29 नवम्बर, 2019 को पूर्वा. 11 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी एजेन्सी श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (यूआरएल लिंक – "https://eauctions.samil.in") की वेबसाइट पर सम्पन्न होगी। बंधकदाताओं/सूचनाप्रेषिती को 28 नवम्बर, 2019 को अप. 5.00 बजे से पूर्व कुल बकाया उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बिडर (बिडर्स) को अपनी ऑफर उपरोक्त धरोहर राशि जमा (कालम ङ में वर्णितानुसार) सहित एक मोहरबंद लिफाफे में "सम्पत्ति के क्रय हेतु ऑफर" शीर्षांकित कर इस प्रकार प्रस्तुत करें कि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, ब्लॉक ई-1, झंडेवालान एक्सटेंशन, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110055 में अथवा हमारे मार्केटिंग एजेन्ट श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के द्वितीय तल, बेस्ट स्काई टावर, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034 स्थित कार्यालय में 28 नवम्बर, 2019 को अथवा पूर्व अप. 5.00 बजे से पहले पहुंच जानी चाहिए। मार्केटिंग एजेन्सी को नीलामी के सम्यक् संचालन के लिए नीलामकार के रूप में भी अनुबंधित किया गया है। ईएमडी डीडी/पीओ राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से "आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड" के पक्ष में तथा दिल्ली में देय होना चाहिए।

निरीक्षण, नीलामी के निबंधन और शर्तों या निविदा जमा करने के संबंध में किसी अतिरिक्त स्पष्टीकरण के लिए कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के मोबाइल नम्बर 8657476284/8584874809 पर अथवा श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के 9910453434 पर सम्पर्क करें। केवल बैंक/ई-नीलामी विक्रेता पदाधिकारी द्वारा अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व पूर्ण विवरण के साथ प्राप्त और पंजीकृत की गई निविदाएं ही नीलामी हेतु मान्य होंगी।

प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिड्स को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की वेबसाइट देखें www.icicibank.com/n4p4s

तिथि : 23 अक्टूबर, 2019
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2019

दीपिका पादुकोण, पी.वी सिंधू भारत की लक्ष्मी पहल की ध्वजवाहक

एजेंसी। मुंबई

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल भारत की लक्ष्मी का अंबेसडर बनाया गया है। इस पहल का मकसद दिवाली के त्योहार से पहले राष्ट्र भर की महिलाओं द्वारा किए गए सराहनीय कार्य को सामने लाना है।

प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण के कार्य को रेखांकित करने वाले नए अभियान पर एक वीडियो साझा किया। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर लिखा, भारत की नारी शक्ति प्रतिभा एवं संकल्प, दृढ़ता और समर्पण का प्रतीक है। हमारे लोकाचार ने हमें हमेशा महिला सशक्तीकरण के लिए प्रयास करना सिखाया है। इस वीडियो के माध्यम से पीवी सिंधू और दीपिका पादुकोण ने भारत की लक्ष्मी पहल के संदेश को बेहतरीन ढंग से रखा है।

दीपिका और सिंधू ने ट्विटर पर इस अभियान को अपना समर्थन दिया। दीपिका ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, इस दिवाली, चलिए हमारे देश की महिलाओं के योगदान एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हैं और उनका जश्न मनाते हैं। वहीं सिंधू ने कहा कि समाज तब विकसित होता है जब महिलाएं सशक्त होती हैं और उनकी उपलब्धियों को गर्व से देखा जाता है। उन्होंने ट्वीट किया, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के भारत की लक्ष्मी अभियान का समर्थन करती हूं। यह भारत की अद्भुत महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों का जश्न मनाता है। चलिए इस दिवाली नारीत्व का जश्न मनाते हैं।

कैटरीना ने नयनतारा को बताया 'दक्षिण की खूबसूरत सुपरस्टार'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने अपनी मेकअप लाइन 'के ब्यूटी' के प्रचार के लिए दक्षिण की सुपरस्टार नयनतारा के साथ जुड़ीं और कैटरीना ने इसके लिए उनकी जमकर प्रशंसा भी की। कैटरीना ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक ब्लैक एंड व्हाइट वीडियो साझा की। इस क्लिप में दोनों अभिनेत्रियों को आपस में बात करते हुए देखा जा सकता है।

इस क्लिप के कैप्शन में कैटरीना ने लिखा,'अपने व्यस्त शेड्यूल में से वक्त निकालकर 'के ब्यूटी' कैम्पेन का हिस्सा बनने के लिए मुंबई आने की वजह से दक्षिण की खूबसूरत सुपरस्टार नयनतारा को बहुत-बहुत धन्यवाद। बेहद उदार और शालीन..। 'आने वाले समय में कैटरीना, रोहित शेट्टी की फिल्म 'सूर्यवंशी' में नजर आएंगी। इस फिल्म के साथ कैटरीना और अभिनेता अक्षय कुमार नौ साल बाद फिर से साथ काम करने जा रहे हैं।

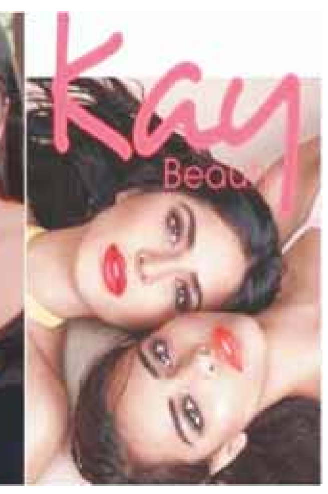

'सांड की आंख' समझ वाली कमर्शियल फिल्म: भूमि

मुंबई। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने कहा है कि उनकी अगली फिल्म 'सांड की आंख' समझदारी से लबरेज एक व्यावसायिक फिल्म है। भूमि ने कहा कि यह एक व्यावसायिक फिल्म है जिसमें काफी सारी समझ है। मुझे लगता है कि जब कभी किसी फिल्म को दुनियाभर के फिल्म महोत्सवों में मान्यता दी जाती है और फिर दिवाली के मौके पर रिलीज होती है, तो यह एक उचित संतुलन बनाए रखता है और आपको ढेर सारा आत्मविश्वास देता है। तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत की सबसे वयस्क शार्पशूटर प्रकाशी तोमर और चंद्रो तोमर की जिंदगी पर आधारित है, जिसे फिल्म में तापसी और भूमि ने निभाया है। फिल्म में इन दोनों अभिनेत्रियों के अलावा प्रकाश झा और विनीत कुमार सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 25 अक्टूबर को रिलीज होगी।

उत्तर प्रदेश में कर मुक्त हुई 'सांड की आंख'

उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी बॉलीवुड फिल्म 'सांड की आंख' को कर मुक्त घोषित कर दिया है। तापसी पन्नू और भूमि पेडनेकर द्वारा अभिनीत यह फिल्म भारत की दो सबसे वयस्क शार्पशूटर चंद्रो और प्रकाशी तोमर की जिंदगी पर आधारित है। महिला सशक्तीकरण और खेल प्रोत्साहन पर आधारित इस फिल्म को पहले से ही राजस्थान में कर मुक्त कर दिया गया है और अब यूपी सरकार ने इसे टैक्स फ्री करने की घोषणा की है।

आईएफएफआई ने ओपन एयर स्क्रीनिंग के लिए फिल्मों की घोषणा की

नई दिल्ली। भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव (आईएफएफआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि हास्य फिल्में पड़ोसन एवं अंदाज अपना अपना और ब्लॉकबस्टर फिल्में गली ब्वॉय और उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक ओपन एयर स्क्रीनिंग का हिस्सा होंगी। यह फिल्मोत्सव गोवा में 20 नवंबर से 28 नवंबर तक चलेगा। द जॉय ऑफ सिनेमा विषय के तहत आयोजित होने वाले 50वें आईएफएफआई में दो परिसरों-अल्तिन्हो में जॉर्ग्स पार्क और मीरामार बीच पर 14 फिल्में दिखाई जाएंगी। फिल्म जगत के प्रेमियों को शानदार सिनेमाई अनुभव मुहैया कराने के लिए हर साल ओपन एयर स्क्रीनिंग का आयोजन किया जाता है। इस स्क्रीनिंग में कोई भी शामिल हो सकता है और इसके लिए किसी प्रकार के पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। प्रवेश निःशुल्क होगा। जॉर्ग्स पार्क में चलती का नाम गाड़ी , हेरा फेरी , चेन्नई एक्सप्रेस , बधाई हो और टोटल धमाल भी दिखाई जाएगी। मीरामार बीच पर कोंकणी फिल्म नाचोम-इया कुम्पसार , ऋतिक रोशन अभिनीत सुपर 30 , मराठी फिल्म आणंदी गोपाल , राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गुजराती फिल्म हेलारो और तेलुगु सफल फिल्म एफ2-फन एंड फ्रस्ट्रेशन दिखाई जाएंगी। इस उत्सव में विभिन्न देशों की करीब 250 फिल्में दिखाई जाएंगी। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता अमिताभ बच्चन की चुनिंदा सात या आठ फिल्में भी इस साल उत्सव में दिखाई जाएंगी।

'पागलपंती' के ट्रेलर में पुलकित का पागलपन

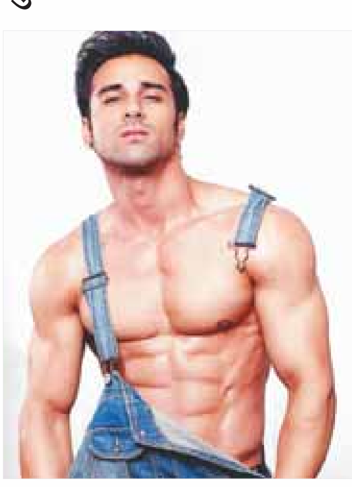

फुकरे और फुकरे रिटर्न्स की शानदार सफलता के बाद, पुलकित एक बार फिर अपनी बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फिल्म पागलपंती के साथ दर्शकों और अपने फेन्स को हसांने और गुदगुदाने के लिए तैयार है। हाल ही में लॉन्च हुए पागलपंती के ट्रेलर को और उसके कलाकारों को अपने हास्य और शानदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहा गया है, विशेष तौर से पुलकित सम्राट को जो फिल्म में अपने पागलपन और मनोरंजक वन -लाइनर्स के साथ ऑडियंस को लुभा रहे है साथ ही अपने फेन्स और ऑडियंस के मन में उत्सुकता जगा रहे हैं। फिल्म में उनकी शानदार कॉमिक टाइमिंग के अलावा, पुलकित को उनकी सह-कलाकार, कृति खरबंदा के साथ उनकी क्यूट केमिस्ट्री के लिए भी सराहा जा रहा है। पुलकित की अगली रोमांचक फिल्म प्रोजेक्ट के बारे में बात की जाएं तो वह बेजॉय नांबियार की तैश में दिखाई देंगे।

हिमानी शिवपुरी को दादासाहेब फालके आइकन अवार्ड

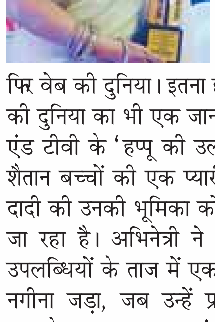

पिछले 35 सालों से मनोरंजन जगत का हिस्सा रहीं, दिग्गज अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को मुग्ध किया है, चाहे वह बॉलीवुड हो या फिर वेब की दुनिया। इतना ही नहीं, वह थियेटर की दुनिया का भी एक जाना-पहचाना नाम हैं। एंड टीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' में नौ शैतान बच्चों की एक प्यारी लेकिन अड़ियाल दादी की उनकी भूमिका को काफी पसंद किया जा रहा है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपनी उपलब्धियों के ताज में एक और उपलब्धि का नगीना जड़ा, जब उन्हें प्रतिष्ठित 'दादासाहेब फालके आइकन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हिमानी शिवपुरी ने कहा कि दादासाहेब फालके' आइकन अवॉर्ड पाकर मुझे बेहद खुशी महसूस हो रही है और मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह इस इंडस्ट्री में मेरे इतने सालों के काम का सबूत है और इससे ज्यादा मुझे क्या चाहिये।

'फिल्मों से अधिक चुनौतीपूर्ण है थियेटर'

बॉलीवुड फिल्म से पदार्पण करने वाले **दर्शील सफारी** अपने नाटक 'कैसे करेंगे?' में परिवार और कर्तव्यों के बीच अनवरत चलने वाले संघर्ष को ही चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे विस्तृत बातचीत में अधिक जानकारी जुटाई पायनियर संवाददाता **चहक मित्तल** ने -

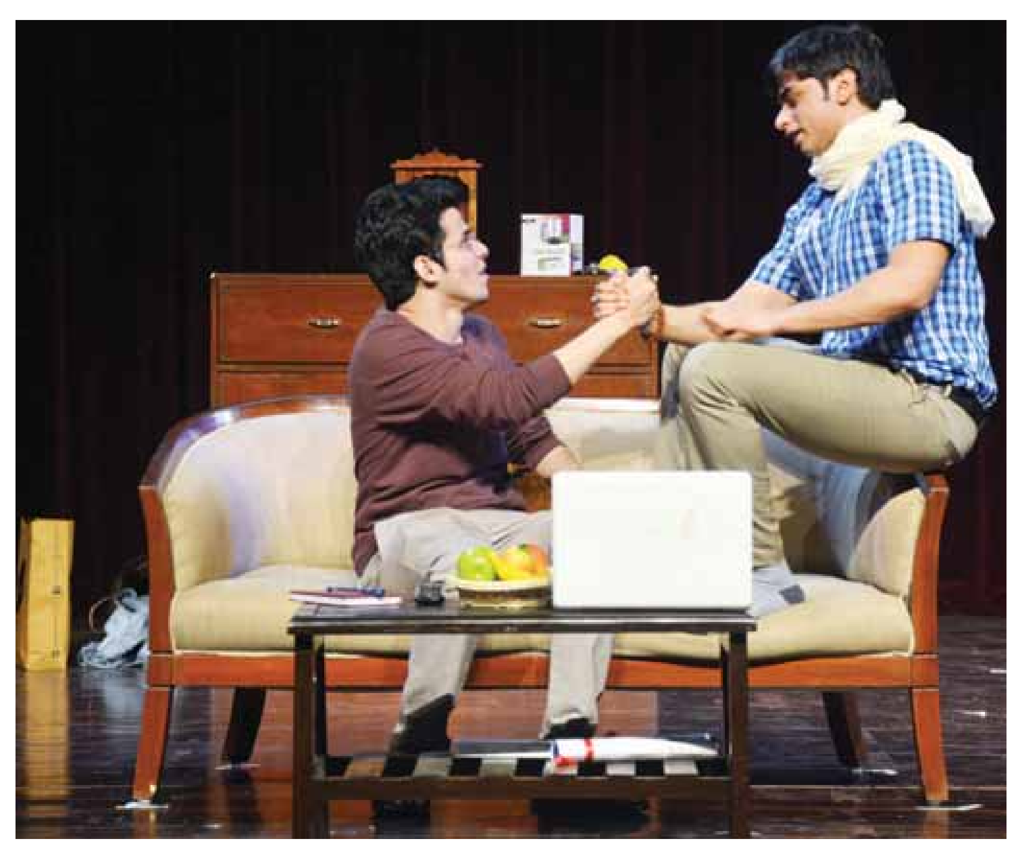

'**जब** जीवन में आप पर पर नीबू पड़ें अर्थात खट्टे अनुभव मिलें, तो आप उसका लेमनेड बनाकर आनंद लेंने जैसी मानसिकता से उसका सामना करें' यही वो दर्षन है जिसे दरषील सफारी ने अपने इस नाटक में सौरव परसरामपुरिया बनकर सामने रखने का प्रयास किया है। वो वास्तव में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी जाना चाहता है। लेकिन अपने लक्ष्य के निकट पहुंचते ही वो एक संकट में फंस जाता है। उनके भाई कपिल परसरामपुरिया बने अभिषेक पटनायक को मल्टिपल पर्सनैलिटी डिसॉर्डर रोग हो जाता है। और वो रुक जाते हैं। इसके बाद तो संकटों का पहाड़ ही टूट पड़ता है। वो अपने भाई की मदद करते करते उसे ही अपने लाभ का माध्यम बना लेते हैं।

वो इससे पहले दो नाटक-कैन आई हेल्प यू, तथा टू एडोरेबल लूज़र्स, के बाद दरशील अब कैसे करेंगे? में महत्वाकांक्षाओं और पारिवारिक कर्तव्यों के बीच के संघर्ष को सामने रखने का प्रयास किया है। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंश-

■ **आपको ये रोल कैसे मिला?**

- मैं उस समय घर में टीवी देख रहा था जब अभिषेक ने फोन पर मुझसे संपर्क कर मिलने को कहा। मैं उस समय आलस में था लेकिन चूंकि स्थान पास में था तो मैं चला गया। लेकिन मुझे पता नहीं था कि इस बैठक के बाद मैं थियेटर में काम करूंगा। बाद में जब मैं उनसे मिला, उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट सुनाई। ये मुझे हास्यपूर्ण लगी। लेकिन अनुभव के लिए मैंने उसमें काम करना स्वीकार कर लिया। मैंने कुछ सोचकर वहीं अपनी सहमति दे दी।

■ **थियेटर के लिए लाइव परफॉर्म करना कैसा लगा?**

- मेरे लिए तो ये कुछ नया सीखने का अवसर मिला क्योंकि मैं पहली बार थियेटर और उसके तकनीकी पक्ष के बारे में जान पाया। मैंने पहले स्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाला और इसके बाद जैसे ही स्वाभाविक हुआ, मुझे थियेटर के विविध पक्षों के बारे में नई बातें पता चलीं। उदारहण के लिए जब थियेटर में दर्षक सामने होते हैं तो उनकी त्वरित प्रतिक्रिया सामने ही देखने को मिलती है। मुझे ये अच्छा लगा। शो हास्य-व्यंगपूर्ण था अत: दर्शकों को हंसते, आनंद लेते और हमसे जुड़ते देखना मेरे लिए एकदम नया अनुभव था। मेरे मित्र अभिषेक इस बारे में मुझे बताते रहते थे। वो कहते हैं, 'जब आप दर्शकों का मनोरंजन करने में सफ्ल हो जाते हैं तो एक विषेष अनुभूति होती है।' मेरे लिए ये एक विशेष सीख थी, इससे मैं एक अच्छा अभिनेता, अधिक आत्मविश्वासपूर्ण व्यक्ति और अभिनय के प्रति एक नये दृष्टिकोण के बारे में जान सका हूं। लोग मुझसे पूछते हैं कि आप कितने दिन थियेटर करेंगे? फिल्मों में कब लौट रहे हैं? लेकिन अब भविष्य में फिल्मों में काम करने के बाद भी मैं थियेटर में काम करता रहूंगा क्योंकि इससे आप अनवरत सीखते रहते हैं।

■ **आपने अपने चरित्र के बारे में जानने के लिए क्या कोई शोध आदि किया था? आपको मल्टीपल आईडेंटिटी डिसॉर्डर वाले रोगी के व्यवहार के बारे में कैसे जानकारी हुई?**

- मुझे बताया गया था कि मुझे ऐसी भूमिका मिलेगी जो मैंने पहले कभी नहीं की है। यही वो रोल था। ये एक जीनियस का रोल था। ये सरल नहीं था क्योंकि मैं इसमें अपनी ओर से कुछ करने का प्रयास करना चाह रहा था। इसी प्रकार से आप अपने चरित्र को लेकर स्वाभाविक होते हैं। हमारे निर्देशक सुकेतु ने हमें रोल को लेकर कुछ नया जोड़ने-घटाने की पूरी स्वतंत्रता दे रखी थी। अभिषेक से भी पूरा समर्थन मिला। इस प्रकार से ये एक आदर्श मिश्रण जैसा था यही कारण था कि ये एक सर्वश्रेष्ठ अनुभव बन सका। इन्हीं बातों से मैं सौरव का चरित्र अच्छे ढंग से निभाने में सफल रहा।

■ **चूंकि आप सिनेमा और थियेटर दोनों ही कर चुके हैं, सिनेमा आपके अनुसार थियेटर से किस प्रकार से भिन्न है? क्या अधिक चुनौतीपूर्ण है?**

- देखिये, थियेटर अधिक चुनौतीपूर्ण है। उसमें आपको चरित्र जीना पड़ता है तभी लोगों को विश्वास होता है। ऐसे में यदि आप स्टेज पर वास्तव में नहीं रो रहे तो आप उसे जी नहीं रहे होते, तो दर्शक कैसे उस पल को जी सकेंगे। फिल्मों में वो सब चल सकता है क्योंकि वहां कई प्रकार की तकनीक और युक्तियां होती हैं। लेकिन थियेटर के दौरान उस प्रकार का कोई समर्थन नहीं रहता। तभी कला को सर्वश्रेष्ठ कलाविधा माना जाता है। फिल्मों को भी वो चुनौतीपूर्ण मानते हैं, लेकिन अलग प्रकार से। मेरे लिए थियेटर में आपको लोगों को विश्वास में लेना होता है और यदि आप फिल्मों में भी ऐसा करने में सफ्ल होते हैं तो आपके प्रदर्शन में अद्भुत सुधार हो सकता है। इससे दोनों में लाभ होता है।

■ **फिल्म 'तारे जमीं पर' से लेकर आज तक आपमें क्या परिवर्तन आए हैं?**

- जब 2006 में मैंने अभिनय प्रारंभ किया था मैं वो सब करता था जो मुझसे करने के लिए कहा जाता था। कभी वो मस्ती करने और कभी किसी परिस्थिति विषेष में मेरी प्रतिक्रिया के बारे में जानने का भी प्रयास होता था। फिर मेरे भीतर से एक प्रकार की स्वाभाविक प्रतिक्रिया निकलती थी। बीते सालों के दौरान मैंने विभिन्न लोगों से काफी कुछ सीखा। लेकिन कुछ सीमाएं थी जो मेरे निर्णयों के बाद बदल जाती थीं। उदारहण के लिए जब मैंने झलक दिखला जा के माध्यम से पहली बार टीवी में काम किया तो मुझे एक नया अनुभव हुआ। इसके बाद मैंने थियेटर ज्वाइन किया और वहां अभिनय के प्रति मेरे दृष्टिकोण में व्यापक परिवर्तन आया। वैसे मैं स्वयं को दस की स्केल पर आठ या नौ अंक देता था लेकिन थियेटर में आकर मुझे लगा कि अभिनय में काफी कुछ और सीखने की संभावनाएं बनी रहती हैं क्योंकि ये एक अनंत सीढ़ी के समान होता है। इसके बाद मेरी विचार प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आए, मुझे पता लगा कि हर दिन आप कुछ नया सीख सकते हैं। आप सीखना नहीं छोड़ सकते, विषेषत: थियेटर करने के दौरान। मैं माध्यम के बारे में कभी नहीं सोचता। मुझे फिल्मों, थियेटर या टीवी किसी में भी अभिनय मिले तो मैं उसे करूंगा। मैं कहानी को ही प्राथमिकता देता हूं। पहले कोई भी मेरे रोल को छोटा या बड़ करावा सकता था। अब कहानी पर मैं निर्णय करता हूं कि कहानी मेरे अभिनय के लिए सही है या नहीं। ऐसे में ये एक अच्छा अनुभव साबित होता है। अब मैं और अधिक अभिनय करना चाहता हूं। मेरे लिए एक नई अवधारणा ये बनी है कि अब थियेटर, फिल्मों तथा टीवी के बीच का अंतर नगण्य हो चला है। मैं केवल अभिनय का आनंद लेना चाहता हूं। इसे अभिनय के प्रति मेरे प्रेम में वृद्धि होती है।

■ **तारे जमीं पर के बाद बारह वर्ष हो चुके हैं लेकिन आज भी लोग आपको ईषान अवस्थी के नाम से जानते हैं। क्या आपको ये रोल अपने जीवन का सवश्रेष्ठ रोल लगा था?**

- यदि आज भी लोग मुझे ईशान अवस्थी के नाम से जानते हैं तो उसका प्रभाव स्वत: ही स्पष्ट हो जाता है। मैं लोगों का धन्यवाद अदा करता हूं। ऐसी फिल्म जीवन में एक बार आती है। मुझे वास्तविक अभिनय याद नहीं रहता। एक प्रकार से मैं स्वाभाविक रूप से फिल्म में काम कर रहा था। उस समय किसी प्रकार का तनाव आदि नहीं था। मैं तब केवल 9 वर्ष का था और अपने प्रदर्षन का आनंद ले रहा था। ये स्मरणीय था। लोगों मुझे जबतक चाहें ईशान के रूप में स्मरण कर सकते हैं। इससे मुझे और अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है।

■ **फिल्म 'तारे जमीं पर' और नाटक 'कैसे करेंगे?' में आपके रोल में काफी समानता है। दोनों में ही आपको मानसिक रोग झेलते दिखाया गया है। मानसिक स्वास्थ्य तथा इस बारे में बदलते परिदृश्य में लोगों द्वारा ऐसे रोल स्वीकार करने को देखते हुए आपके विचार क्या हैं?**

- मेरा तो मानना है कि अभिनय स्वयं ही अति मनोवैज्ञानिक है। आप अपनी विचार प्रक्रिया और भावनाओं को दूसरी ओर मोड़ रहे होते हैं। इस मामले में अभिनेता दूसरों से बेहतर स्थिति में हैं। उन्हें अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना आता है। फिर बात आती है मेथड ऐक्टिंग की, वे तो दूसरे चरित्र में पूरी तरह से उतर जाते हैं। ये सही है कि वे ऐसा अपनी इच्छा से करते हैं। मेरा मानना है कि इसी कारण से आपको स्वयं को अभिव्यक्ति देते रहना होता है तभी आप मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। जितना आप दूसरों से कह लेंगे, आपके लिए ये उतना ही अच्छा रहेगा। 'टू अडोरेबल लूजर्स' में भी अभिव्यक्ति को लेकर कहानी का तानाबाना बुना गया है। उसमें मेरा चरित्र अक्षय हीनभावना से पीड़ित होता है। उसका अध्यापक भी ऐसी ही समस्या से ग्रसित होता है। दोनों ही अपनी समस्या को एक दूसरे को अत्यंत हास्यपूर्ण ढंग से बताते हैं। धीरे धीरे दर्शक देखते हैं कि उनमें आत्मविश्वास आने लगता है क्योंकि उन्हें समाज को प्रतिक्रिया देना आ गया है।

'कैसे करेंगे' में भी यही दिखाया गया है। जब आपको पता चल जाए कि क्या हो रहा है क्योंकि आपको नहीं पता होता कि लोगों की प्रतिक्रिया कैसी होगी? आपको उन्हें किनारे रखकर उनसे दिल खोलकर बात करनी चाहिये। हमें अपने विचार साझा करते रहना चाहिये। अपनी समस्या को अपने सच्चे मित्र या परिवार, भाई या बहन से साझा करने से मन हल्का हो जाता है। क्योंकि स्पष्ट समझ से अच्छा कुछ भी नहीं होता। जब आप अपनी समस्या बता लेते हैं तो सफ्लता की आपकी राह खुल जाती है। पुरानी कहावत अत्यंत सार्थक है-ईष्वर उन्हींकी मदद करते हैं जो स्वयं अपनी मदद करते हैं। जब आप समस्या का सामना कर रहे हों तो इसे अपने ऊपर चरितार्थ करें और स्वयं को बाहर निकालें। आपके अलावा और कोई दूसरा ये काम नहीं कर सकता। स्वयं को एक सही मानसिक अवस्था में रखना सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। मैंने इन तत्वों को समझ लिया है। वास्तविकता यही है कि हम सभी अपने जीवन में किसी न किसी समय भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक झंझावात में फंसते ही हैं।

■ **वर्ष 2012 के बाद से लोगों को आपकी फिल्में कम ही देखने को मिली हैं। क्या भविष्य में आप अधिक फिल्में करने की योजना बना रहे हैं? क्या आपकी कोई भावी परियोजना हैं?**

- जी हां, मैं किसी भी अच्छी कहानी वाली फिल्म को करने के लिए तत्पर हूं। कुछ परियोजनाओं पर बात चल रही है। आप शीघ्र ही मुझे देखेंगे। मैंने बताया ही है कि मैं फिल्में और थियेटर दोनों करूंगा। लेकिन अभी कुछ नहीं कह सकता। (दर्शील सफारी तथा अन्य अभिनीत तथा आउट ऑफबॉक्स प्रोडक्षन का ये आठवां नाटक कमानी प्रेक्षागृह में 20 अक्तूबर को मंचित किया गया)